हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हैप्पी फादर्स-डे

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 15 जून 2025

WE TEACH OUR PROBLEM SOLVERS HOW TO ADAPT TO NEW SITUATIONS.

Aakash
Medical | IIT-JEE | Foundations

That's why we have so many rankers this year too.

NEET 2025 format was not just different, it was tough too. But be it new formats or new challenges, Aakashians have proven yet again, that when you learn the skill of problem solving you can ace any test.

OUR NATIONAL TOPPERS 2025

- HARYANA TOPPER — AIR 11 Arsh Gandhi, 2 Year Classroom, 674/720
- WEST BENGAL TOPPER — AIR 16 Rachit S Chaudhuri, 2 Year Classroom, 670/720
- AIR 20 Rupayan Pal, 1 Year Classroom, 666/720
- AIR 23 Gourav Yadav, 3 Year Classroom, 665/720
- AIR 25 Abhijeet Kulhari, 1 Year Classroom, 665/720
- AIR 29 Tanisha, 3 Year Classroom, 663/720
- AIR 35 Kavish, 1 Year Classroom, 661/720
- UTTAR PRADESH TOPPER — AIR 36 Muktesh Tanmay, 2 Year Classroom, 661/720
- AIR 39 Raunaq Arora, 2 Year Classroom, 660/720
- AIR 44 Anant Chaurasia, 4 Year Classroom, 656/720

& many more...

OUR STAR PERFORMERS FROM CHHATTISGARH

- Chhattisgarh Topper — AIR 524 Darshit Jain, 2 Year Classroom, 618/720
- AIR 554 Siya Rai, 3 Year Classroom, 617/720
- AIR 1009 Khushal Dhameja, 2 Year Classroom, 606/720
- AIR 1239 Simone Bagaria, 2 Year Classroom, 602/720
- AIR 4847 Aanya Agney, 2 Year Classroom, 573/720
- AIR 5141 Disha Solanki, 2 Year Classroom, 571/720
- AIR 6654 Prithvi Rathore, 2 Year Classroom, 565/720
- AIR 8909 R. Rahul Rao, 1 Year Classroom, 558/720

& many more...

Though every care has been taken to publish the result, yet Aakash Educational Services Ltd. shall not be responsible for inadvertent error, if any.

TO EVERY Aakash TEACHER — THANK YOU FOR BEING OUR STUDENTS' PROBLEM-SOLVERS, MENTORS, AND UNWAVERING SUPPORT.

ADMISSIONS OPEN
Repeater / Dropper Batches
(XII Passed Batches)
NEET / JEE 2026

Get Up to **90%** Scholarship**

Appear for instant Admission cum Scholarship Test (iACST). Register for FREE
Visit: iacst.aakash.ac.in
Hurry! Batches Filling Fast

SCAN TO APPLY

**Terms & Conditions apply. The maximum iACST scholarship for the Regular Classroom Course (RCC) is up to 90%. However, this scholarship is limited to a maximum of 60% for the NEET repeater courses.

CLASS 12th — Studying Students — 1 Year Integrated courses for NEET / JEE

CLASS 11th — Studying Students — 2 Year Integrated courses for NEET / JEE

CLASS 8th-10th — Studying Students — Integrated courses for School Boards / Olympiads

Call Your Nearest Branch: **Ambikapur:** 6262033320, 6262033310 **Bilaspur:** 8800732450, 9289714488 **Bhilai:** 7460011520, 7611110533, 7460011521, 7518020864 **Korba:** 8109208475, 8109208375 **Raigarh:** 7804886680, 9302086956 **Raipur:** 8800256484, 9220124445, 9220124448, 9220124449 **Rajnandgaon:** 7611100062, 7611100063, 7611100064, 7611100068

SCAN FOR NEAREST BRANCH

CALL (TOLL-FREE): 1800-102-2727

VISIT: aakash.ac.in

Scan to Download Aakash App

Aakash
Medical | IIT-JEE | Foundations

INDIA'S 13th Private University with "UGC12(B)" | (Approved by UGC U/S 2(f) of the UGC Act-1956)

SHRI RAWATPURA SARKAR UNIVERSITY, RAIPUR CHHATTISGARH

(Approved by UGC U/S 2(f) of the UGC Act-1956)

Approved & Recognized by :

Where Potential Meets Purpose

- 65 Acre Lush Green Campus
- 8000+ National and Intl. Students
- Separate Hostels for Boys & Girls (AC / Non-AC)
- 100% Campus Placement Drive
- Global National & International Collaborations
- Research and Innovations
- National Excellence Partnerships
- Advance Learning Infrastructure
- Scholarship Schemes
- Hassle-free payment plans with multiple options

Placements Records

100% Eligible Students Placed

2024-25 ADMISSIONS OPEN

BBA, MBA Commerce & Management

Programmes Offererd :

- **Arts** (B.A., M.A., Ph.D.)
- **Commerce & Management** (B. Com., M. Com., BBA, MBA, Ph.D.)
- **Education** (B.Ed, B.Ed-Special Edu., D.Ed-Special Edu., B.P.Ed, BPES, MPES, Ph.D.)
- **Engineering** (Diploma, B.Tech., M. Tech., Ph.D.)
- **Law** (BA.LL.B., B. Com. LL.B., LL.B., LL.M., Ph.D.)
- **Pharmacy** (D. Pharma, B. Pharma, M. Pharma, Ph.D.)
- **Science** (B.Sc., M.Sc., B. Optometry, M. Optometry, B.Sc. MLT, Ph.D.)

CAREER SCOPES

- Industry-Ready Graduates
- Wide Career Pathways
- Strong Placement Support
- Research & Innovation Opportunities
- Government & Competitive Exams
- Healthcare & Allied Fields
- Entrepreneurial Development Cell (EDC)
- Global Exposure
- Academic & Teaching Careers
- Continuous Learning & Certifications

Our Recruitment Partners

HIRA, accenture, DECATHLON, Capgemini, TATA POWER, Johnson, TOYOTA, Apollo Pharmacy, BALCO, american chase, Dr.Reddy's, KALYANI, UltraTech, ELEATION, ICICI Bank, EY, lenskart, policybazaar, WINGS PHARMA, vedanta, many more..

7222910411 | Follow on : | NH-30, New Dhamtari Road, Raipur

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

फादर्स डे पर विशेष

पिता

आस-विश्वास और उम्मीद का आकाश

पिता परिवार की धुरी होते हैं। अपने बच्चों के लिए जीवन की तपती धूप में वे छांव होते हैं। पिता व्यक्त नहीं कर पाते भावनाएं, वे संघर्ष और आंधियों में हौसले की दीवार बन जाते हैं। बाहर से बेहद सख्त और अंदर से बेहद नर्म होते हैं। वे दुखों में आंसू छिपाते हैं, अपने बच्चों को कठोर बनाने के लिए सख्त बन जाते हैं। वे लड़ जाते हैं दुनिया से, बच्चों के ईश्वर इसलिए कहलाते हैं।
सच में..पिता भगवान ही होते हैं।
इस फादर्स डे पर ऐसे पिताओं की कहानियां जिन्होंने अपने दिव्यांग पुत्र-पुत्रियों को सिखाया संघर्ष और बनाया होनहार, क्योंकि पिता ही ऐसा कर सकते हैं।

मजदूर पिता ने संघर्षों से पाला

पांच बच्चे, पांचों दिव्यांग फिर भी पिता ने नहीं मानी हार

विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

जमाने में मां की ममता, हर कोई देख लेता है लेकिन पिता के संघर्ष की कहानी बहुत कम ही सामने आ पाती है। यह तब और भी मायने रखता है, जब परिवार में बच्चा दिव्यांग हो। बिलासपुर जिले के सीपत थाना अंतर्गत ग्राम निपानिया के दुकालू राम यादव की संघर्षपूर्ण कहानी हर किसी के लिए प्रेरणादाई हो सकती है। उनके पांच बच्चे हैं और पांचों दिव्यांग है। इनमें से तीन भाई और एक बहन ब्लाइंड और शारीरिक रूप से कमजोर हैं, तो एक बहन ना बोल सकती, ना सुन सकती और ना ही देख सकती है। शारीरिक और मानसिक रूप से भी काफी कमजोर है। अब जरा इस संघर्ष को महसूस ▶▶| शेष पेज 5 पर

संघर्ष तो करना होगा, तभी तो सवेरा होगा

पिता दुकालू राम रोजाना शाम को बच्चों के साथ बैठते हैं और हौसला बढ़ाते हैं। कहते हैं जीवन में संघर्ष तो करना ही होगा तभी तो सफलता मिलेगी और सवेरा होगा। दुकालूराम के मुताबिक बच्चे हैं वह भी मेरे बच्चे हैं। चाहे जैसे भी हों लेकिन मेरा प्यार तो कभी कम नहीं होगा। इसलिए ही इन्हें कोई कमी नहीं होने दी। सुबह 8 बजे गांव से निकलकर सीपत और फिर वहां से कभी बलौदा कभी ▶▶| शेष पेज 5 पर

विशेष सामाग्री भीतर के पन्नों पर...

रायपुर को मिली इंटरनेशनल टी20 मैच की मेजबानी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर को अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट मैच की मेजबानी मिलना प्रदेश के लिए गौरव की बात है। यह मैच भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच जनवरी 2026 में होने वाली व्हाइट बॉल सीरीज के शेड्यूल की घोषणा ▶▶| शेष पेज 5 पर

हरिभूमि-आईएनएच की खबर का असर

लड़कियों को फ्री एंट्री-फ्री ड्रिंक ऑफर करने वाले पांच मैनेजर अरेस्ट

- हरिभूमि-आईएनएच की टीम ने किया था खुलासा पुलिस के आदेश की उड़ती दिखी थी धज्जियां
- एसएसपी के निर्देश पर मैनेजरों को उठाया कार्रवाई जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खबर का असर

हरिभूमि-आईएनएच के खुलासे का बड़ा असर हुआ। पुलिस ने रायपुर के क्लब, बार और कैफे में युवतियों को फ्री एंट्री और फ्री पैग देने वाले पांच मैनेजरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंदिर हसौद, तेलीबांधा थाना और नवा रायपुर के संस्थानों पर शिकंजा कसा है। यह सभी बुधवार को रायपुर में लड़कियों को फ्री में एंट्री देकर शराब पिला रहे थे, जबकि एसएसपी रायपुर लाल उमेद सिंह ने सभी क्लब, बार और पब ▶▶| शेष पेज 5 पर

खबर के बाद एक्शन में पुलिस, पांच गिरफ्तार

खबर प्रकाशित होने के बाद पुलिस एक्शन में आई। तेलीबांधा थाना इलाके में संचालित जूक बार के मैनेजर विनोद मिश्रा, ऑन द रॉक के मैनेजर मधुरेश पांडे और एल ओ डी ओमाया गार्डन के मैनेजर शेख शब्बीर अली को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वही मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के क्लब के मैनेजर सौरभ कुमार और नवा रायपुर स्थित आईपी क्लब के मैनेजर परमानंद प्रधान को गिरफ्तार किया गया। सभी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई कर कोर्ट में पेश किया गया।

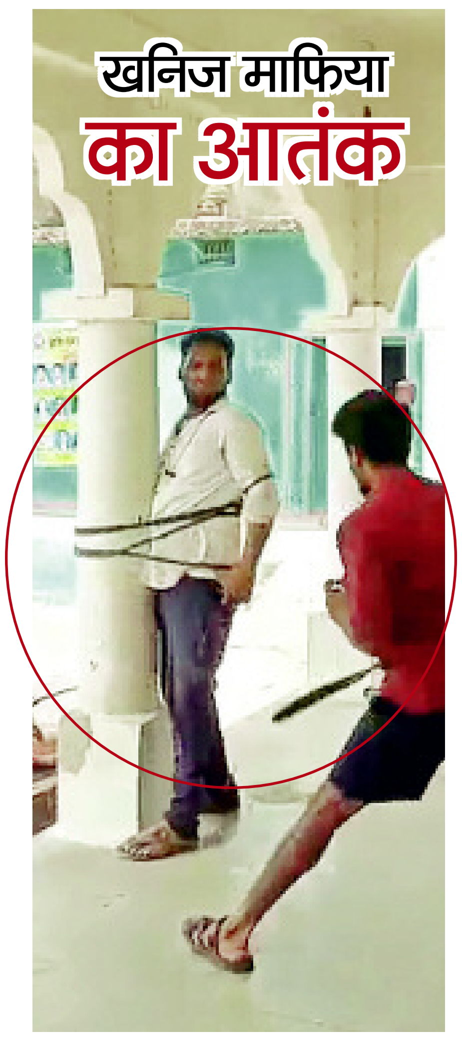

चौराहे पर रस्सियों से बांधा, बेदम पीटा, सैकड़ों ग्रामीण देखते रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बलौदा बाजार

खास खबर

गरियाबंद में पत्रकारों पर फायरिंग करने और राजनांदगांव में अवैध रेत खनन से रोकने पर ग्रामीणों पर गोली चलाने की घटना के बाद बलौदाबाजार की एक घटना ने खनिज माफिया के आतंक को उजागर कर दिया है। बलौदाबाजार के गिधौरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खपराडीह में एक व्यक्ति को बीच चौराहे पर बांधकर बेल्ट और लाठी-डंडे से पीटा। आरोपी सैकड़ों लोगों के सामने बेदर्दी से पीटते रहे लेकिन किसी की हिम्मत उसे बचाने की नहीं हुई। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ नामजद अपराध दर्ज कर लिया है, लेकिन किसी की गिरफ्तारी नहीं की है। आरोप है कि पुलिस आरोपियों के रसूख की वजह से नरमी बरत रही है।

घटना 12 जून की है। एक युवक के साथ खनिज माफिया ने ▶▶| शेष पेज 5 पर

खंबे से बांधकर पिटाई

वायरल वीडियो में यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि आरोपियों ने पीड़ित को भवन के पिल्हर में बांधकर बेल्ट से पीट रहे हैं। इस घटना को सड़क पर आने जाने वाले लोग देखकर स्तब्ध और डरे हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी पहले भी इस प्रकार की हरकतों में शामिल रहे हैं और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पीड़ित की शिकायत पर गिधौरी थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 0136 दर्ज कर लिया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 115(2), 127(2), 296, 3(5) और 351(3) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है।

सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं

इस घटना का संज्ञान लेते हुए अपराध पंजीबद्ध हो गया है, विवेचना जारी हैं। थाने को सख्त कार्रवाई के निर्देश दे दिए गए हैं।

भावना गुप्ता, एसपी बलौदा बाजार

आरोपी फरार

एफआईआर के बाद आरोपी फरार हैं, उनकी तलाश की जा रही है।

धीरेंद्र दुबे, थाना प्रभारी, गिधौरी

इधर, रेत तस्करी मामले में टीआई सस्पेंड

राजनांदगांव। मोहड़ में अवैध रेट उत्खनन मामले में फरार चल रहे जेसीबी मालिक के साथ सोमनी थानेदार का व्हाट्सऐप कॉल का ऑडियो सोशल मीडिया में वायरल होने से हड़कंप मच गया। मामले को संज्ञान में लेते हुए राजनंदगांव एसपी मोहित गर्ग ने थानेदार सत्यनारायण देवांगन को निलंबित कर दिया है। वही फरार जेसीबी मालिक भी गिरफ्तार कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि बीते 11 जून की रात राजनांदगांव शहर के मोहड़ वार्ड में रेत तस्करों द्वारा वार्ड वासियों पर गोली चलाने के मामले में पुलिस ने स्थानीय पार्षद संजय रजक और जेसीबी चालक भगवती निषाद को गिरफ्तार किया था। मोहड़ में शिवनाथ नदी से अवैध रेत तस्करी के बीच लोगों पर गोली चलाने का मामला सामने आने पर पुलिस ने इस पर कार्रवाई की है और अब तक ▶▶| शेष पेज 5 पर

द.अफ्रीका 'चोकर्स' नहीं अब टेस्ट 'वर्ल्ड चैंपियन'

लॉर्ड्स। दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड के ऐतिहासिक लॉर्ड्स के मैदान पर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रच दिया है। इस जीत के साथ ही टेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली द.अफ्रीका ने 27 साल बाद आईसीसी का खिताब अपने नाम किया है। इससे पहले 1998 में दक्षिण अफ्रीका ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। इसके बाद कई मौके आए जब अफ्रीका के पास आईसीसी खिताब जीतने का मौका था।
लेकिन बार-बार साउथ अफ्रीका के हाथ से मौका छूटता गया। इसके चलते इस टीम के सामने चोकर्स का ठप्पा भी लगा।

कोल्ड ड्रिंक में जहर मिलाकर पिलाया तीन बच्चों की मौत, गर्भवती पत्नी गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

एक पिता ऐसा भी

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के पखांजुर तहसील के ग्राम पीव्ही 70 में पिता ने अपने 3 बच्चों को कोल्ड ड्रिंक में जहर मिलाकर पिला दिया, जिससे तीनों बच्चों की मौत हो गई। गर्भवती पत्नी को पिलाया और खुद पिया। पति-पत्नी की हालत गंभीर बताई जा रही है, दोनों का इलाज जारी है। समाचार लिखे जाने तक तीनों बच्चों का पीएम हो गया था और शव को परिजनों को सौंपा गया।

जानकारी के अनुसार पखांजुर तहसील के थानाक्षेत्र परतापुर के ग्राम पीव्ही 70 निवासी 40 वर्षीय देवेंद्र बैरागी और पत्नी 35 वर्षीय नमिता बैरागी में आपसी विवाद के चलते देवेंद्र बैरागी ने पहले से कोल्ड ड्रिंक में जहर मिलाकर रखा था। बीती रात को कोल्ड ड्रिंक को ▶▶| शेष पेज 5 पर

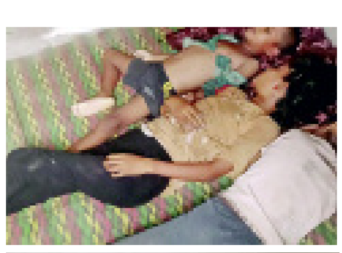

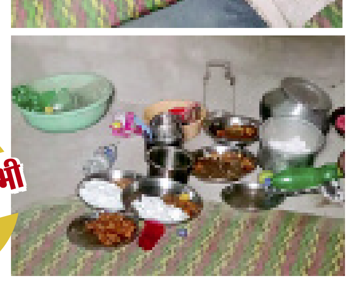

जानकारी जुटाई जा रही

पखांजुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुर्रे ने बताया कि गांव से अभी तक मिली जानकारी के अनुसार प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद और चरित्र संदेह जैसी वजह सामने आ रही है, लेकिन स्थिति स्पष्ट होने तक सभी पहलुओं की गहनता से जांच जारी रहेगी।

गर्भवती है नमिता

घटना में सबसे दर्दनाक बात यह है कि नमिता बैरागी गर्भवती है। ग्रामीणों के मुताबिक चिल्लाने की आवाज सुनकर वह मौके पर पहुंचे। इस दौरान तीनों बच्चों की मौत हो चुकी थी, वहीं माता-पिता भी बेहोश होकर जमीन पर पड़े थे। ग्रामीणों ने तत्काल एंबुलेंस और पुलिस को जानकारी दी, इसके साथ ही महिला के मायके वालों को भी जानकारी दिया गया। पड़ोसियों ने बताया कि मृतक बच्चों में वर्षा बैरागी (11), दीप्ति बैरागी (07) और देवराज बैरागी (05) है। पड़ोसियों ने पति एवं पत्नी को शनिवार की सुबह 4 बजे पखांजुर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। पति-पत्नी की हालत नाजुक है।

फादर्स-डे स्पेशल

मुझे रख के छांव में, खुद धूप में झुलसते रहे, देखा मैंने फरिश्ते को एक पिता के रुप में.... हकीकत में एक पिता फरिश्ता बनकर अपनी संतान की सभी मुसीबतों से रक्षा करता है। संतान को कोई भी समस्या हो पिता ढाल बनकर उसका निदान जरुर करता है। लेकिन कई बार हालात ऐसे होते हैं कि कभी एक पिता लाचार हो जाता है या संतान। लेकिन इन परिस्थितियों में भी एक पिता अपनी जिम्मेदारी पूरी तत्पराता से निभाता है। आज फादर्स डे पर हरिभूमि ने कुछ ऐसे पिताओं को तलाशा, जिन्होंने कठिन संघर्ष कर अपने बच्चों को उनकी मंजिल तक पहुंचाया। लेकिन इन पिताओं ने अपनी हिम्मत नहीं हारी और पूरी तत्परता से अपनी संतान का पालन पोषण किया।

बीजापुर-दंतेवाड़ा में नक्सल मोर्चे पर सीखी साइन लैंग्वेज ताकि घर लौटने पर कर सकें बेटे से बात

कोरोनाकाल में हजारों लोगों ने अपनों को खोया है। कई ने नौकरी खोई तो कही का कारोबार ही बैठ गया। इन सबसे इतर छत्तीसगढ़ में हेड कांस्टेबल घोलाराम का अपना दर्द है। उन्हें इस बात का मलाल आज भी है कि यदि कोरोना महामारी ने दस्तक नहीं दी होती और लॉकडाउन नहीं लगता तो वे अपने बेटे का इलाज समय पर करा पाते और उनका बेटा भी सामान्य बच्चों की तरह बातचीत कर रहा होता। मन में यह मलाल लिए हुए उन्होंने तय कि इन हालातों से खुद को और अपने बेटे जितने को लड़ना सिखाएंगे।

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के पुलिस कॉलोनी में रहने वाले घोलाराम मूलतः राजस्थान के हैं। पंद्रह वर्ष पहले छत्तीसगढ़ आए। तब से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वर्तमान में वे पुलिस हेड कांस्टेबल के रूप में सेवा दे रहे हैं। आठ वर्ष पहले जब बेटा जितेन उनकी गोद में आया तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। शुरुआती एक साल बच्चे की देखरेख और उस पर प्यार लुटाने में बीता। जब बालक डेढ़ वर्ष का हुआ तो एक दिन घोलाराम को अहसास हुआ कि वह किसी भी तरह की आवाज पर कोई रिस्पॉन्स नहीं करता है।

कोरोना काल में ठीक से इलाज नहीं हो पाया, बेटे को सुनने-बोलने में समस्या

पिता ने यू ट्यूब की मदद ली, साइन लैंग्वेज सीखी, ताकि बात हो सके

दूसरे सदस्य भी सीख रहे

उनकी पत्नी सरोज देवी और दोनों बेटियां प्रिया और नित्या भी अपने पिता को देखकर यह भाषा सीख रही हैं ताकि अपने बेटे और भाई से बात कर सकें। घोलाराम की ख्वाहिश है कि उनके बेटे को रोजगार मिल जाए और वह जीवन में किसी अन्य पर निर्भर ना रहे। जितेन रायपुर में स्पेशल बच्चों के लिए संचालित अर्पण विद्यालय में अध्ययनरत है। मम्मी, पापा जैसे कई शब्दों उच्चारण वह कर लेता है। वे कहते हैं कि हर पिता अपने बच्चे के लिए सर्वश्रेष्ठ करने की कोशिश करता है। पितृदिवस के मौके पर वे राजस्थान में हैं, जहां अपने पिता की बरसी पर पूजन कार्य कर रहे हैं।

इलाज शुरू करते ही लॉकडाउन

बालक की जांच जब हियरिंग सेंटर में कराई गई तब मालूम हुआ कि जितेन की सुनने_बोलने की सुनने बोलने की क्षमता अन्य बच्चों की तुलना में कम है। विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लेकर उम्र होने पर थेरेपी और ट्रीटमेंट की शुरुआत की। बच्चे के लिए मशीन खरीदी। अन्य व्यवस्थाएं भी की। ट्रीटमेंट शुरू ही किया था कि महामारी का भीषण दौर आया और सही उम्र में थेरेपी नहीं मिल सकी। बढ़ते हुए बच्चे को देखकर उससे बात करने और उसकी समस्या समझने की इच्छा होती। इसका हल उन्होंने निकाला और साइन लैंग्वेल सीखने का फैसला किया। उनकी तैनाती अक्सर बीजापुर और दंतेवाड़ा जैसे नक्सली क्षेत्रों में रहती। इसके कारण वे नियमित रूप से इसका प्रशिक्षण नहीं ले पाते थे। ऐसे में उन्होंने इन हालातों के बीच ही इंटरनेट तथा साइन लैंग्वेज के शिक्षकों की मदद से प्रशिक्षण प्राप्त किया। यदि किसी दिन ड्यूटी में अधिक समय देना पड़े तब भी वे लौटकर इसका अभ्यास जरूर करते हैं ताकि बेटे से संवाद कर सकें।

थेरपी से लेकर संवाद तक निभाई जिम्मेदारी

खामोश बच्चों की आवाज बन गए पिता नौकरी छोड़ी, साइन लैंग्वेज सीखी

ललित राठोड़/रायपुर। एक पिता अपने बच्चों की खुशी और बेहतर भविष्य के लिए हर कुर्बानी देने को तैयार रहता है। जब बच्चे जीवन की मुश्किल राहों से गुजरते हैं, तो पिता चुपचाप अपनी लड़ाइयां खुद लड़ता है। कुछ ऐसी ही प्रेरणादायक कहानियां हैं विशेष बच्चों के उन पिता की, जिन्होंने अपने मानसिक रूप से अस्वस्थ बच्चों के बेहतर कल के लिए अपनी पूरी ज़िंदगी की रफ्तार थाम दी। किसी ने रातभर ड्यूटी की और दिन में थेरपी सेंटर की चौखट नहीं छोड़ी, तो किसी ने साइन लैंग्वेज सीखकर अपने बच्चे की खामोशी को समझा। किसी ने शहर बदला, तो किसी ने वर्षों तक की नींद कम दी। इन सभी कहानियों में एक बात समान थी पिता होने की जिम्मेदारी को उन्होंने कभी बोझ नहीं, बल्कि एक संकल्प की तरह निभाया। इन्हीं संकल्पों का परिणाम है कि उनके बच्चे सामान्य जीवन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

बेटी को ऑटिज्म से बाहर निकालने छोड़ी नौकरी

कुशालपुर में रहने वाले आलोक रंजन गुप्ता के लिए पिता होना सिर्फ एक रिश्ता नहीं, बल्कि संकल्प बन गया। जब डॉक्टरों ने 2020 बताया कि उनकी बेटी आरची को ऑटिज्म है, तो आलोक ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपना करियर एक तरफ रख दिया। पेशे से सिविल इंजीनियर आलोक उस समय जबलपुर में कार्यरत थे, लेकिन बेटी के बेहतर इलाज के लिए पूरा परिवार रायपुर शिफ्ट कर दिया। काम की कमी नहीं थी, लेकिन उस समय बेटी मेरे लिए नौकरी और पैसों से कहीं ज्यादा जरूरी थी। उन्होंने पूरे दो साल तक बिना नौकरी किए सिर्फ बेटी की देखभाल में समय बिताया। रोजाना तीन घंटे थेरपी क्लास ले जाना, घर पर विशेष अभ्यास कराना और साइन लैंग्वेज से संवाद सीखना। ये सब उस पिता के लिए अब रोज की जिंदगी का हिस्सा बन गए थे। जब आरती अपने ही माता-पिता को नहीं पहचान पाती थी, तब भी आलोक ने उम्मीद नहीं छोड़ी। उनकी नियमित देखभाल और समर्पण का ही परिणाम है कि आज आरती 70 फीसदी तक स्वस्थ है और जल्द ही पूरी तरह से ऑटिज्म से बाहर आने की ओर अग्रसर है।आलोक का कहना है कि अगर उस समय मैंने नौकरी नहीं छोड़ी होती, तो शायद आज मेरी बेटी ना मुझे पहचान पाती और ना ही मुझसे बात कर पाती।

बेटे की देखभाल करने दो साल 4 से 5 घंटों की ली नींद

गुंजन शर्मा ने पिता होने की जिम्मेदारी को शब्दों से नहीं, अपने संघर्ष से परिभाषित किया है। जब 2015 में उनके बेटे में ऑटिज्म की पुष्टि हुई, तो उन्होंने ठान लिया कि कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। बेहतर इलाज की तलाश में वे उसे लेकर अलग-अलग शहरों में गए और अंततः रायपुर में थैरेपी शुरू करवाई। गुंजन पेशे से पुलिस विभाग में कार्यरत हैं। बेटे को अधिक समय दे सकें, इसलिए उन्होंने अपनी ड्यूटी रात की शिफ्ट में बदल ली। रात 10 बजे ड्यूटी पर जाते, सुबह तक काम करते और फिर बेटे को स्कूल छोड़ने के बाद केवल 4 से 5 घंटे ही सोते थे। इसके बाद दिन भर बेटे की देखभाल में लगे रहते। थैरेपी सेंटर ले जाना, घर पर बोलने-सुनने का अभ्यास कराना, और हर पल उसके साथ रहना। ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों को सामान्य बच्चों की तुलना में कहीं अधिक देखभाल और धैर्य की जरूरत होती है। गुंजन बताते हैं कि मैंने अपनी नींद को त्यागा ताकि मेरे बेटे का भविष्य संवर सके। उनके इस समर्पण और त्याग का ही परिणाम है कि आज उनका बेटा पहले से कहीं बेहतर स्थिति में है और सामान्य जीवन की ओर बढ़ रहा है।

नेत्रहीन बेटी को शिक्षा के साथ दिलाई संगीत की शिक्षा

ट्रक ड्राइवर पिता ने मेहनत कर अपनी 6 बेटियों को दिलाई अच्छी शिक्षा

पिता उस दीये की तरह हैं, जो खुद जलकर, अपनी औलाद का जीवन रौशन करते हैं। ऐसा उदाहरण नगर के वार्ड नंबर 6 बरेठ रोड निवासी गजराज सिंह परिहार जो पेशे से एक ट्रक ड्राइवर हैं। उन्होंने कड़ा परिश्रम कर अपनी 6 बेटियों को शिक्षित बनाया, जिसमें से तीन बेटियों को संगीत की शिक्षा भी दिलवाई। परिहार की एक बेटी जन्म से देख नहीं सकती थी जिसके पालन, पोषण से लेकर शिक्षा दिलवाने पिता ने कड़ी मेहनत की, ओर कई दिनों तक अपने घर परिवार से दूर रहकर भी उनके खाने, पीने, शिक्षा आदि का ध्यान रखा।

योगेश शिल्पकार ▶▶| गंज बासौदा

कहते हैं भगवान जब किसी की आंखे छीन लेता है तो उसकी मन की आंखे खोल देता है, जिसके बाद वह व्यक्ति वो काम कर देता है जो आम नागरिक के बस का नहीं होता है। गजराज परिहार की पुत्री प्रिया परिहार जन्म से देख नहीं सकती लेकिन संगीत का शौक 4 बर्ष की उम्र से होने के चलते प्रिया के पिता जो पेशे से ट्रक ड्राइवर हैं, उन्होंने कड़ा परिश्रम कर अपनी दूसरे नंबर बिटिया को संगीत की शिक्षा दिलवाई। पति, पत्नी और 6 बेटियां सहित 8 लोगों का परिवार है। प्रिया ने संगीत की शिक्षा नवांकुर विद्यापीठ से प्राप्त की। पिता ने बताया कि नेत्रहीन बिटिया को संगीत की शिक्षा दिलवाने में पूर्ण सहयोग नवांकुर विद्यापीठ के संगीत शिक्षक राम किशन राठौर का रहा। इससे पहले दो बेटियां संगीत शिक्षा ले रही थी, तो उनको देखते देखते प्रिया की रुचि संगीत में बड़ी। प्रिया ने अधिकतर संगीत अपने आप ही सीख लिया है। गायन बादल में सारे संगीत यंत्र बजाना जानती है, जैसे ढोलक, तबला, हारमोनियम, बैंजो, आर्गन इत्यादि बजा लेती है।

आज नगर में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेती है, कई पुरस्कार भी जीत चुकी है। प्रिया न तो लिख पाती और ना देख पाती है, इस वर्ष कक्षा 10 वीं की परीक्षा दी। दूसरा बच्चा राइटर बनकर जाता है, जो कुछ उसको याद रहता है वह बोल देती है और राइटर लिख देता है। गजराज परिहार का जीवन कठिनाइयों में बीता लेकिन अपने परिवार के पालन पोषण में कोई कसर नहीं छोड़ी।

मूक बधिर बेटी गौरांशी को पिता ने दिए हौंसलों के पंख, बना दिया वर्ल्ड चैंपियन

बैडमिंटन के क्षेत्र में अपना नाम देश और दुनिया में रोशन करने वाली भोपाल शहर की मूक बधिर बच्ची गौरांशी शर्मा, बैडमिंटन की वर्ल्ड चैंपियन हैं, इसके साथ ही गौरांशी ने हाल ही में चैंपियन बैडमिंटन शटलर के रुप में 2021 में ब्राजील में डेफलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का नाम रौशन किया। लेकिन गौरांशी को इस उपलब्धि को दिलाने वाले रहे उनके पिता गौरव शर्मा। गौरांशी के माता-पिता गौरव और प्रीति शर्मा भी मूक बधिर हैं, लेकिन उन्होंने कभी भी गौरांशी की परवरिश में कोई कमी नहीं छोड़ी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

गौरांशी की बड़ी मम्मी नीतू शर्मा ने कहा कि गौरांशी पैदाइशी मूक बधिर है, लेकिन उसके भीतर बैडमिंटन खेलने की जो ललक थी वो उसके पिता ने देखी। बचपन में जब गौरांशी को उसके पिता बैडमिंटन खेलते हुए देखते थे तो उन्हें लगता था कि इसके अंदर कुछ कर गुजरने की इच्छा है। तभी गौरांशी के पिता गौरव उसको टी टी नगर स्टेडियम ले गए बैडमिंटन खिलाने लेकिन गौरांशी ना तो बोल पाती थी, ना सुन पाती थी। ऐसे में स्टेडियम में उसको एडमिशन नहीं दिया गया और कहा गया कि वह अन्य बच्चों के साथ कैसे कोऑर्डिनेशन कर पाएगी लेकिन फिर पिता की हिम्मत और हौसले से

गौरांशी ने खुद को साबित किया और आज गौरांशी के नाम अनेको बैडमिंटन रिकार्ड मौजूद है। नीतू ने कहा कि बैडमिंटन में एडमिशन लेने के बाद तो जैसे गौरांशी के सपने को पंख लग गए। लेकिन उसे पंख देने वाले थे उसके पिता गौरव। जो पांच-पांच घंटे तक स्टेडियम में बैठे रहते और अपने बेटी को इशारों से बैडमिंटन से संबंधित चीजों को समझाते, बैडमिंटन खेल की शब्दावली को बताते। ताकि उनकी होनहार बेटी कोई गलती न कर बैठे।

अपने दो दृष्टिबाधित दिव्यांग बच्चों के शौक को देखते हुए पिता ने अपने आप को उनके अनुकूल ढाल दिया और बचपन से ही दृष्टिबाधित दो बच्चों को संगीत की ऐसी शिक्षा दिलाई की अच्छे से अच्छे व्यक्ति भी उन दृष्टिबाधित बच्चों के संगीत को सुनकर आंखें खुली की खुली रह जाती हैं।

नेत्रहीन संतान के लिए आंख बने पिता

टेकचंद कारड़ा ▶▶| तखतपुर

यह कहानी कक्षा आठवीं तक पढ़े पिता रामगोपाल सूर्यवंशी की है जो बिलासपुर अपोलो रोड प्रभात चौक पर निवास करता है। इस पिता ने अपोलो रोड पर जो भारत माता की मूर्ति को बनाई है। इस कलाकार ने अपने जीवन में बहुत सी मूर्तियां की जरूर आंखें बनाई हों पर रामगोपाल के जीवन में पांच संतानों में दो संतान ऐसी हुई जो बचपन से ही दृष्टिबाधित हैं। एक बेटी पूजा सूर्यवंशी और दूसरा बेटा पृथ्वीराज जो वर्तमान में दोनों कक्षा दसवीं की पढ़ाई कर रहे हैं पर इन दोनों बच्चों में दृष्टिबाधित होने के कारण पिता अपने जीवन को इन दोनों बच्चों को

समर्पित कर दिया। बच्चों ने बचपन से ही इच्छा जाहिर की कि उन्हें संगीत सीखने की इच्छा है तब पिता ने कुछ समय तो संगीत की शिक्षा दिलाई पर आर्थिक स्थिति कमजोर होने पर इसने अपने बच्चों को अपने से ही गीत गाना सिखाया। आज दोनों बच्चे अपने पिता के साथ बड़े-बड़े मंचों पर युगल गीत और एकल गीत की प्रस्तुति देते हैं।

गीतों को करते हैं याद

पिता रामगोपाल सूर्यवंशी कई जगह कार्यक्रम मिलने पर अपने दोनों गायक बच्चों को हर स्थान पर लेकर जाते हैं। जहां इन्हें स्टेज शो करने का अवसर मिलता है रामगोपाल का कहना है कि कभी किसी स्टेज से 500 कभी 1000 तो कभी 5000 भी मिल जाते हैं। मैं चाहता हूं कि इन दोनों होनहार बच्चों को हरिभूमि के माध्यम से एक ऐसा मंच मिले जिससे पूरी दुनिया जान सके की दृष्टिबाधित व्यक्ति भी उन सुरीले गीत को गा सकता है जिसकी कल्पना एक आंख वाला व्यक्ति भी नहीं कर सकता। किसी भी गाने को तैयार करने में बच्चों को कम से कम एक सप्ताह का समय लगता है क्योंकि उन्हें पढ़ने नहीं आता उन्हें गीत को स्मरण कराया जाता है उसके बाद यह जब गीत गाते हैं तब एक समा सा बंध जाता है।

एक ओर पिता ने बेटे को प्रेरित किया तो दूसरी ओर बेटे से भी ली प्रेरणा

पिता के हौसलों ने दी उड़ान, बौद्धिक रूप से दिव्यांग बेटे ने पावर लिफ्टिंग में देश हीं नहीं, विदेशों तक लहराया परचम

मेडल्स से भरी झोली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

कौन कहता है कि आसमां में सुराख नहीं होता एक पत्थर तो तबियत से उछालों यारों वाकई में यदि हौसला हो तो प्रख्यात कवि दुष्यंत कुमार की इन पंक्तियों को कोई भी चरितार्थ कर सकता है। दमोह जिले के एक बौद्धिक रूप से दिव्यांग युवक ने पावर लिफ्टिंग में विदेशों तक परचम लहराया। हालांकि इसके पीछे उसके पिता की मेहनत और प्रेरणा को नकारा नहीं जा सकता। परिवार में माता पिता का आत्म विश्वास ओर संघर्ष उन बच्चों को भी ऊंचे मुकाम पर पहुंचा सकता है जिनकी कोई उम्मीद न रही हो। शारीरिक रूप से अक्षम होते हुए भी अभिषेक की झोली जो आज मेडल्स से भरी हुई है यह इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। एमपी इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड से इंजीनियर के तौर पर रिटायर्ड उनके पिता बांदकपुर के निवासी अभय कुमार दुबे का कहना है कि उनका बेटा अभिषेक जन्मजात बौद्धिक दिव्यांग है। जन्म के चार माह बाद जब हम लोगों को इस बात का पता चला। फिर भी हम लोगों ने इसे ईश्वर के ऊपर छोड़ दिया और मन में ठाना कि कुछ भी होगा इस परवरिश अच्छे से करेंगे। अभिषेक जब बड़ा हुआ तो हमने उसका खेलों के प्रति मैने रूझान देखा। पहले उसे भोपाल के 11 नंबर स्टाफ स्थित स्नेह निकेतन हॉस्टल में दाखिला कराया। वहां से उसने खेल कूद प्रतियोगिता में भाग लिया। इसके बाद जबलपुर में तन्खा मेमोरियल संस्थान में उसे शिफ्ट किया। यहां से उसने पावर लिफ्टिंग में डिसट्रिक्ट लेवल पर ट्राफी जीती। इसके बाद जबलपुर और ग्वालियर में आयोजित ऑल इंडिया कांम्पटिशन में भी भाग लिया। मंगलोर में जब वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में बेटे ने गोल्ड मैडल जीता तो पूर परिवार को उस पर गर्व हुआ।

चला रहे प्रेरणा विशेष शिक्षण संस्थान

अभिषेक के पिता का कहना है कि मैने उसे प्रेरित किया यह अलग बात हे लेकिन कई जगह मैने भी उससेप्रेरणा ली। मैने सोचा कि मैं समाज में और भी दिव्यांग बच्चों के लिए क्यों न कुछ अलग करू। इसी लिए दमोह में डिस एबेल्ड बच्चों के लिए मैं प्रेरणा विशेष संस्थान चला रहा हूं। इस केन्द्र में अभी ऐसे 50 बच्चे है जिनको मैं अपने बेटे की तरह मानता हूं।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

फादर्स-डे स्पेशल

- कोमल सिंह की अनूठी दास्तां
- पुत्र के जन्म से ही पिता की शुरु हो गई परीक्षा
- बच्चे के ब्रेन को नहीं मिल रहा था ऑक्सीजन

बेटे के लिए सीखी फिजियोथैरेपी

घर का इंटीरियर बदला, 32 आपरेशन कराए, ताकि पैरों पर खड़ा हो सके

हफीज खान ▶▶| राजनांदगांव

एक पिता अपने बच्चे के लिए क्या कर सकता है, इसकी मिसाल हैं राजनांदगांव के कोमल सिंह राजपूत। जिन्होंने पिता होने का फर्ज सिर्फ निभाया ही नहीं, बल्कि खुद को समर्पित कर दिया। उन्होंने अपने दिव्यांग बेटे के लिए फिजियोथैरेपी सीखी। घर का इंटीरियर बलदवाया। बेटा अपने पैरों पर खड़ा हो सके, उसके लिए अब तक 32 आपरेशन कराए हैं। यहां तक कि आज भी एक बच्चे की तरह उसकी देखभाल करते हैं।

दरअसल आज से लगभग 25 वर्ष पूर्व उनके पुत्र स्वराज सिंह राजपूत के जन्म के साथ ही एक पिता की परीक्षा भी शुरू हो गई। पुत्र को जन्म से ही समस्या होने लगी। जन्म के 24 घंटे में ही पुत्र का शरीर नीला होने लगा, जिसे उपचार के लिए उन्होंने शिशु रोग विशेषज्ञ को दिखाया, जहां पता चला कि बच्चे के ब्रेन में पूरी तरह से ऑक्सीजन नहीं मिल रहा है। जिसकी वजह से ब्रेन के सेल डैमेज हो रहे हैं। स्वराज चलने-फिरने ▶▶|शेष पेज 5 पर

जहां उम्मीद नजर आई, वहां गए

कोमल सिंह राजपूत इस 25 साल के दौर को याद करते हैं, तो उनका गला रुंध जाता है। वे बताते हैं कि उन्होंने 4 वर्ष की उम्र में अपने पुत्र को दिल्ली एम्स से लेकर अब तक चेन्नई, मुंबई, हैदराबाद, रायपुर, बिलासपुर और प्रयागराज सहित हर उस जगह ▶▶|शेष पेज 5 पर

बेटे से शुरू होती है दिनचर्या

कोमल सिंह राजपूत की दिनचर्या की शुरूआत अपने पुत्र से ही होती है। सुबह उसे फिजियोथैरेपी कराना, नहलाना, कपड़े बदलना, कंघी कर तैयार करना सब कुछ पिता ही करते हैं। इस सबके बीच भजन-कीर्तन सुनने का दौर भी चलता है। देश-दुनिया के हालातों पर पुत्र के साथ चर्चा भी होती है।

फिजियोथैरेपी की ट्रेनिंग

फिजियोथैरेपी के माध्यम से ही बेटे का इलाज संभव होने को लेकर उन्होंने प्रयागराज के त्रिशला फाउंडेशन में बेटे का फिजियोथैरेपी कराना शुरू किया। इसके बाद प्रतिदिन फिजियोथैरेपी आवश्यक होने की वजह से उन्होंने यहां से स्वयं फिजियोथैरेपी की ट्रेनिंग ली। आज घर में वह प्रतिदिन अपने बेटे की फिजियोथैरेपी स्वयं करते हैं।

घर में किया बदलाव

पुत्र को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने के लिए पिता ने कोई कसर नहीं छोड़ी। उसे सामान्य बच्चों के साथ एक निजी स्कूल में कक्षा आठवीं तक की पढ़ाई कराई और इसके बाद ओपन स्कूल परीक्षा के माध्यम से 10वीं और 12वीं पास कराया। उनका पुत्र पढ़ाई में काफी तेज है और उसकी मेमोरी भी शार्प है। पुत्र स्वयं से अपना कार्य कर सके, इसके लिए उन्होंने अपने घर के इंटीरियर को ऐसा बनाया कि सीढ़ियों से लेकर घर के भीतरी कमरों में स्टील की रेलिंग लगवा दी है, ताकि वह स्वयं से एक से दूसरे कमरे में आना-जाना कर सके।

बेस्ट फादर है कोमल

बेटे के प्रति पिता के संघर्ष और उनकी समर्पण भावना को देखते हुए उत्तरप्रदेश में कोमल सिंह राजपूत को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के हाथों बेस्ट फादर 2016 का अवार्ड भी दिया जा चुका है।

सक्रिय राजनीति की जिम्मेदारी

कोमल सिंह राजपूत एक सक्रिय राजनेता भी हैं। पिता की जिम्मेदारी के साथ वह जनता के प्रति अपनी जवाबदारी भी बखूबी निभाते हैं। वह भारतीय जनता पार्टी में एक सामान्य कार्यकर्ता से लेकर आज जिला भाजपा अध्यक्ष के पद पर आसीन हैं। वह अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी को भी पूर्ण करते हैं।

मध्य-पूर्व में बढ़ा तनाव, इजरायल ने किया बड़ा दावा

इजरायल और ईरान में बरस रहे 'गोले' नौ वैज्ञानिकों समेत 138 ईरानी की मौत

एजेंसी ▶▶| दुबई

इजरायल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के तहत ईरान पर हमला किया, नौ वैज्ञानिक और कई शीर्ष मिलिट्री कमांडर को मार गिराया। सेना ने एक बयान में कहा, 'ऑपरेशन राइजिंग लायन की शुरुआत में इजरायली वायुसेना के हमलों के दौरान 9 वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों को मार गिराया गया, जो ईरानी शासन के परमाणु हथियार कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे थे।' इस बयान में मारे गए लोगों के नाम भी लिस्टेड किए गए हैं। हमलों में अब तक 78 लोग मारे गए और 350 से ज्यादा घायल हुए। इजरायल ने हमले में ईरान के मुख्य परमाणु संयंत्र के ऊपरी हिस्से को नष्ट किया कर दिया।

इधर, ईरान ने शनिवार सुबह इजराइल पर जवाबी हमले करते हुए मिसाइल और ड्रोन दागे, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। यह हमला ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसके सशस्त्र बलों पर इजराइल के कई हमलों के बाद हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, इजराइल ने प्रमुख प्रतिष्ठानों पर हमला करने तथा शीर्ष जनरलों और वैज्ञानिकों को मारने के लिए लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया गया। इजराइल ने पहले से गोपनीय तरीके से लाए गए ड्रोनों का भी इस्तेमाल किया। एक दिन पहले संयुक्त राष्ट्र के लिए ईरान के राजदूत ने कहा कि हमलों में 78 लोग मारे गए और 320 से अधिक घायल हुए।

ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष तेज हो गया है। इजरायल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के तहत ईरान के कई ठिकानों पर हमला किया, जिसमें नौ वैज्ञानिक और कई मिलिट्री कमांडर मारे गए। पिछले दो दिनों में ईरान में 138 लोग मारे गए हैं। इधर, ईरान ने भी पलटवार करते हुए इजरायल पर 100 से ज्यादा मिसाइलें दागीं। नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से स्थिति पर चर्चा की, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को परमाणु समझौता करने की चेतावनी दी।

नेतन्याहू ने पीएम मोदी से स्थिति पर चर्चा की

- ईरान ने अपने परमाणु और सैन्य ठिकानों पर इजराइली हमलों के बाद की जवाबी कार्रवाई

ईरान के कई कमांडर की मौत

इजरायल के हमले में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख हुसैन सलामी, ईरानी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद बाघेरी, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के करीबी अली शामखानी और आईआरजीसी की एयरफोर्स के कमांडर आमिर अली हाजीजादेह जैसे बड़े अधिकारी मारे गए।

भारत ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

ईरान में भारतीय दूतावास ने आपातकालीन संपर्क विवरण जारी किया है। दूतावास का आपातकालीन संपर्क विवरण: +98 9128109115; +98 9128109109 है। भारतीय को सतर्क रहने, अनावश्यक गतिविधियों से बचने को कहा है।

अमेरिका ने कहा- परमाणु समझौता करे ईरान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से आग्रह किया कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाने के लिए शीघ्र समझौता करे। ट्रंप ने पश्चिम एशिया में इस नाजुक क्षण को ईरान के नेतृत्व के लिए एक संभावित 'दूसरे अवसर' के रूप में प्रस्तुत किया ताकि और अधिक तबाही से बचा जा सके। राष्ट्रपति ट्रंप ने इजराइल के विनाशकारी हमलों के बाद आगे की 'कठिन' राह पर चर्चा करने के लिए अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ बैठक की।

भारत ने एससीओ के बयान से किया किनारा

शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन ने एक बयान जारी किया। एससीओ ने अपने बयान में ईरान पर इजरायल की ओर से किए गए हमलों की निंदा की है। हालांकि, भारत ने खुद को एससीओ के बयान से अलग किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा, हमने एससीओ की ऐसी किसी भी चर्चा में हिस्सा नहीं लिया है, जिसके कारण ग्रुप ने बयान जारी किया।

भारत पर पड़ेगा गहरा असर

अगर ईरान और इजरायल के बीच युद्ध लंबे समय तक चला तो वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी का भारतीय अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और इससे भारत के निर्यात पर भी असर पड़ सकता है। निर्यात में मंदी से भारत की पहले से ही तनावग्रस्त मैन्युफैक्चरिंग गतिविधि पर असर पड़ेगा। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिल सकती है।

नीट में दुर्ग के दर्शित छत्तीसगढ़ के टॉपर भिलाई के खुशहाल दूसरे नंबर पर

सामान्य वर्ग में 475 अंक वालों को भी मिल सकता है सरकारी कालेज

- पिछले वर्ष 525 से कम अंक वालों को नहीं मिला था सरकारी कालेज
- राज्य में पांच निजी सहित पंद्रह मेडिकल कालेज में 2130 सीटें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नेशनल एलिजिबिलटी कम एंट्रेस टेस्ट (नीट यूजी-2025) की कठिन परीक्षा का परिणाम सामने आया है। कुल 720 अंकों की इस परीक्षा में देश के टॉपर को 686 अंक प्राप्त हुए है। इस कठिन परीक्षा में कम अंक पाने वाले विद्यार्थियों को इस बार शासकीय मेडिकल कालेज में पढ़ाई का मौका मिल सकता है। पिछले सालों में 525 से कम अंक में जनरल केटेगरी ▶▶|शेष पेज 5 पर

हफ्ते में 30 घंटे तक पढ़ाई : दर्शित

इस बार छत्तीसगढ़ से टॉपर आर्य नगर दुर्ग के दर्शित जैन रहे हैं। उन्होंने 720 में 618 अंक अर्जित किए। उनके ▶▶|शेष पेज 5 पर

रायपुर से भिलाई आकर की पढ़ाई

रायपुर के रहने वाले खुशहाल धमेजा ने पहले भिलाई में आकर श्री शंकराचार्य विद्यालय हुडको में आकर 12वीं ▶▶|शेष पेज 5 पर

देश में 12.36 लाख उत्तीर्ण

टॉप पर महेश

नई दिल्ली। राजस्थान के महेश कुमार ने 'राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा- स्नातक' (नीट-यूजी) में शीर्ष स्थान हासिल किया है, जबकि मध्य प्रदेश के उत्कर्ष अवधिया ने दूसरा स्थान हासिल किया है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को यह जानकारी दी। मेडिकल प्रवेश परीक्षा में शामिल कुल 22.09 लाख परीक्षार्थियों में से 12.36 लाख से अधिक अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए। हालांकि यह संख्या पिछले वर्ष के 13.15 लाख उत्तीर्ण अभ्यर्थियों से कम है। पिछले वर्ष परीक्षार्थियों की संख्या भी 23.33 लाख से अधिक थी। महाराष्ट्र के कृषांग जोशी और दिल्ली के मृणाल किशोर झा क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रहे।

अहमदाबाद विमान हादसा

विमान दुर्घटना में मृतकों की संख्या 270, केंद्रीय कमेटी करेगी जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अहमदबाद/नई दिल्ली

अहमदाबाद में लंदन जा रही एअर इंडिया की विमान दुर्घटना में मृतकों की संख्या शनिवार को बढ़कर 270 हो गई। इसी बीच, केंद्र सरकार ने हादसे के कारणों की जांच के लिए केंद्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बहु-विषयक समिति गठित की है। जांचकर्ता बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर (एआई171) के बृहस्पतिवार को दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों का पता ▶▶|शेष पेज 5 पर

सिविल अस्पताल में लाए गए 270 शव

बीजे मेडिकल कॉलेज के 'जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन' के अध्यक्ष डॉ. धवल गामेती ने बताया, विमान दुर्घटना स्थल से अब तक करीब 270 शव अहमदाबाद सिविल अस्पताल लाए जा चुके हैं। अधिकारियों ने पहले बताया था कि तीन दशकों में देश में हुए सबसे भीषण विमान हादसे में मरने वालों की संख्या 265 है।

संभावित कारणों की जांच

जांचकर्ता दुर्घटना के सभी संभावित कारणों की जांच कर रहे हैं, जिनमें 11 वर्ष पुराने विमान के दोनों इंजनों में गति की कमी, कई पक्षियों का टकराना या फ्लैप में संभावित समस्या शामिल है। केंद्रीय मंत्री नायडू ने दिल्ली में संवाददाताओं से कहा कि ब्लैक बॉक्स की जांच से पता लगेगा कि त्रासदी से कुछ क्षण पहले क्या हुआ था।

8.5 लाख+ सरकारी नौकरी

3.75 लाख+ संविदा पर नौकरी

2 करोड़+ निजी क्षेत्र/ MSME में रोज़गार

मिशन रोज़गार

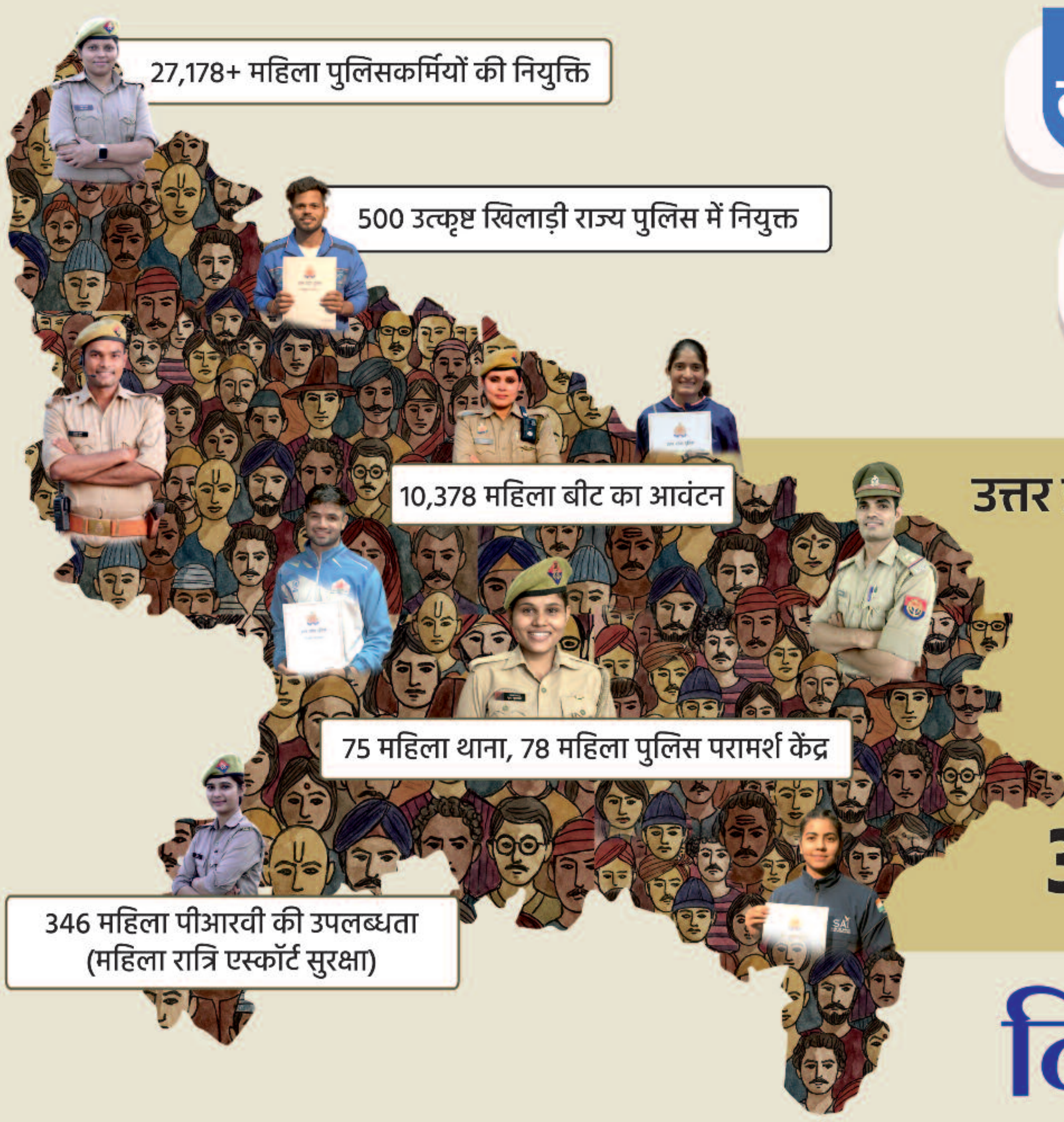

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित

60,244

आरक्षी नागरिक पुलिस

को

नियुक्ति पत्र वितरण

— द्वारा —

अमित शाह

गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार

गरिमामयी उपस्थिति

योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

केशव प्रसाद मौर्य
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

ब्रजेश पाठक
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

दिनांक : 15 जून, 2025 | **समय :** अपराह्न 12:30 बजे | **स्थान :** डिफेंस एक्सपो ग्राउंड, सेक्टर-18, वृंदावन कॉलोनी, लखनऊ

अपराधमुक्त समाज एवं सुदृढ कानून व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध सरकार

प्रदेश में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता व भारतीय साक्ष्य अधिनियम सफलतापूर्वक लागू

उत्तर प्रदेश राज्य फोरेंसिक विज्ञान संस्थान, लखनऊ की स्थापना, वर्ष 2017 के बाद 8 नई विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं की स्थापना, 6 का निर्माण कार्य प्रगति पर

लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी, बदायूं में वीरांगना अवंतीबाई तथा गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई महिला पीएसी बटालियन का गठन

1,596 महिला हेल्प डेस्क की स्थापना

प्रदेश में 4.21 लाख से अधिक पुलिस कार्मिक कर्तव्यरत

8 वर्षों में 2.16 लाख पुलिसकर्मियों की नियुक्ति

131 नए जनपदीय थाने, 82 फायर स्टेशन, 75 साइबर क्राइम थाने, 10 सतर्कता अधिष्ठान थाने, 06 एंटी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स थाने स्वीकृत

महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए 'उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल' का गठन

काम दमदार-डबल इंजन सरकार

लाइव प्रसारण DD NEWS व Youtube.com/DDNEWS Youtube.com/dduttarpradesh एवं UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

मशहूर के-पॉप बैंड 'सेवेंटीन' की लाबूबू गुड़िया होगी लाखों रुपए में नीलाम

हांगकांग। इन दिनों सभी की जबान पर लाबूबू गुड़यि का ही नाम है, जो थोड़ा प्यारा और डरावना खिलौना है। ये गुड़िया असल में विचित्र राक्षस होती हैं, जिन्हें एक दशक पहले हांगकांग के कलाकार कासिंग लुंग ने बनाया था। अब इनकी लोकप्रियता पूरी दुनिया में फैल गई है, जिसे देखते हुए दक्षिण कोरिया के मशहूर बैंड 'सेवेंटीन' ने भी अपने सभी सदस्यों की लाबूबू गुड़िया बनवाई हैं। यह लिमिटेड एडिशन वाली लाबूबू होंगी, जिन्हें लोग खरीद भी सकते हैं।

तरकश

संजय के. दीक्षित

मंत्री का कमाऊं पीएस

सीएम सचिवालय ने कुछ अरसा पहले मंत्रियों के पीए और पीएस की निगरानी शुरू की थी, उसमें पता नहीं कितने को ट्रेस किया गया। मगर अब भी हालत जुदा नहीं है। एक बड़े मंत्री के पीएस कई बड़े मालदार विभागों के होने के बाद भी जनहित वाले छोटे विभागों को भी नहीं बख्श रहे। छोटी सप्लाई और टेंडरों में कमीशन चाहिए, तो बाबुओं की पोस्टिंगों में भी रोकड़ा होना। वो भी हर तीन महीने में रिचार्ज की अनिवार्यता। मंत्रीजी का अच्छा भला फ्यूचर खटराल पीएस के फेर में दांव पर लगता जा रहा। जाहिर है, उनकी गिनती सबसे अधिक कमीशन वाले मंत्री में होने लगी है। वो अब उसे झटक भी नहीं सकते, क्योंकि उसने थैली देकर आदत खराब कर डाली है, दूसरा घरवाली के साथ परिजनों का खास बन गया है। ऐसा ही रहा तो अगले चुनाव में मंत्री जी की सीट भी खतरे में पड़ जाएगी। क्योंकि, पीएस कोई घर छोड़ नहीं रहे। सो, इलाके के अपने लोग भी अब नाराज हो रहे हैं।

लाल बत्ती, नो वैकेंसी

लगभग सभी छोटे-बड़े निगम-बोर्डों में सरकार राजनीतिक नियुक्तियां कर चुकी हैं। आखिरी था ब्रेवरेज कारपोरेशन और अपेक्स बैंक चेयरमैन...वो भी कंप्लीट हो गया। केदार गुप्ता के रिजेक्ट करने से दुग्ध संघ खाली है मगर उसमें कोई जाना चाह नहीं रहा है...केदार ने इसकी रेटिंग डाउन कर दिया है। कादम्बरी जैसे झुनझुना वाले बोर्ड का भी यही हाल है। सरकारी नियुक्तियों में पीएससी जरूर बचा है। छत्तीसगढ़ में ऐसे कई दृष्टांत हैं, जिसमें प्रोफसर और अफसरों के अलावा जनप्रतिनिधियों को पीएससी मेंबर बनाया गया। अब बल्क में बचा है तो वह है बोर्डो में मेंबर। मगर इसमें गाड़ी और लेटरहेड पर लिखने के अलावा कुछ मिलता नहीं। बोर्ड, निगम के मेंबर में भी अगर कोई बाजीगरी दिखा ले तो बात अलग है। आगे चलकर जिला सहकारी बैंकों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष में नियुक्तियां जरूर होगी। अलबत्ता, राज्य स्तर के बोर्ड और निगमों में चेयरमैन लेवल की अब कोई रिक्तियां नहीं हैं।

जांच में रोड़ा, पर्दे के पीछे कौन?

राज्य सरकार जीरो टॉलरेंस नीति के तहत जो मामले सामने आ रहे हैं, उसकी जांच में कोई कोताही नहीं बरत रही...ताबड़तोड़ घोषणाएं की जा रही। मगर यह भी सही है कि कोई भी जांच अंजाम तक नहीं पहुंच पा रही...बल्कि उससे पहले ही डिरेल्ड हो जा रही है। सीजीएमएससी से लेकर आरआई प्रमोशन स्कैम तक की ईओडब्लू जांच में यही हुआ। 1131 करोड़ की अरपा-भैंसाझाड़ मुआवजा घोटाले की ईओडब्लू जांच के लिए मुख्यमंत्री ने बैठक में घोषणा की। मगर महीना भर ज्यादा हो गया, अभी तक जांच एजेंसी को कोई चिठ्ठी नहीं भेजी गई है। सीएम के बैठक के मिनिट्स में उसे ऐसे शामिल किया गया, जैसे ईओडब्लू जांच कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। सवाल उठता है, जांच में आखिर रोड़े कौन अटका रहा है? सरकार की इसकी पहचान करनी चाहिए कि कौन वो शख्सियत है, जो पर्दे के पीछे से सरकार को डैमेज कर रहा है।

सीएस, डीजीपी साथ-साथ

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के बाद यह पहला मौका होगा, जब चीफ सिकरेट्री और डीजीपी का सलेक्शन लगभग साथ-साथ होना है। नवंबर 2000 के बाद ऐसा कभी नहीं हुआ। तब अरुण कुमार सीएस और श्रीमोहन शुक्ला डीजी पुलिस नियुक्त हुए थे। छत्तीसगढ़ में अभी तक 12 मुख्य सचिव और 11 डीजीपी अपाइंट हुए हैं। अरुणदेव गौतम अभी प्रभारी हैं...सरकार की इनायत अगर कंटीन्यू रही तो वे छत्तीसगढ़ के 12वें डीजीपी बनेंगे। बहरहाल, अशोक जुनेजा को छह महीने का एक्सटेंशन नहीं मिला होता तो सीएस और डीजीपी की एक साथ नियुक्ति वाली स्थिति नहीं आती। एक्सटेंशन की वजह से जुनेजा सितंबर 2024 की बजाए फरवरी 2025 में रिटायर हुए और यूपीएससी से क्लियर होकर पेनल आते-आते जून आ गया। इसी जून में मुख्य सचिव अमिताभ जैन का भी रिटायरमेंट है। प्रशासन और पुलिस के इन दोनों शीर्ष पदों पर राज्य सरकार का च्वाइस कसौटी पर रहेगा। इन नियुक्तियों से पता चलेगा कि सरकार आखिर किस लाइन पर चलना चाहती है।

प्रभारवाद में डीजीपी

यूपीएससी से दो आईपीएस अधिकारियों के नामों का पेनल आने के 20 दिन बाद भी अभी तक पूर्णकालिक डीजीपी पोस्ट करने की सरकार स्तर पर कोई सुगबुगाहट नहीं है। और जैसे हालात दिख रहे हैं, उससे प्रतीत होता है कि अरुणदेव गौतम प्रभारी डीजीपी बने रहने के अलावा कोई चारा नहीं है। वैसे कई राज्यों में प्रभार में डीजीपी चल रहे हैं। यूपी देश का पहला राज्य होगा, जहां कई साल से पूर्णकालिक डीजीपी नहीं बने। प्रभारी डीजीपी प्रशांत कुमार के रिटायर होने पर राजीव कृष्ण प्रभारी डीजीपी बने हैं। वो भी छह आईपीएस अधिकारियों के सुपरसीड करके। असल में, सभी राज्यों की अपनी-अपनी मजबूरियां होती हैं। कहीं सीनियर अफसर सरकार के पसंद के नहीं होता तो कहीं पसंद का होता है तो दूसरे तरह के जैक-एप्रोच नियुक्ति में बाधा बनकर खड़े हो जाते हैं। अब छत्तीसगढ़ में किस तरह का ब्रेकर है...ये तो नहीं पता। मगर कुछ तो है। ऐसे में, लगता है कि प्रभारवाद अभी जारी रहेगा।

सीएस का काउंटडाउन

चीफ सिकरेट्री अमिताभ जैन के रिटायरमेंट में ठीक 15 दिन बच गए हैं। 30 जून को चार साल सात महीने का रिकार्ड पारी खेल कर वे पेवेलियन लौट जाएंगे। ऐसे में, लोगों की जिज्ञासाएं हिलोरें मार रहीं...छत्तीसगढ़ का अगला प्रशासनिक मुखिया कौन बनेगा। जाहिर है, डीजीपी की तरह चीफ सिकरेट्री में प्रभारवाद होता नहीं। होना भी नहीं चाहिए...राज्य का प्रशासनिक मुखिया ही प्रभारी हो जाएगा तो फिर उसकी कौन सुनेगा। फिलवक्त पांच आईएएस अफसर चीफ सिकरेट्री के लिए एलिजिबल हैं। रेणु पिल्ले, सुब्रत साहू, अमित अग्रवाल, ऋचा शर्मा और मनोज पिंगुआ। हालांकि, कुछ दिनों से रेस में सुब्रत साहू और मनोज पिंगुआ आगे बताए जा रहे थे। धर्मेंद्र प्रधान अगर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन जाते तो इनमें से एक का पलड़ा निश्चित तौर से भारी हो जाता। मगर ऐसा हुआ नहीं। उधर, सालों से सेंट्रल डेपुटेशन पर दिल्ली में पोस्टेड अमित अग्रवाल के बारे में पहले खबर आई थी कि वे छत्तीसगढ़ लौटने इच्छुक नहीं हैं। मगर पिछले हफ्ते से ब्यूरोक्रेसी में ये चर्चाएं जोर पकड़ने लगी है कि सरकार अगर बुलाए तो वे चीफ सिकरेट्री बनने के लिए रायपुर आ सकते हैं। उनके कुछ बैचमेटों ने इसकी तस्दीक की है। इससे मामला पेचीदा हो चला है। अमित अग्रवाल के रायपुर लौटने के संदर्भ में अगर कोई बात होगी तो निश्चित तौर पर दिल्ली में पीएम और केंद्रीय गृह मंत्री से सीएम की मुलाकात में आई होगी। और अगर अमित अग्रवाल अगर नहीं आए तो फिर मुख्य मुकाबला सुब्रत साहू और मनोज पिंगुआ में होगा। सुब्रत 91 बैच के आईएएस हैं और मनोज 94 बैच के। इनमें से जिसका मुकद्दर बुलंद होगा, वह 30 जून को अमिताभ जैन से कार्यभार ग्रहण करेगा।

आईएएस रजिस्ट्रार

छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी का चर्चित स्लोगन था...अमीर धरती के गरीब लोग। इस विरोधाभास को दूर करने उन्होंने सूबे के ह्यूमन रिसोर्स की मजबूती के लिए कई स्तर पर कोशिशें शुरू की थी। जोगी ने सबसे पहले विश्वविद्यालयों में डायरेक्ट आईएएस अधिकारियों को रजिस्ट्रार बनाया। एक समय रायपुर, बिलासपुर दोनों में आईएएस रजिस्ट्रार होते थे। अभी के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार रह चुके हैं। मगर उसके बाद...? उसके बाद हायर एजुकेशन को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया। इस समय छत्तीसगढ़ के एक को छोड़कर सभी विश्वविद्यालयों का प्रशासन गुरूजी लोग संभाल रहे हैं। कुलसचिवों की नियुक्ति सरकार ने नहीं, कुलपतियों ने खुद से कर लिया है। तरीका वही...प्रभारवाद। जाहिर है, अफसर कैडर का रजिस्ट्रार रहता है तो उसकी एकाउंटबिलिटी रहती है। गलत होने पर वह अड़ सकता है। मगर असिस्टेंट प्रोफेसरों और प्रोफेसरों की कहां मजाल कि वह कुलपतियों से अलग जाए। लिहाजा, कुलपतियों के दोनों हाथ घी में सिर कढ़ाई में है।

कुलपति बोले तो बड़ा बाबू

एक समय था, जब कुलपतियों के प्रति लोगों में अगाध श्रद्धा होती थी। उनका अलग प्रोटोकॉल और औरा था। वीसी को नेक्स्ट टू गवर्नर कहा जाता था। कार्यक्रमों में वीसी मुख्यमंत्री और राज्यपालों के बगल में बिठाए जाते थे। मगर छत्तीसगढ़ बनने के बाद पैसे कमाने के चक्कर में कुलपतियों का ऐसा पतन हुआ कि उनकी स्थिति बड़े बाबू से ज्यादा नहीं रह गई है। सूटकेश वाले कुलपतियों का क्वालिटी एजुकेशन और रिसर्च से कोई वास्ता नहीं,...उनका एक ही मोटो है, जितना खर्चा किया, वह ब्याज समेत निकल आए। जाहिर है, ऐसे में निर्माण कार्यों और नियुक्तियों पर गिद्ध दृष्टि रहेगी ही। जितना ज्यादा कंक्रीट की इमारतें खड़ी करेंगे, कमीशन उतना अधिक मिलेगा। फिर थोक के भाव में होने वाली नियुक्तियां तो हॉट केक है ही। बस्तर यूनिवर्सिटी की नियुक्यिं में आप सभी ने देखा ही, बाकी यूनिवर्सिटी का हाल भी जुदा नहीं है। वो चाहे संघ के नाम पर कुलपति बनने वाले हो या फिर सूटकेस वाले, छत्तीसगढ़ में सभी कुलपतियों ने कारटेल बनाकर अपना रेट तय कर लिया है। असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए 30 से 35, एसोसियेट प्रोफसर याने रीडर के लिए 50 और प्रोफेसर के लिए 75 लाख। अब आप कैलकुलेटर से जोड़ लीजिए कि 5 साल में अगर 50 नियुक्ति भी कर ली तो कई खोखा का इंतजाम हो गया। याने अपनी संतानों के साथ नाती-पोता के लिए भी व्यवस्था। संघ की दुहाई और गांधी जी को कोसने वाले एक कुलपति ने तो तबाही मचा दी है...डेली वेजेज की कर्मचारियों की पोस्टिंग भी गांधीजी के बिना नहीं करते।

संघ-कांग्रेस का कॉकटेल

कुलपतियों की नियुक्ति में अब कोई विचाराधारा नहीं रह गया है। संघ के हैं या कांग्रेस के, बिना सूटकेस कुछ नहीं होने वाला। यह बाती छिपी नहीं है कि पिछली कांग्रेस सरकार में एक संघ परिवार के प्रोफेसर ने कैसे कुलपति की कुर्सी जुगाड़ी। उनके लिए संघ वालों ने प्रयास किया तो कांग्रेस के लोगों ने भी लॉबिंग की। ये तो हुआ एप्रोच। मगर सिर्फ इससे काम नहीं चलने वाला...जमाना बदल गया है। एप्रोच तो पहुंच और बात आगे बढ़ाने के लिए है...सूटकेस मस्ट है। संघ-कांग्रेस के एप्रोच वाले प्रोफसर साब ने बाजार से ब्याज पर पैसा लिया था। प्राध्यापकों की नियुक्तियां कर अब वे पैसे लौटा रहे हैं।

अंत में दो सवाल आपसे

1. क्या ये सही है कि कांग्रेस की जगह भाजपा के कुछ असंतुष्ट नेता ही विपक्ष का रोल निभा रहे हैं?
2. छंटनी होने की अभी दूर-दूर तक कोई खबर नहीं, फिर एक मंत्री का बंगला सूनसान क्यों रहने लगा है?

बारिश न होने पर अपनाए जाते हैं ये विचित्र रीति-रिवाज

नई दिल्ली। मानसून का मौसम अपने साथ मन को लुभाने वाली बारिश ले कर आता है, जिसके जरिए जन-जीवन और पेड़-पौधे तारो-ताजा हो उठते हैं। हालांकि, क्या अपने कभी सोचा है मानसून में बरसात ही न हो तो क्या करना चाहिए? दरअसल, भारत में बारिश करवाने के लिए लोग तरह-तरह के विचित्र रिवाज अपनाते हैं, जिनके बारे में सुनकर आप हैरान हो जाएंगे। आइए बरसात न होने पर देश में की जाने वाली प्रथाओं के बारे में जानते हैं।

जानवरों की शादी करवाना

असम और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में बरसात करवाने के लिए मेंढक और मेंढकी की पूरे विधि-विधान के साथ शादी कराई जाती है। ऐसा माना जाता है कि अगर मेंढकों का यह जोड़ा साथ रहा, तो जल्द बारिश हो जाएगी। इसके बाद इस नवविवाहित जोड़े को आसमान की ओर उठाया जाता है, जिससे भगवान उन्हें देख सकें। वहीं, कर्नाटक में वर्षा के देवता को खुश करने के लिए मेंढकों की जगह गधों की शादी करवाई जाती है।

लड़कों का कीचड़ में लोटना

उत्तर प्रदेश के शहर इलाहाबाद में बारिश बुलाने के लिए एक बेहद विचित्र रिवाज किया जाता है। अब प्रयागराज नाम से पहचाने जाने वाले इस शहर में युवा लड़के कीचड़ में लोटकर वर्षा देवता को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं। सभी लड़के नग्न होकर या केवल शॉर्ट्स पहनकर कीचड़ में लेटते हैं और हाथ जोड़कर प्रार्थना करते हैं।

गुड्डे-गुड़िया की शादी करवाना

बचपन में सभी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर गुड़यि-गुड्डे की शादी करवाई होगी, जो एक मजेदार खेल हुआ करता था। हालांकि, पिछले साल कर्नाटक के रहने वाले कुछ लोगों ने बरसात न होने पर परेशान होकर गुड्डे-गुड़यि की शादी करवाई थी। उनका मानना था कि ऐसा करने के एक हफ्ते बाद ही बारिश हो जाएगी।

मुर्दों की प्यास बुझाई

बरसात बुलाने के लिए किए जाने वाले ज्यादातर रिवाज पुराने समय के हैं। हालांकि, एक ऐसा रिवाज भी है, जो नए समय में अपनाया गया है। कर्नाटक के विजयपुरा गांव के गांववासियों ने कुछ साल पहले सूखा पड़ने पर नई प्रथा शुरू की। उनका मानना था कि हाल ही में दफनाए गए बूढ़े आदमी की प्यास न बुझने के कारण ही बारिश नहीं हो रही है। तब गांववासियों ने 26 मुर्दों के मुंह में पाइप डालकर उन्हें पानी पिलाया था।

इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध अगर विस्तार लेता है तो यह जहां वैश्विक जंग की शक्ल ले सकता है, वहीं वैश्विक स्तर पर ऊर्जा और खाद्यान्न आपूर्ति को प्रभावित कर सकता है। इजरायल और ईरान के बीच ताजा अदावत बढ़ने की वजह आतंकी गुट हमास का पिकनिक मना रहे इजरायलियों पर वहशियाना हमला है। इजरायल ने आत्मरक्षा के अधिकार के तहत हमास के खिलाफ सैन्य संघर्ष शुरू किया। इजरायल के खिलाफ हमास को खड़ा करने में ईरान का हाथ माना जाता है। यह भी कहा जाता है कि हिजबुल्ला व हूती के पीछे भी ईरान है। ईरान ने इजरायल को परेशान करने के लिए उसकी जमीनी सीमाओं से लगे देशों में हमास, हिजबुल्ला व हूती जैसे सशस्त्र आतंकी व विद्रोही गुट खड़े किए। इजरायल इन तीनों आतंकी गुटों के खिलाफ निर्णायक सैन्य संघर्ष कर रहा है और इस दौरान तीनों की कमर तोड़ दी है। शिकस्त होते देख ईरान ने सीधे तौर पर इजरायल को निशाना बनाया था। उसके बाद इजरायल ने भी ईरान को करारी चोट पहुंचाई। अब इजरायल ने फिर से ईरान के अंदर घुसकर अब तक का सबसे करारा प्रहार किया है। अमेरिका खुले तौर पर इजरायल के साथ है व ये दोनों मुल्क नहीं चाहते कि ईरान परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल करने की स्थिति में आए। ईरान का बदला क्या रुख लेगा, आजकल के इस अंक में पेश है विश्लेषण...

मध्य पूर्व में विनाशकारी युद्ध की दस्तक

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

यूरोपीय काउंसिल ऑफ फॉरेन रिलेशंस का कहना है कि इजरायल ने ईरान पर आक्रमण इसलिए अंजाम दिया ताकि परमाणु कार्यक्रम रोकने के लिए ईरान से समझौता करने की ट्रंप की संभावनाओं को एकदम खत्म किया जा सके। अनेक रणनीतिक विशेषज्ञ यह मानते हैं कि इस युद्ध के बड़े पैमाने पर विस्तार होने की संभावना बहुत कम है, लेकिन सैन्य रणनीति के विशेषज्ञ यह भी बयान करते हैं कि इजरायल की संसद और हुकूमत की कैबिनेट में ऐसे राजनीतिज्ञ विद्यमान हैं, जोकि ईरान से युद्ध चाहते हैं और उसके लिए इजरायली प्रधानमंत्री पर राजनीतिक दबाव भी कायम कर सकते हैं। युद्ध हमेशा के टाला नहीं जा सकता, बल्कि आने वाले दौर में इसका दायरा और अधिक बढ़ सकता है।

इजरायल और ईरान के मध्य उत्पन्न हुए आक्रमणकारी सैन्य तनाव के कारण क्या मध्य पूर्व में बड़े पैमाने पर एक विनाशकारी युद्ध प्रारंभ होने का खतरा उत्पन्न हो गया है? प्रश्न है कि आखिरकार यही वक्त इजरायल द्वारा ईरान पर हमले के लिए क्यों चुना गया? विकट प्रश्न उठता है कि इजरायल और ईरान में यदि एक बड़ा युद्ध छिड़ जाता है तो भारत पर इसका क्या प्रभाव स्थापित होगा?

उल्लेखनीय है कि रविवार 16 जून को ईरान और अमेरिका के मध्य परमाणु समझौते को लेकर समझौता वार्ता छठे दौर में पहुंच जाएगी। नेतन्याहू के लिए यह सटीक मौका था कि ईरान पर सैन्य आक्रमण अंजाम देकर इस वार्ता को विफल कर सकते हैं। यूरोपीय काउंसिल ऑफ फॉरेन रिलेशंस का कहना है कि इजरायल ने ईरान पर आक्रमण इसलिए अंजाम दिया ताकि परमाणु कार्यक्रम को रोकने के लिए ईरान से समझौता करने की राष्ट्रपति ट्रंप की संभावनाओं को एकदम खत्म किया जा सके। अनेक रणनीतिक विशेषज्ञ यह मानते हैं कि इस युद्ध के बड़े पैमाने पर विस्तार होने की संभावना बहुत कम है, लेकिन सैन्य रणनीति के विशेषज्ञ यह भी बयान करते हैं कि इजरायल की संसद और हुकूमत की कैबिनेट में ऐसे राजनीतिज्ञ विद्यमान हैं, जोकि ईरान से युद्ध चाहते हैं और उसके लिए इजरायली प्रधानमंत्री पर बड़ा राजनीतिक दबाव भी कायम कर सकते हैं। वे यह भी कहते हैं कि बेंजामिन नेतन्याहू जब भी स्वयं को राजनीतिक तौर पर अपने देश में कमजोर पाते हैं, वह तुरंत ही ईरानी कार्ड का इस्तेमाल शुरू कर देते हैं। रणनीति के कुछ विशेषज्ञों का विचार है कि युद्ध हमेशा के लिए टाला नहीं जा सकता, बल्कि आने वाले दौर में इसका दायरा और अधिक बढ़ सकता है।

परदे के पीछे अमेरिका भी शामिल

संभव है कि ईरान तत्काल इजरायल पर हमला न बोले, लेकिन ईरान सैन्य प्रतिशोध अवश्य ही लेगा। सैन्य संघर्ष का सिलसिला अब बिल्कुल रुकने वाला नहीं है। अमेरिकन सरकार भले ही दावा पेश कर रही है कि वह इस युद्ध में शामिल नहीं है, लेकिन इजरायली बॉम्बर फाइटर जेट्स द्वारा कतर में स्थित अमेरिकन एयर फोर्स बेस से बाकायदा ईंधन लिया गया है। ईरान द्वारा जो ड्रोन इजराइल पर आक्रमण करने के लिए रवाना किए थे, उनको भी अमेरिका द्वारा मार गिराया गया। अमेरिका ने ईरानी ड्रोन विमानों को इजरायल तक पहुंचने ही नहीं दिया। इसके अतिरिक्त सऊदी अरब ने अमेरिका के दबाव में इजराइल को अपना एयरस्पेस बाकायदा इस्तेमाल करने दिया। निश्चित तौर पर यह जंग ईरान और इजरायल के मध्य सीमित नहीं रह गई है। इजरायल की हिब्रू यूनिवर्सिटी की तरफ से आयोजित एक सर्वेक्षण से ज्ञात हुआ है कि तकरीबन 75 फीसदी इजरायली ईरान पर सैन्य कार्यवाही करने के एकदम

विरुद्ध हो गए हैं। इजरायली जनमानस यकीनन निरंतर युद्ध से अब बेहद तंग आ चुके हैं। ईरान के साथ यदि इजरायल का एक बड़े पैमाने पर युद्ध प्रारम्भ हो जाता है तो इजरायल को फिर युद्ध में चौतरफा आक्रमणों का मुकाबला करना पड़ सकता है। लेबनान में ईरान के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ते हुए सक्रिय हिजबुल्ला तंजीम के गोरिल्ला लड़ाके, ईरान के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ते हुए दक्षिण यमन के हूती विद्रोही, ईरान की सैन्य मदद के बलबूते पर इजराइल के अंदर युद्धरत हमास तंजीम के छापामार लड़ाके हमले करेंगे।

जंगजू शक्तियां इजरायल के विरुद्ध

सर्वविदित है कि ईरान के शिया समर्थकों की इराक और सीरिया में एक लंबी जंगजू फौज मौजूद है। ये सभी जंगजू शक्तियां इजरायल के विरुद्ध ईरान के पक्ष में युद्ध में अवश्य ही उतरेंगी। इजरायल की नेतन्याहू हुकूमत ने दावा पेश किया कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम का खात्मा करने के लिए इजरायल ने ऑपरेशन राइजिंग लायन के तहत ईरान पर धावा बोलकर उसके कुछ सीनियर फौजी कमांडरों को हलाक कर दिया गया। इन हलाक होने वालों में इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के कमांडर इन चीफ हुसैन सलामी भी शामिल हैं। हुसैन सलामी 1979 में हुई इस्लामी क्रांति के संरक्षक रहे और शाह के शासन का खात्मा करने में उनका प्रमुख किरदार रहा था। ईरान के कम से कम छह परमाणु वैज्ञानिकों को मौत के घाट उतार दिया गया। ईरान के सर्वोच्च लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार अली शामख़ानी भी इजरायली आक्रमण में गंभीर रूप से जख्मी हो गए। ईरान की हुकूमत के मुताबिक इजरायल ने तेहरान और दूसरे अन्य नगरों के रिहायशी इलाकों को अपना फौजी निशाना बनाया। ईरान के सर्वोच्च लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई ने ऐलान किया कि इजरायल की जियोनिस्ट हुकूमत को अब ईरान से अत्यंत सख्त सजा की उम्मीद रखनी चाहिए।

विराट है ईरान की मिसाइल परियोजना

ईरान की फौज इजरायल को सख्त से सख्त सजा दिए बिना कदापि नहीं छोड़ेगी। दूसरी तरफ इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने दावा पेश किया कि ईरान द्वारा इजरायल पर 100 से अधिक ड्रोन दागे गए। विगत वर्ष 2024 के अप्रैल महीने में भी इजरायल और ईरान के मध्य एक अल्पकालिक जंग लड़ी गई थी। इजरायल का ऑपरेशन राइजिंग लायन ईरान पर किया गया एक जबरदस्त आक्रमण है। यह हमला विगत वर्ष ईरान के अंजाम दिए गए मिसाइल और ड्रोन संघर्ष से कहीं अधिक व्यापक और विनाशकारी है। इजरायल और ईरान के मध्य तकरीबन 2100 किलोमीटर की दूरी मौजूद है। अगर ईरान को इजरायल पर आक्रमण करना होगा तो उसे ड्रोन और मिसाइलों द्वारा धावा बोलना होगा। उल्लेखनीय है कि ईरान की फौज के पास फिलहाल तकरीबन 3000 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइल विद्यमान हैं। ईरान की मिसाइल परियोजना मध्य पूर्व के देशों में सबसे विराट और सबसे अधिक विविधतापूर्ण मिसाइल परियोजना है। ईरान द्वारा अपने मिसाइल सिस्टम और ड्रोन सिस्टम पर काफी महत्वपूर्ण काम किया गया है। विशेष कर 1980 से 1988 के मध्य पड़ोसी देश इराक के विरुद्ध दीर्घकालीन युद्ध के दौरान ईरान ने इनका अत्यंत संजीदगी और विविधता के साथ निर्माण शुरू किया। ईरान द्वारा छोटी रेंज की मिसाइलों और ड्रोन का निर्माण बड़े पैमाने पर किया गया। सऊदी अरब और इजरायल पर दक्षिण यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा दागी सभी मिसाइलें ईरान द्वारा प्रदान की जाती रही। इजरायल के द्वारा अंजाम दिए गए आक्रमण में परमाणु संस्थानों के साथ-साथ मिसाइल और एयर डिफेंस के ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। क्षेत्रफल के मुताबिक ईरान वस्तुत इजरायल से कहीं बड़े क्षेत्रफल वाला मुल्क है। ईरान की आबादी तकरीबन 9 करोड़ है और इजरायल की आबादी लगभग एक करोड़ है। इजरायल के सैनिकों की तुलना भी ईरानी सैनिकों की संख्या में तकरीबन तीन गुनी है। ईरान की सैन्य सेवा में 6 लाख सक्रिय सैनिक विद्यमान हैं और इजरायल के पास आधिकारिक तौर पर तकरीबन 1,70000 सैनिक विद्यमान हैं।

इजरायल परमाणु हथियारों से लैस देश

सर्वविदित है इजरायल परमाणु हथियारों से लैस देश है, हालांकि इस विषय में कोई स्पष्ट जानकारी प्रदान करने से इजरायल सदैव बचता रहा है। ईरान के पास परमाणु हथियार विद्यमान होने की संभावनाएं बहुत कम प्रतीत होती है। ईरान पर परमाणु हथियार निर्मित करने की कोशिश करने का इल्जाम निरंतर आयद रहा है। लेकिन ईरान इस संगीन इल्जाम से सदैव इनकार करता रहा है। आज के दौर में दुनिया दो शक्तिशाली सैन्य ध्रुवों में विभाजित होती प्रतीत हो रही है। एक तरफ शक्तिशाली सैन्य ध्रुव में अमेरिका और नाटो देश हैं, तो दूसरी तरफ शक्तिशाली सैन्य ध्रुव में चीन, रूस, ईरान, उत्तरी कोरिया आदि अनेक देश हैं। ऐसी स्थिति में विकट प्रश्न यह उठता है कि इजरायल और ईरान यदि पूरी तरह युद्ध में संलग्न हो जाते हैं तो भारत पर इसका क्या प्रभाव होगा? निश्चित तौर पर इजरायल और ईरान के मध्य सैन्य टकराव की विकट स्थिति में भारत का रुख अत्यंत संतुलनवादी रहेगा। भारत भी परमाणु शक्ति संपन्न ईरान के पक्ष में कदाचित नहीं है। यकीनन भारत भी इजरायल द्वारा ईरान पर हमले का समर्थन कदापि नहीं करेगा। विगत माह मई में जब भारत ने पाकिस्तान के बहुत अंदर घुसकर सैन्य ठिकानों पर आक्रमणकारी धावा बोला था तो उस वक्त इजरायल ने भारत का एकदम खुलकर समर्थन किया था। इजरायल की हुकूमत ने बयान दिया था कि भारत के पास आत्मरक्षा का अधिकार है। वहीं ईरान ने भी पाकिस्तान का समर्थन तो नहीं किया और दोनों देशों के मध्य सैन्य तनाव समाप्त कराने के लिए मध्यस्थता करने की भी कोशिश की। ऑपरेशन सिंदूर के समय ईरान द्वारा भारत व पाक के मध्य सैन्य संघर्ष के दौरान स्वयं को तटस्थ बनाए रखने की रणनीति अख्तियार की गई थी। इजरायल और ईरान के मध्य आक्रमणकारी सैन्य संघर्ष में भारत ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि इजरायल और ईरान को कूटनीतिक बातचीत के माध्यम से परस्पर विवाद को सुलझाना चाहिए और सैन्य टकराव से पूरी तरह बचना चाहिए। ईरान और इजरायल दोनों देशों के साथ भारत के अत्यंत निकट मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं। भारत हर तरह से दोनों देशों की कूटनीतिक मदद करने के लिए तैयार है। भारतीय विदेश नीति के कुछ विशिष्ट जानकारों का कहना है कि अमेरिका और चीन के बाद भारत वस्तुतः सबसे बड़ा ऊर्जा का उपभोक्ता देश है। मध्य पूर्व के इलाके में यदि युद्ध का दायरा बढ़ेगा, जिसकी भागीदारी वैश्विक तेल उत्पादन में तकरीबन एक तिहाई है।

इजरायल व ईरान के साथ भारत के गहरे संबंध

निश्चित तौर पर तेल और गैस की कीमतों में बड़े पैमाने पर इजाफा होगा तो फिर भारत की ऊर्जा सुरक्षा सीधे तौर पर मुत्तासिर हो जाएगी। ऐतिहासिक रूप से गल्फ ऑपरेशन काउंसिल के छह मुल्क बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, और यूएई के साथ ही इराक भारत के लिए तेल और गैस की आपूर्ति करने वाले मुल्क हैं। रूस से तेल और गैस का तकरीबन 40 फीसदी खरीदारी करने से भारत की निर्भरता गल्फ मुल्कों पर कुछ हद तक कम हो गई है। फिर भी भारत के तेल और गैस आपूर्ति में गल्फ मुल्कों का योगदान तकरीबन 50 फीसदी से अधिक रहा है। भारत का विदेशी व्यापार गल्फ और पश्चिम एशिया के साथ तकरीबन 209 अरब डॉलर का है अर्थात भारत के कुल विदेशी व्यापार का तकरीबन 19 प्रतिशत रहा है। इससे प्रतीत होता है कि भारत के लिए पश्चिम एशिया और गल्फ कंट्री कितनी महत्वपूर्ण है। भारत कदापि नहीं चाहता है कि यह युद्ध का दायरा विस्तारित हो जाए। इजरायल और ईरान के साथ भारत के गहरे संबंध रहे हैं और भारत द्वारा फिलिस्तीन के विवाद को सुलझाने में एक बड़ी जबरदस्त भूमिका निभाई जा सकती है।

परमाणु हथियार पर नियंत्रण के लिए हमले

ईरान-इजरायल
प्रमोद भार्गव
साहित्यकार एवं वरिष्ठ पत्रकार

इजरायल और ईरान के बीच युद्ध आरंभ हो गया है। इजरायल ने ईरान के विरुद्ध बड़ा सैन्य अभियान चलाया है। इसे 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' नाम दिया गया है। यानी इजरायल एक ऐसा युद्ध करता हुआ देश है, जो ईरान की ओर शेर की मस्तानी चाल से बढ़ रहा है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने जब आजाद हिंद फौज की कमान संभाली थी, तब उन्होंने अपने झंडे पर छलांग लगाते शेर को प्रतीक बनाया था। बेंजामिन नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश जारी कर इस आक्रमण की पुष्टि करते हुए कहा है, 'जब तक इजरायल के अस्तित्व पर खतरे बने रहेंगे, ईरान पर हमले जारी रहेंगे। साथ ही यह कोई सीमित कार्यवाही नहीं है, बल्कि एक व्यापक और लंबा चलने वाला रणनीतिक अभियान है।' इजरायल ने 13 जून को 200 लड़ाकू विमानों से ईरान के लगभग 100 ठिकानों को निशाना बनाया। ये हमले 20 प्रमुख सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों के घरों पर भी किए गए। ईरान की राजधानी तेहरान में 78 लोग मारे गए। इजरायल की सतर्कता यह रही कि उसने अपने खुफिया संगठन 'मोसाद' के जरिये ईरान के गुप्त ठिकानों पर पहुंचकर कम ऊंचाई वाले ड्रोन छोड़े और ईरान की सुरक्षा प्रणाली एवं मिसाइल प्रक्षेपण प्रणाली को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद इजरायली विमानों को ईरान का खुला आसमान मिल गया। ईरान ने 100 ड्रोन से जवाबी हमला किया भी लेकिन ये सभी ड्रोन इजरायली डिफेंस सिस्टम ने इजरायल की सीमा लांघने से पहले ही नेस्तनाबूद कर दिए।

डोनाल्ड ट्रंप की दोहरी नीति

इधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जो कूटनीतिक प्रतिक्रिया आई है, उससे साफ है कि वे दोहरी नीति अपना रहे हैं। ट्रंप ने कहा है कि ईरान को परमाणु समझौता करने के लिए 60 दिन का समय दिया था, आज 61वां दिन था। फलतः इजरायल ने ईरान पर हमला बोल दिया। अब ईरान को समझौता करने के लिए दूसरा मौका दे रहा हूं, वह इस अवसर का लाभ उठाए, क्योंकि इजरायल का दूसरा हमला कहीं ज्यादा आक्रामक और भयावह होगा। साफ है, ट्रंप की सहमति के बाद ही इजरायल ने यह हमला किया है। दरअसल ईरान को परमाणु बम बनाने से रोकने के लिए ये हमला किया गया। इसीलिए इस हमले को नेतन्याहू ने न्यायसंगत ठहराते हुए कहा है कि ईरान उसके अस्तित्व के लिए संकट बन रहा है। क्योंकि यह एक हकीकत है कि ईरान ने बड़े पैमाने पर यूरेनियम संवर्धन प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह ऐसी प्रक्रिया है, जो परमाणु हथियार बनाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाती है। इसके अंतर्गत यूरेनियम-235 के निर्माण की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जाता है। अतएव इजरायल के लिए ईरान का परमाणु हथियार संपन्न देश हो जाना चिंता की स्थिति उत्पन्न करने वाली बात है।

परमाणु हथियार संपन्न देश

दरअसल, परमाणु हथियार संपन्न देश होना एक ऐसी सैन्य रणनीति है, जिसके चलते दूसरे देश परमाणु संपन्न देश पर हमला करने से बचते हैं। इसका बुनियादी कारण है कि यदि कोई देश शत्रु देश पर परमाणु हमला करता है तो जवाबी

कार्यवाही में उसे भी परमाणु हमले का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा होता है तो देनों देशों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। रूस ने यूक्रेन पर आसानी से इसलिए हमला बोल दिया था, क्योंकि उसके पास परमाणु हथियार नहीं है। रूस और अमेरिका के बहकावे में आकर उसने अपने परमाणु हथियार, परमाणु निरस्त्रीकरण संधि पर हस्ताक्षर करने के बाद समुद्र में नष्ट कर दिए थे। इसका खामियाजा उसे आज उठाना पड़ रहा है। ईरान परमाणु संपन्न देश न बन जाए, इसलिए उस पर अमेरिका ने लंबे समय से परमाणु संबंधी प्रतिबंध लगाए हुए थे। परंतु बराक ओबामा के कार्यकाल में अमेरिका और ईरान के बीच एक परमाणु समझौता हुआ और ईरान से परमाणु प्रतिबंध समाप्त कर दिए गए थे। तब भी इजरायल ने इस समझौते का खुला विरोध किया था। नेतन्याहू ने यहां तक कहा था कि यह संधि एक ऐतिहासिक भूल है। किंतु उस समय इस संधि को ओबामा की बड़ी उपलब्धि बताया गया था। ईरान और इजरायल के बीच तनाव लंबे समय से चला आ रहा है, लेकिन इन देशों ने लंबे समय तक छदम् युद्ध लड़ा है। जब एक अप्रैल 2024 को इजरायल ने सीरिया पर हमला किया था तब ईरान ने इजरायल पर सीधा हमला बोला था। क्योंकि इस लड़ाई में ईरान समर्थित इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड के ब्रिगेडियर जर्नल मोहम्मद रजा जाहेदी समेत 8 अधिकारी मारे गए थे। ईरान ने इस हमले के जवाब में अप्रत्याशित रुख अपनाते हुए लगभग 320 ड्रोन और क्रूज मिसाइलों से हमला किया था। इजराइल से करीब 1800 किमी की दूरी पर स्थित होने के बावजूद ईरान हमला करने में सफल रहा। ईरान ने 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद इजरायल से लंबी दुश्मनी के चलते पहली बार यह सैन्य हमला किया था। इस लड़ाई में इजरायल को अमेरिका ने खुली सामरिक मदद की थी। उस संदर्भ में ईरान ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा था कि उसने यदि अब इजरायल की मदद की तो नतीजा भुगतने को तैयार रहे। ईरान ने यह पलटवार इसलिए भी किया था, जिससे मध्य-पूर्व की राजनीति में उसके वर्चस्व की महिमा को स्वीकार लिया जाए। यदि वह जवाबी हमला नहीं बोलता तो इजरायल और अमेरिका के खिलाफ उसकी जो धारणा है, वह ध्वस्त हो जाएगी। दरअसल ईरान इजरायल के अस्तित्व को ही स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि इजरायल ने मुस्लिमों की जमीन पर कब्जा कर रखा है। हालांकि हमले के बाद ईरान ने संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिखकर मामले को यहीं समाप्त करने की गुहार भी लगाई थी। बावजूद ईरान ने चेतावनी दी थी कि यदि इजरायल ने जवाबी कार्रवाई की तो उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। यह विरोधाभास भी देखने में आया कि ईरान ने अमेरिका को इजरायल पर सीमित और नियंत्रित हमला करने की जानकारी पहले ही दे दी थी। ईरान के विदेश मंत्री ने ही इस आशय का बयान दिया था। वाकई यह बयान सच था तो यह मान लेने में कोई हर्ज नहीं है कि अमेरिका दोतरफा कुटिल चालें हमेशा ही चलता रहा है। रूस का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते के लिए जो वार्ता चल रही है, वह उसमें सहयोग करेगा।

तीसरे विश्व युद्ध की आशंका

इस युद्ध को लेकर भारत दुविधा में है, क्योंकि पाकिस्तान के विरुद्ध भारत ने जब ऑपरेशन सिंदूर चलाया था तब इजरायल उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा था। इजरायल भारत का रक्षा साझेदार भी है। दूसरी तरफ ईरान से भारत के ऐतिहासिक संबंध हैं। ईरान ने कई अवसरों पर इस्लामिक देशों के संगठन के मंच पर भारत की मदद की है। इसलिए भारत किसी को भी छोड़ना नहीं चाहता। अतः भारत ने दोनों देशों के बीच कूटनीति व शांति बरतने की अपील की है। बहरहाल, इस युद्ध के साथ बड़ी आशंका यह जुड़ गई है कि यह युद्ध तीसरे विश्व युद्ध की ओर न बढ़ जाए।

बढ़ सकती हैं भारत की कूटनीतिक मुश्किलें

दो टूक
डॉ. एन. के. सोमानी
वरिष्ठ पत्रकार

ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकने के लिए ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच इसी रविवार को ओमान में वार्ता होनी थी। वार्ता शुरू होती, इससे पहले ही इजरायल ने ईरान पर हमला करके न केवल क्षेत्र में जंग के हालात उत्पन्न कर दिए हैं, बल्कि वार्ता में बड़ा गतिरोध भी पैदा कर दिया है।

समझौता वार्ता से हटा ईरान

इजरायल की आक्रामक कार्रवाई के बाद ईरान ने आधिकारिक तौर पर वार्ता से हटने का ऐलान कर दिया है। एक टीवी इंटरव्यू में जब राष्ट्रपति ट्रंप से पूछा गया कि क्षेत्र का राजनीतिक और सैन्य तापमान कम करने के लिए क्या किया जा सकता है? जवाब में ट्रंप ने तल्ख लहजे में कहा कि ईरान परमाणु बम नहीं बना सकता है। ईरान ने भी ट्रंप को कड़े शब्दों में जवाब दिया। रक्षामंत्री अजीज नसीर जादेह ने अमेरिका को स्पष्ट शब्दों में चेता दिया कि यदि हम पर युद्ध थोपा गया तो हम बिना किसी हिचकिचाहट के अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाएंगे। इस तरह की तल्ख टिप्पणियों से क्षेत्र में तनाव उत्पन्न होना ही था। अमेरिका ने खतरे को भांपकर अपने नागरिकों को मिडिल ईस्ट छोड़ने को कह दिया। इराक स्थित दूतावास से भी अपने कर्मचारियों को हटाना शुरू कर दिया था। तेल की कीमतें तेजी से बढ़ने लगी। हालात बता रहे थे कि अगर ईरान वार्ता के लिए राजी नहीं होता है, तो मध्यपूर्व जंग की चपेट में आ सकता है। ऐसा ही हुआ। इजरायल भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम का विरोध कर रहा है। उसका मानना है कि अगर ईरान परमाणु ताकत हासिल कर लेता है तो उसके अस्तित्व पर संकट उत्पन्न हो जाएगा। ईरान ने राष्ट्र के रूप में इजरायल के अस्तित्व को कभी स्वीकार नहीं किया है।

इजरायल का यह भी कहना है कि ईरान के परमाणु संपन्न होने से वह पूरे मिडिल ईस्ट को नियंत्रित करने की स्थिति में आ जाएगा। इसलिए ईरान को परमाणु कार्यक्रम की दिशा में आगे बढ़ने से रोकने के लिए यह हमला जरूरी था। दूसरी ओर, ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े अधिकारियों का दावा है कि ईरान अपने यूरेनियम भंडार को हथियार निर्माण के स्तर तक परिष्कृत करके परमाणु हथियार बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। इससे पहले ट्रंप भी ईरान को कई बार धमका चुके हैं कि यदि वह समझौते के लिए राजी नहीं होता है तो अमेरिका उसके परमाणु ठिकानों पर हमला कर उसे नष्ट कर देगा। इस बार ईरान ने जिस तरह से अमेरिकी धमकी पर तल्ख प्रतिक्रिया दी, उसके बाद इजरायल ने ईरान पर धावा बोल दिया। सवाल यह है कि इजरायल-ईरान का यह तनाव कहां तक जाएगा। कहीं ऐसा तो नहीं कि यूरेशिया (रूस-यूक्रेन युद्ध) के बाद मिडिल ईस्ट भी लम्बी लड़ाई में उलझ जाए। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के इरादों से तो यही लग रहा है।

नेतन्याहू ने हमले को जायज ठहराते हुए कहा कि हमला इजरायल के अस्तित्व के लिए ईरान के संभावित खतरे को कम करने का एक सैन्य अभियान था। अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाता है। साफ है कि हमले आगे भी जारी रह सकते हैं।

दूसरी ओर, यदि ईरान लेबनान, सीरिया, इराक या यमन में अपने सहयोगी समूहों के माध्यम से जवाबी कार्रवाई करता है तो निसंदेह मिडिल ईस्ट लंबे समय तक हिंसा की आग में धधकता रहेगा। एक प्रश्न ओर भी है जो दुनिया को डरा रहा है। ईरान और इजरायल के बीच सीधी जंग शुरू होती है तो दुनिया की सप्लाई चैन का क्या होगा।

वैश्विक व्यापार होगा प्रभावित

ईरान-इजरायल संघर्ष से क्या वैश्विक व्यापार अछूता रहेगा। हमले की स्थिति में ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बाधित करने की धमकी दी है। यह दुनिया का एक महत्वपूर्ण शिपिंग मार्ग है। यहां से लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल का परिवहन होता है। यदि ईरान शिपिंग लेन या ऊर्जा अवसंरचना को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई करता है तो तेल की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि हो सकती है। दरअसल, जुलाई 2015 में ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित यूएनएससी के पांचों स्थायी सदस्य (फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, रूस और चीन) और जर्मनी जिन्हें सामूहिक रूप से पी-5 प्लस वन के रूप में जाना जाता है, के बीच एक ऐतिहासिक समझौता हुआ। राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में हुए इस समझौते को अंतरराष्ट्रीय राजनीति में संयुक्त व्यापक कार्ययोजना समझौता (जेसीपीओए) के नाम से जाना जाता है। समझौते के अनुसार ईरान ने अरबों डॉलर के प्रतिबंधों को हटाने के बदले में अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की।

समझौते का समर्थन करने वाले राष्ट्रों का मानना था कि यह ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम पर नियंत्रण में मदद करेगा और क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों (इजरायल और सउदी अरब) के बीच संघर्ष की संभावनाओं का कम करेगा। शुरू में ऐसा होता हुआ दिखा भी।

यूरेनियम के संवर्धन का अवसर

ईरान की यूरेनियम संवर्धन क्षमताओं में कमी आई और अंतरराष्ट्रीय निरीक्षणों के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ी। साल 2018 में ट्रंप ने एक तरफा तौर पर समझौते से बाहर निकलने का ऐलान कर दिया। इसके बाद ईरान को यूरेनियम के संवर्धन का अवसर मिल गया और जेसीपीओए में तय सीमा को पार कर लिया। यूएन निरीक्षकों ने 2023 में रिपोर्ट दी थी कि ईरान ने यूरेनियम की मात्रा को लगभग हथियार ग्रेड स्तर तक समृद्ध कर लिया। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय चिंताए बढ़ गईं। ईरान फिलहाल 60 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धित कर रहा है जो परमाणु हथियार बनाने की हद के बेहद करीब है। भारत के ईरान और इजरायल दोनों के साथ अच्छे संबंध है। भारत ईरान से जो तेल खरीदता है उसका भुगतान वह भारतीय मुद्रा अर्थात रुपये में करता है।

इससे भारत को विदेशी मुद्रा भंडार बचाने और रुपये को मजबूत करने में मदद मिली है। इसके अलावा, भारत ईरान के दक्षिणी तट पर सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित चाबहार पोर्ट को विकसित कर रहा है। कूटनीतिक दृष्टि से यह पोर्ट भारत के लिए काफी अहम है। इस पोर्ट के विकसित होने के बाद भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया के देशों से व्यापार के लिए नया मार्ग मिल जाएगा। इससे पहले भारत को मध्य एशियाई देशों तक पहुंचने के लिए पाकिस्तान के रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ता था। दूसरी ओर इजरायल के साथ भी भारत के अच्छे संबंध हैं। पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इजरायल ने भारत के रुख का खुलकर समर्थन किया था। ऐसे में अगर दोनों के बीच का तनाव किसी बड़े संघर्ष में बदलता है तो भारत के सामने एक बड़ी चुनौती यह होगी कि वह पश्चिम एशिया में किसके साथ खड़ा हो। कोई भी निर्णय भारत के लिए आसान नहीं रहने वाला है। ऐसे में कोई संदेह नहीं कि आने वाले समय में भारत की कूटनीतिक मुश्किलें बढ़ेंगी ही।

जैकेट के शेष

लड़कियों को फ्री ....

मालिकों को हिदायत दी थी कि इससे शहर का माहौल खराब हो रहा है। लेकिन क्लब मालिकों ने इसकी अवहेलना की। पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है
उल्लेखनीय है कि तेलीबांधा थाना क्षेत्र के अधिकांश क्लब, कैफे, रेस्टोरेंट, बार के अलावा नया रायपुर और मंदिर हसौद में संचालित क्लब-बार में बुधवार के दिन युवतियों को फ्री एंट्री और दो पैग मुफ्त शराब परोसी जाती है। पुलिस ने इसे लेकर क्लब मालिकों को हिदायत दी और तुरंत बंद करने का निर्देश दिया।
इसका असर जानन के लिए हरिभूमि और आईएनएच ने पड़ताल की। हरिभूमि-आईएनएच की टीम ने पाया कि आदेश के बाद भी अधिकतर क्लबों में लड़कियों को मुफ्त में शराब ऑफर की जा रही है। साथ ही लड़कियों को बहुत ही कम रुपए में या फ्री में एंट्री भी दी जा रही है।
दोषी पाए गए संस्थानों पर कार्रवाई : प्रशासन द्वारा दिए गए दिशा निर्देश के बाद भी युवतियों को फ्री शराब परोसने वाले संस्थानों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। यदि भविष्य में फिर शिकायत मिलती है,तो ज्यादा सख्त कार्रवाई की जाएगी। **डॉ लाल उमेद सिंह**, एसएसपी, रायपुर

रायपुर को मिली इंटरनेशनल ...

कर दी है। इस दौरे में दोनों टीमों के बीच 3 वनडे और 5 टी-20 मुकाबले खेले जाएंगे। इस सीरीज का दूसरा टी-20 मैच 23 जनवरी को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। बता दें है कि टीम इंडिया इससे पहले भी न्यूजीलैंड के खिलाफ रायपुर में एक टी-20 मैच खेल चुकी है।

चौराहे पर रस्सियों ....

सरेआम चौक पर बांध कर सार्वजनिक रूप से बेदर्दी से मारपीट, गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। इस घटना से गांव में दहशत का माहौल बन गया है। ग्राम कुम्हारी में रहने वाला परमेश्वर साहू पिता रघुनाथ साहू 12 जून की सुबह करीब 10.30 बजे बजे अपने निजी कार्य से मोटरसाइकिल से निकला था। काम पूरा करने के बाद लगभग 11 बजे दिन में वह वापस लौट रहा था। जैसे ही वह ग्राम खपरीडीह के गुड़ी चौक के पास पहुंचा, तभी गांव के छह व्यक्तियों गया पटेल, दिलहरण वर्मा, केवल केवट, यशवंत पटेल, दिग्विजय सिंह वैष्णव और आनंद दास ने उसका रास्ता रोक लिया। जिसके बाद इन्होंने उसे गाड़ी से खींचकर नीचे गिरा दिया और लाठी डंडे से पीटने लगे। खनिज माफियाओं ने परमेश्वर पर खनिज विभाग का मुखबिर होने का आरोप लगाते हुए घटना को अंजाम दिया है।

इधर रेत तस्करी मामले ...

तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, लेकिन पुलिस के हाथ अब भी गोली चलाने वाले से दूर है। पुलिस अब तक गोली चलाने वाले आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई। इस अवैध रेत उत्खनन में अपनी जेसीबी और हाईवे वाहन लगाने वाले जिले के सोमनी निवासी अभिनव तिवारी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।
मामले की जांच सीएसपी को सौंपी गई है : अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा ने बताया कि अवैध उत्खनन में तस्करों को वाहन देने के मामले में आरोपी अभिनव तिवारी को गिरफ्तार किया गया है। वहीं सोमनी टीआई सत्यनारायण देवांगन की संदिग्ध भूमिका को देखते हुए उन्हें एसपी के द्वारा सस्पेंड किया गया है। वहीं पूरे मामले की जांच सीएसपी को सौंपी गई है।

पांच बच्चे, पांचों ....

कीजिए। एक निःशक्त बालक को संभालने और पालने में कितनी मुश्किल होती है तो जिस परिवार के पांचों बच्चे विकलांग हों उस पिता के संघर्ष का सिर्फ अंदाजा लगाया जा सकता है। इसके बाद भी पिता दुकालू राम यादव ने कभी हार नहीं मानी। राजमिस्त्री का काम करके घर चलाने वाले दुकालू राम ने कभी इन बच्चों को यह महसूस नहीं होने दिया कि उनमें शारीरिक या मानसिक रूप से कोई कमी है। घर से लेकर स्कूल और स्कूल से लेकर कॉलेज तक उन्होंने हर वह जतन किए जिससे कि यह बच्चे खुश रह सकें। हरिभूमि की टीम जब निपानिया पहुंची तो घर की हालत देखकर यह अंदाजा लगाना मुश्किल था कि आखिर कैसे यह पांचों दिव्यांग बच्चे अपने माता-पिता के साथ इस संघर्ष के जीवन को जी रहे होंगे। दुकालू राम के बड़े बेटे लक्ष्मी नारायण सूर्यवंशी ने बताया कि उनके पिता को अपने बच्चों से बढ़कर किसी से मोह नहीं रहा। अपनी सारी खुशियों को छोड़कर उन्होंने पूरा जीवन बच्चों में ही बिता दिया। लक्ष्मी नारायण ने बताया कि वह फिलहाल कोरबा में शिक्षक है, और यह पढ़ाई लिखाई संभव हो सकी उनके पिता के संघर्षों की बदौलत।
परिवार में कभी कोई बीमारी नहीं रही : बच्चों की पढ़ाई और दूसरे खर्चों के लिए पिता को कर्ज भी लेना पड़ा। दुकालू राम के मुताबिक बच्चे लायक बन जाएंगे तो यह कर्ज अपने आप उतर जाएगा। सभी बच्चों के दिव्यांग होने के बारे में दुकालू राम बताते हैं कि ऐसी कोई बीमारी तो कभी घर में रही ही नहीं। इसके बाद भी भगवान को ना जाने क्या मंजूर था कि सभी बच्चे इसी तरह से पैदा हुए। हालांकि भगवान का आशीर्वाद मानकर उन्होंने इसे स्वीकार किया और सभी बच्चों को भरपूर प्यार और सुविधा देने की कोशिश की।

संघर्ष तो करना ....

बिलासपुर काम के लिए निकल जाता हूं। जो भी पैसे मिलते हैं उससे घर खर्च और बच्चों की पढाई पर व्यय किया जाता है। ताकि कभी यह महसूस ना हो इन बच्चों को कि उनमें कोई कमी है और उनके पिता कोई कमी होने दे रहे हैं।

कोल्ड ड्रिंक में ....

पहले तीनों बच्चों को पिलाया, फिर पत्नी को और खुद पिया। कोल्ड ड्रिंग्स पीते ही तीनों बच्चों की सेहत बिगड़ने लगी। बच्चों के बेहोश होते ही शनिवार की सुबह 3 बजे मां चिल्लाई, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

पेज एक के शेष

बेटे के लिए सीखी...

में असमर्थ हो गया, लेकिन उनके पिता ने अपना हौसला नहीं खोया। उनके संघर्ष और विश्वास से कभी बिस्तर से नहीं उठ पाने वाला पुत्र आज पिता के सहारे चलने लगा है।

जहां उम्मीद नजर...

पर इलाज के लिए ले गए, जहां से उसके ठीक होने की उम्मीद नजर आई। उन्होंने बताया कि उनके पुत्र के पैरों के लिए छोटे-बड़े ऑपरेशन मिलाकर 32 ऑपरेशन हो चुके हैं। जिसका दर्द भले ही पुत्र ने सहा है, लेकिन पीड़ा अभी भी पिता के दिल में है।

नीट में दुर्ग के...

के विद्यार्थी को एडमिशन नहीं था। इस बार 475 अंक में भी प्रवेश की संभावना बन रही है। जानकार कह रहे हैं कि आरक्षित वर्ग के छात्रों के लिए यह अंक 300 से भी कम रह सकते हैं। नीट की परीक्षा इस बार काफी कठिन थी इसलिए शुरुआत से इस बात की संभावना था कि कड़ी मेहनत करने वालों को भी इस बार कम अंक प्राप्त होंगे। नीट यूजी की परीक्षा कुल 720 अंकों की होती है जिसमें देश के टॉपर ने 686 अंक अर्जित किए हैं। विद्यार्थियों के प्राप्तांक में आने वाले कमी का असर मेडिकल कालेजों में होने वाले एडमिशन में देखने को मिलेगा। विशेषज्ञों के अनुसार छत्तीसगढ़ के शासकीय मेडिकल कालेज में जनरल कोटे की सीट पर एडमिशन के लिये कम से कम सवा 525 अंकों की जरूरत थी एडमिशन के न्यूनतम अंकों में लगभग 50 नंबर की कमी हो सकती है। राज्य में अभी दस शासकीय मेडिकल कालेज है जिसमें राज्य और ऑल इंडिया कोटे की कुल 1430 सीटें हैं। इसके अलावा पांच निजी मेडिकल कालेजों में भी एमबीबीएस की पढ़ाई होती है जहां 700 सीटें हैं। इस तरह निजी मेडिकल कालेज में भी कम अंक प्राप्त करने वालों को मौका मिल सकता है।
147 परसेंटाइल भी काउंसिलिंग के लिए पात्र : कठिन परीक्षा की वजह से इस बार 147 परसेंटाइल वाले भी एमबीबीएसी की सीटों पर एडमिशन की प्रक्रिया के लिए पात्र हो सकते हैं। पिछले साल 162 परसेंटाइल वालों को काउंसिलिंग में शामिल होने के लिए एलिजिबल हुए थे। जनरल केटेगरी के साथ आरक्षित कोटे के प्रवेश के न्यूनतम अंकों में भी कमी आने की संभावना है।
ये हैं छग के टॉपर
0 आर्य नगर, दुर्ग के दर्शित - 618 अंक
0 भिलाई में रहने वाले खुशहाल धमेजा- 606 अंक
0 भिलाई के सीमोन बगारिया- 602 अंक
0 रायपुर के ऋषभ अग्रवाल- 601 अंक
0 ऋषव पांडा -581 अंक
0 आशना गुप्ता -586 अंक
45 हजार ने दी थी परीक्षा : नीट 2025 की परीक्षा में छत्तीसगढ़ के लगभग 45 हजार विद्यार्थी शामिल हुए थे। इसके लिए रायपुर के 27 समेत प्रदेश में 45 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। दुर्ग ने छत्तीसगढ़ में टॉप किया है।
एलन ने एक बार फिर साबित की श्रेष्ठता : एलन रायपुर सेंटर हेड कुणाल सिंह ने बताया कि नीट-यूजी 2025 में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट रायपुर के स्टूडेंट्स ऋषभ अग्रवाल ने आल इंडिया रैंक - 1272, ऋषव पांडा 2066, आशना गुप्ता 2625 रैंक प्राप्त की है। एलन रायपुर के टॉप-3000 में तीन स्टूडेंट्स, टॉप 5000 सात स्टूडेंट्स एवं टॉप 15000 में 18 स्टूडेंट्स ने स्थान प्राप्त किया है।

हफ्ते में 30 घंटे...

99.97 पर्सेन्टाइल आए। उनकी ओवर ऑल रैंकिंग 524 रही। हरिभूमि से विशेष बातचीत में उन्होंने बताया कि यह उनका फर्स्ट अटेम था। उन्होंने हफ्ते में 30 घंटे तक पढ़ाई का लक्ष्य रखा। क्योंकि हर दिन बनाने वाला टार्गेट किसी न किसी वजह से मिस हो रहा था। इसलिए हफ्ते के हिसाब से प्लानिंग की। सोशल मीडिया से दूरी बनाकर रखी। डीपीएस के छात्र रहे दर्शित ने अपनी पढ़ाई एपेक्स सिविक सेंटर भिलाई से की। दर्शित के पिता डॉ. प्रवीण जैन शहर के प्रतिष्ठित चिकित्सक हैं। उनकी मां डॉ. शिल्पा जैन और दादा डॉ. मूलचंद जैन भी पेशे से चिकित्सक हैं। भिलाई से 7 अन्य स्टूडेंट्स ने भी स्टेट टॉपर में जगह बनाई है। एजुकेशन विशेषज्ञों की मानें तो दर्शित स्टेट टॉपर हैं। छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा अंक उन्होंने ही अर्जित की है।

रायपुर से भिलाई...

की पढ़ाई की। इसके बाद नीट की तैयारी शुरू की। भिलाई में रहकर उसने एपेक्स कोचिंग सेंटर में एडमिशन लिया। हर दिन घर पर रहकर 4 से 5 घंटे की पढ़ाई की। खुशहाल ने हरिभूमि को बताया कि उसका पहले से ही सपना था कि वह डॉक्टर बने। इसके लिए उसने 9वीं से ही तैयारी शुरू कर दी थी। पीसीबी और पीई लेकर उसने 12वीं तक की पढ़ाई की। इसके बाद ब्रेक लेकर नीट एग्जाम दिया। पहली बार में ही उसने 606 अंक अर्जित किए। उसकी 1009 रैंक आई है। उसकी सफलता में उसकी मां गीता कृष्णानी और मौसी डॉ. रतना खालसा का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। नाना डॉ. एचएस कृष्णानी ने भी हर समय मेरा उत्साहवर्धन किया।

विमान दुर्घटना में...

लगाने के लिए बीजे मेडिकल कॉलेज छात्रावास और कैंटीन परिसर के मलबे की जांच कर रहे हैं। वहीं, नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने कहा कि विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने टाटा के स्वामित्व वाली विमान कंपनी के बोइंग 787 श्रृंखला के विमानों की 'विस्तारित निगरानी' के आदेश दिए हैं। एअर इंडिया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उसने अपने नौ बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों की एक बार की सुरक्षा जांच की है और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के निर्देशानुसार शेष 24 ऐसे विमानों की जांच पूरी करने की दिशा में अग्रसर है। एअर इंडिया के बेड़े में अब 26 बोइंग 787-8 और सात बोइंग 787-9 विमान हैं। एक बार की सुरक्षा जांच से तात्पर्य किसी विशेष कार्यक्रम या गतिविधि से पहले किसी चीज के सुरक्षित होने और संबंधित अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए किए गए विशिष्ट निरीक्षण या मूल्यांकन से है। एअर इंडिया की अहमदाबाद से लंदन जा रही उड़ान 'एआई 171' में 242 यात्री और चालक दल के सदस्य थे जिनमें से एक को छोड़कर सभी की मौत हो गई है। वहीं, विमान मेडिकल कॉलेज परिसर पर गिरा जिससे जमीन पर मौजूद पांच एमबीबीएस छात्रों सहित 29 अन्य लोगों की भी जान चली गई।

पीएम मोदी आज होंगे रवाना, कनाडा में जी 7 समिट में लेंगे हिस्सा

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही तीन देशों की यात्रा पर जाने वाले हैं। पीएम मोदी 15 जून से 19 जून के बीच साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया की यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने आज इसकी सूचना जारी करते हुए बताया कि पीएम मोदी की इस यात्रा का उद्देश्य प्रमुख वैश्विक साझेदारों के साथ भारत की द्विपक्षीय और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पीएम मोदी पहले साइप्रस जाएंगे। इसके बाद कनाडा में जी-7 सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और फिर वो क्रोएशिया का रुख करेंगे।
साइप्रस का दो दिवसीय दौरा : विदेश मंत्रालय के अनुसार, साइप्रस गणराज्य के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के बुलावे पर पीएम मोदी 15 जून को दो दिवसीय साइप्रस यात्रा के लिए रवाना होंगे। पिछले 2 दशकों में भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली साइप्रस यात्रा होगी। इस दौरान पीएम मोदी और राष्ट्रपति निकोस के बीच द्विपक्षीय बैठक होगी। विदेश मंत्रालय ने अपनी स्टेटमेंट में कहा- यह यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाएगी।

शुभांशु के आइएसएस में जाने की तारीख तय, 19 जून को लॉन्च होगा एएक्स-04 मिशन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एएक्स-04 मिशन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया था। हालांकि अब इस मिशन को लेकर अच्छी खबर सामने आई है। इसरो ने एएक्स-04 मिशन के तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर ली है। शुभांशु शुक्ला 19 जून 2025 को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) के लिए रवाना होंगे। एएक्स-04 मिशन को नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा। यह मिशन SpaceX, इसरो और Axiom Space का संयुक्त मिशन है। मिशन लॉन्च होने के साथ ही शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में जाने वाले चुनिंदा भारतीयों की फेहरिस्त में शामिल हो जाएंगे।

फाल्कॉन 9 रॉकेट में हुई थी लिक्विड ऑक्सीजन लीकेज

बता दें कि यह मिशन पहले ही लॉन्च होने वाला था। हालांकि फाल्कॉन 9 रॉकेट में लिक्विड ऑक्सीजन लीकेज की समस्या देखने को मिली थी, जिसके बाद मिशन को पोस्टपोन कर दिया गया था। हालांकि मिशन की अगली तारीख की घोषणा नहीं हुई थी। वहीं, अब इसरो ने साफ कर दिया है कि शुभांशु शुक्ला 19 जून को अंतरिक्ष में जाएंगे। स्पेसएक्स के इंजीनियरों ने फाल्कॉन 9 रॉकेट में ऑक्सीजन लीकेज को ठीक कर दिया है। इसरो, स्पेस एक्स और Axiom स्पेस की बैठक में तकनीकि पहलुओं की समीक्षा के बाद इस मिशन को लॉन्च करने के लिए 19 जून की तारीख निर्धारित की गई है।

नासा के साथ शोध में लेंगे हिस्सा

यह मिशन भारत के लिए भी बेहद खास होगा। इस मिशन के दौरान शुभांशु शुक्ला नासा के साथ संयुक्त शोध में हिस्सा लेंगे। साथ ही वो भारत के द्वारा डिजाइन किए गए 7 वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे। शुभांशु शुक्ला की यह उड़ान भारत के गगनयान मिशन में बेहद मददगार साबित हो सकती है।

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार से अधिकृत व निर्देशित होकर तथा बतलाये गये तथ्यों के आधार पर निम्नानुसार आम सूचना प्रकाशित करवा रहा हूँ:-
यह कि मेरे पक्षकार श्रीमती शिखा छाबड़िया निवासी पंचशील नगर, सिविल लाईन्स, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर-492001 कि, माता श्रीमती रीना छाबड़िया एवं बहनें श्वेता छाबड़िया एवं शालिनी छाबड़िया के द्वारा मेरे पक्षकार के नाम का उपयोग कर एवं मेरे पक्षकार द्वारा अधिकृत होना बताकर भिन्न प्रकार के कार्य अनेको लोगों, कोर्ट एवं अन्य जगहों पर प्रदर्शित किया जा रहा है। यह कि उक्त के अतिरिक्त मेरे पक्षकार की बहन शालिनी छाबड़िया के द्वारा मेरे पक्षकार के हस्ताक्षर का उपयोग कर मेरे पक्षकार का नाम की संपत्ति एवं मेरे पक्षकार से जुड़े कई कार्यों में मेरे पक्षकार हस्ताक्षर का गलत उपयोग करते हुए कूटरचित दस्तावेज निष्पादित किया जा रहा है। यह कि उक्त जालसाजी एवं कूटरचित दस्तावेज एवं मेरे पक्षकार की मां एवं बहनों के द्वारा मेरे पक्षकार द्वारा अधिकृत होना बताकर भिन्न जगहों पर किये जाने वाले कृत्य के खिलाफ मेरे पक्षकार के द्वारा उचित शिकायत दर्ज करा दी गई है।
यह कि सर्व साधारण को सूचित एवं आगाह किया जाता है कि यदि किसी भी प्रकार से मेरे पक्षकार की माँ या बहने मेरे पक्षकार के नाम या हस्ताक्षर का उपयोग कर किसी भी सर्व साधारण को भ्रमित करने का प्रयास करती है तो कृपया सावधान व सतर्क रहे। मेरे पक्षकार द्वारा किसी भी तरीके से अपनी माता या बहनों को किसी भी कार्य हेतु मेरे पक्षकार द्वारा अधिकृत नहीं किया गया है।
सो सूचना जाने।
स्थान-रायपुर
दिनांक-14.06.2025
मृणाल अग्रवाल
अधिकृत अधिवक्ता
मो.नं. 8959717777

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

निविदा क्रमांक: CPM/EL/BSP/BSP-TLD/25-26/05, (खुली निविदा) (टू पैकेट सिस्टम)
कार्य : एस.ई.सी.आर. के रायपुर डिवीजन के बिलासपुर- तिल्दा खंड (बिलासपुर यार्ड सहित) के बीच मौजूदा 1x25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम को 2x25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम में अपग्रेड करने के लिए डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग (74 आरकेएम / 227 टीकेएम)"
निविदा मूल्य : रु. 82,25,49,995/- (बयासी करोड़ पच्चीस लाख उनचास हज़ार नौ सौ पंचानवे रुपए) **अमानत राशि:** रु.42,62,800/- **कार्य पूरा होने की अवधि:** 18 (अठारह) माह । **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक :** 27.06.2025 को 15:00 बजे **निविदा खोलने का समय एवं दिनांक :** 27.06.2025 को 15:30 बजे
विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज का पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य परियोजना प्रबंधक (विद्युत) दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के कार्यालय, पुराना कंस्ट्रक्शन भवन, महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कार्यालय के बगल, बिलासपुर पिन : 495004 में संपर्क करे अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर / देख सकते हैं ।
उप मु.वि.इंजी./परियोजना
कृते मुख्य परियोजना प्रबंधक (विद्युत)
सीपीआर/10/AM/96 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

पूर्व तट रेलवे
निविदा सूचना सं. WAT-TRD-83-24-2025,
दिनांक : 10.06.2025
स्थान सहित कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के KR लाइन में टनल के अंदर कैंटिलीवर के लिए अतिरिक्त स्टब्स का प्रावधान।
निविदा मूल्य (रुपये में) : 2,42,14,793/-, EMD (रुपये में): 2,71,100/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 10 महीने।
निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक : 02.07.2025 को 1500 बजे।
निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।
वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (TRD), वाल्टियर
PR-235/Q/25-26

डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान
DR. SHYAMA PRASAD MUKHERJEE INTERNATIONAL INSTITUTE OF INFORMATION TECHNOLOGY, NAYA RAIPUR
(A Joint Initiative of NTPC & Govt. of Chhattisgarh)
Sector-24, Nava Raipur, Atal Nagar - 493661 (Chhattisgarh)
B.Tech. and M.Tech Admissions 2025
IIIT Naya Raipur invites applications for admission to its following programs:
- **B. Tech.** (Computer Science & Engineering)
- **B. Tech.** (Electronics & Communication Engineering)
- **B. Tech.** (Data Science & Artificial Intelligence)
- **M. Tech.** (Computer Science and Engineering) Specialisations: (a) Data Science and Artificial Intelligence (b) Information Security
- **M. Tech.** (Electronics and Communication Engineering) Specialisations: (a) Communication and Signal Processing (b) VLSI and Embedded System

under **Chhattisgarh and NTPC Quota.** The last date to submit the online applications is on **3rd July 2025 (B.Tech)** and **08th July 2025** (M.Tech). Please visit https://www.iiitnr.ac.in/content/b-tech-admission-2025 (for B.Tech admissions) and https://www.iiitnr.ac.in/content/mtech-admission-2025 (for M.Tech admissions) or contact 0771-2474182 for details.

कार्यालय, नगर पालिका परिषद जामुल, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
मैनुअल पद्धति निविदा सूचना
क्र./254/न.पा.प./2025 जामुल, दिनांक 13/06/2025
एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/मान्यता प्राप्त संस्था से पंजीकृत निर्माता से निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रूपये लाख में)	भरे हुए निविदा प्रपत्र निकाय को प्राप्त होने की अंतिम तिथि
1.	पार्षद निधि अंतर्गत निर्माण/संधारण कार्य (कुल 12 कार्य)	32.66	04/07/2025

1. उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी वेब पोर्टल www.uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।
जल ही जीवन है, जल व्यर्थ न बहाये।
करों का भुगतान कर नगर विकास में सहयोग प्रदान करें।
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद जामुल

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, रामगढ़
रामगढ़ थाना के सामने, गांधी चौक, रामगढ़ कैन्ट
जिला- रामगढ़, झारखण्ड- 829122
ई.मेल- eercdramgarh-jhr@nic.in
एस०बी०डी० आधारित अति-अल्पकालीन ई-निविदा सूचना
ई-निविदा प्रसंग संख्या :- RCD/RAMGARH/ 490 /2025-26
दिनांक :- 13.06.2025

1.	कार्य का नाम	IRQP Work of Nemra to Barlanga (Old Alignment) Road (Total Length-5.50 KM) Under Road Divison, Ramgarh for the of Year 2025-26
2.	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	रुपये 4,15,00,000.00 (चार करोड़ पन्द्रह लाख) मात्र
3.	कार्य समाप्ति की अवधि	04(चार) माह
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशित होने की तिथि एवं समय	19/06/2025 03:00 बजे अपराह्न
5.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	25/06/2025 12:00 बजे दिन तक
6.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, रामगढ़
7.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क नंबर	98351-25637
8.	ई-प्रोक्योरमेट सेल का हेल्प लाईन नंबर	0651-2403007

➢ निविदा की अन्य शर्ते वेबसाइट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखी जा सकती है।
➢ पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड में निबंधित निविदाकारों को UCAN से संबंधित प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
➢ निविदा की राशि घट-बढ़ सकती है।
➢ Cost of bidding document (Non-refundable fee) & Bid Security as indicated shall be payable online through http://jharkhandtenders.gov.in.
PR 355050 Road (25-26)_D
कार्यपालक अभियंता
प०नि०वि० पथ प्रमण्डल रामगढ़

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विभिन्न अभियांत्रिकी कार्यों के लिए ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उन की ओर से वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:
1. निविदा क्र.: सी/11/एनजीपी/2025-2026 **कार्य:**ADEN/TR/NGP के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत स्टील वॉटर टैंक के स्थान पर इतवारी के दक्षिण दिशा पी/हाउस में 2,25,000 लीटर क्षमता के RCC ओवरहेड टैंक का प्रावधान। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 1,20,68,067/- **बयाना राशि:** ₹ 2,10,400/-
2. निविदा क्र: सी/12/एनजीपी/2025-2026 **कार्य का नाम: (1)** ADEN/तुमसर रोड के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत तुमसर रेलवे कॉलोनी में नए RCC ओवरहेड वॉटर स्टोरेज टैंक का निर्माण। **(2)** ADEN/तुमसर रोड के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत गोबरवाही रेलवे स्टेशन परिसर में MS वॉटर टैंक के बदले RCC ओवरहेड टैंक का प्रावधान। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 1,71,05,112/- **बयाना राशि:** ₹ 2,35,500/-
3. निविदा क्र.: सी/13/एनजीपी/2025-2026 **कार्य का नाम: (1)** CHCR प्लेटफार्म संख्या 03 से 04 को जोड़ FOB का विस्तार। **(2)** ADEN/ट्रैक/नागपुर के अधिकार क्षेत्र अंतर्गत चाचेर स्टेशन पर 01 टाइप IV स्टाफ क्वार्टर का निर्माण। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 2,82,01,882/- **बयाना राशि:** ₹ 2,91,800/-
4. निविदा क्र.: ई/11/एनजीपी/2025-2026 **कार्य का नाम:** ADEN / गोंदिया के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बरसात के मौसम के दौरान संवेदनशील LHS 485, 504, 507, 510, 514 व 517 में पंपिंग व्यवस्था द्वारा जल निकासी। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 16,15,360/- **बयाना राशि:** ₹ 32,300/-
5. निविदा क्र.: ई/12/एनजीपी/2025-2026 **कार्य का नाम:** ADEN/डोंगरगढ़ (DGG) के अधिकार क्षेत्र अंतर्गत बरसात के मौसम दौरान संवेदनशील LHS 456, 457, 458, 470, 471 और 474 में पंपिंग व्यवस्था द्वारा जल निकासी। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 12,88,240/- **बयाना राशि:** ₹ 25,800/-
6. निविदा क्र.: एस/03/एनजीपी/2025-2026 **कार्य का नाम:** ADEN / वर्क्स / एनजीपी के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत नागपुर मंडल के NGRM/MIB के हेरिटेज भवन का निर्माण / सुधार। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 1,22,48,458/- **बयाना राशि:** ₹ 2,11,300/-
उपरोक्त निविदाओं के लिए बोलीदाता अपनी मूल / संशोधित बोलियां दिनांक **04.07.2025** के **15:00** बजे तक जमा कर सकते है।
इन निविदाओं के अंतर्गत मैन्युअल ऑफर्स की अनुमति नहीं है और प्राप्त सभी मैन्युअल ऑफर्स को अस्वीकार कर दिया जाएगा।
अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।
वरिष्ठ मंडल अभियंता (मध्य), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर
PC/09-42
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

GOVERNMENT OF JHARKHAND
WATER RESOURCES DEPARTMENT.
LOCAL/NATIONAL COMPETITIVE BIDDING.
NIT NO :- Short Re e-Tender No.
WRD/MID/BOKARO/SBD-02/2025-26 (5th call)
Date :13.06.2025

Name of the work	Renovation of Ambagarha Wear Scheme and Mirgikoh Irrigation Drain in Vill- Gundligarha, Panchayat Koh, under Block- Petarwar, Bokaro.
Estimated Cost (Rs.)	Rs. 27732018.00 (Two Crore SeventySeven lakh Thirty two Thousand Eighteen only)
Time of Completion	11 Month (335 Days)
Earnest Money (Through Online Mode)	Rs. 277500.00 (Two lakh Seventyseven Thousand five hundred only)
Tender Fee (Through Online Mode)	Rs. 10000.00 (Ten Thousand only) (Non- Refundable)
Period of availability of Bidding document on website.	23.06.2025 at. 02:00 PM to 02.07.2025 at. 02:00 PM
Time and Date of Pre-bid Conference. (Physical as well as On-line)	20.06.2025 at 01:00 PM at O/o The Chief Engineer Minor Irrigation, Ranchi, (Abhiyantran Bhawan)
Period of online submission of Bids	From 23.06.2025 at. 02:00 PM to 02.07.2025 at. 02:00 PM
Date and Time of Opening Pre-Qualification Bid	03.07.2025 at. 03:00 PM
Date and Time of Opening of Technical Bids	To be announced after Pre-Qualification Bid
Date and Time of Opening of Financial Bids	To be announced after Technical Bid
Place of Opening of Bids	E-Procurement cell O/o Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Bokaro, Camp – II, Qr. No- D/1, B. S. City, Bokaro, Jharkhand, Pin no-827001
Officer Inviting Bids and his Mobile no. and E-mail id	Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Bokaro.Mob No. 9773661712 E-Mail Id – eemibkr@gmail.com
Help line Number of e-Procurment	9431510092

Note :- (1) Only e-Tenders will be accepted. Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in
(2) Estimated cost liable to change.
PR 355032 Minor Irrigation(25-26).D
Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Bokaro

राशिफल

मेष – मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता-पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष – स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन – मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कर्क – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

कन्या – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

तुला – मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृश्चिक – आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

धनु – आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

मकर – वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कुंभ – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

मीन – परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

शब्द पहेली - 5898

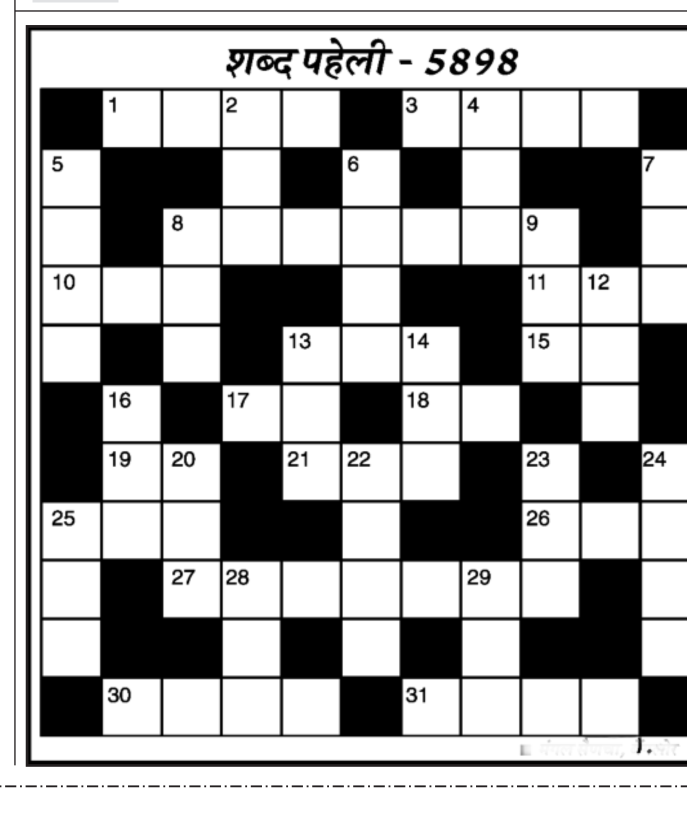

बाएँसेदाए±
1. बादलों की गड़गड़ाहट-4
3. नीरस, रस विहीन-4
8. नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10. कंठस्थ करना-3
11. जुड़वा-3
13. उक्ति,काव्य कृति-3
15. आने वाला दिन-2
17. पर,पराया,दूसरा-2
18. हाथ-2
19. कविता लिखने वाल-2
21. बजाने वाला-3
25. कक्ष,रूम-3
26. ठिकाना,नीड़-3
27. हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30. अभिप्राय-4
31. आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे
2. तरुणाई,लड़कपन-3
4. सहायता,आधार-3
5. बीताना,यापन करना-4
6. दिखावा,पाखंड-4
7. जरुरत,स्वार्थ-3
8. राजी करना-3
9. योग्य-3
12. मसलना-3
13. इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14. सुगंध,लास-3
16. रोकड़ राशि-3
20. रुकना, स्थिर होना-3
22. विजय दशमी -4
23. भोर,सवेरा-3
24. सना हुआ,तर-4
25. छल,धोखा-3
28. अनुकृति-3
29. श्रंगार -3

शब्द पहेली - 5897 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क	■	का	रा	वा	स
ज	ल	■	र	■	म	छ	ली	■	र	मा
र	■	अ	दा	का	र	■	न	र	■	धा
अ	र	मा	न	■	बं	द	■	ज	मी	न
म	■	न	■	म	द	म	स्त	■	रा	■
र	ज	त	प	ट	■	क	र	म	ज	ला
■	प	■	ट	क	रा	ना	■	स	■	ल
मु	ना	दी	■	ना	ग	■	द	ल	ह	न
ला	■	प	री	■	गा	ड़ी	वा	न	■	पा
का	का	■	त	न	य	■	घ	■	न	ल
त	र	सा	ना	■	न	ग	र	भ	व	न

सूडोकु नवताल - 5908

★★★★☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5907 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

सिद्धू की शायरी, कपिल के पंच और नेटफ्लिक्स का स्टेज कॉमेडी के राजा फिर लौटे

मुंबई। तैयार हो जाइए- क्योंकि "ठोको ताली" की गूंज फिर से लौट आई है, और साथ ही लौट आए हैं नवजोत सिंह सिद्धू! द ग्रेट इंडियन कपिल शो का तीसरा सीज़न 21 जून से नेटफ़्लिक्स पर शुरू हो रहा है, और इस बार एक ऐसा ट्विस्ट है जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी। हंसी के असली बादशाह फिर से अपने तख्त पर लौट आए हैं, हंसी की रानी अर्चना पूरन सिंह के साथ! हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा। अब ये बना है डबल-जज कॉमेडी कोर्ट, और फैसला एकदम साफ है- डबल हंसी, डबल धमाल और यकीनन डबल ताली। नेटफ़्लिक्स और कपिल ने इस महीने की शुरुआत में वादा किया था कि 'हर फनीवार बढ़ेगा हमारा परिवार', और इस वादे को निभाते हुए, कॉमेडी परिवार को और बड़ा बना दिया गया है, क्योंकि अब सिद्धू पाजी भी इस परिवार का हिस्सा हैं। और सिर्फ इतना ही नहीं, इस बार फैंस सिर्फ ऑडियंस में नहीं रहेंगे, बल्कि स्टेज पर भी नजर आएंगे! सुपरफैन्स को मिलेगा मौका स्पॉटलाइट में आने का। कपिल शर्मा के साथ एक ही मंच पर मस्ती करने का और साथ ही सिद्धू की मशहूर शायरी, गूंजती हंसी और अर्चना जी के साथ मजेदार नोक-झोंक का भरपूर मज़ा मिलेगा जो शो की जान बन जाएगी। सिद्धू पाजी की इस आइकॉनिक वापसी के बारे में बात करते हुए कपिल शर्मा ने कहा, 'हमने वादा किया था कि 'हर फनीवार बढ़ेगा हमारा परिवार', और मैं बेहद खुश हूं कि सिद्धू पाजी अब हमारे साथ हैं।

कश्मीरी पंडित का किरदार निभाना जिम्मेदारी थी...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता दर्शन कुमार का कहना है कि दि कश्मीर फाइल्स के बाद दि बंगाल फाइल्स में फिर से एक कश्मीरी पंडित का किरदार निभाना सिर्फ एक रोल नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी थी। दि कश्मीर फाइल्स की जबरदस्त कामयाबी के तीन साल बाद दर्शन कुमार एक और दमदार कहानी के साथ बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं। यह फिल्म है दि बंगाल फाइल्स (पहले इसका नाम दि दिल्ली फाइल्स था), जिसे विवेक अग्निहोत्री ने निर्देशित किया है। दि बंगाल फाइल्स में अनुपम खेर, मिथुन

चक्रवर्ती, पुनीत इस्सर और पल्लवी जोशी जैसे कलाकार भी हैं। इसमें दर्शन कुमार एक बार फिर से एक कश्मीरी पंडित का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म के टीजर को मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया के बारे में बात करते हुए, दर्शन ने बताया कि मैं दि बंगाल फाइल्स के टीजर को लेकर बहुत एक्साइटेड और थोड़ा नर्वस भी हूं। दि कश्मीर फाइल्स के बाद फिर से एक कश्मीरी पंडित का किरदार निभाना सिर्फ एक रोल नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी थी। दर्शन कुमार ने कहा, एक बार फिर से अनुपम खेर जी, पल्लवी जोशी जी, मिथुन दा, पुनीत इस्सर, हमारे निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री सर और हमारे निर्माता अभिषेक अग्रवाल के साथ काम करना सचमुच कमाल का है। दि कश्मीर फाइल्स के बाद, ऐसे महान कलाकारों के साथ एक फिल्म का हिस्सा बनना किसी वरदान जैसा लगता है।

homefirst We'll take you home

Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703,
Website: homefirstindia.com Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

परिशिष्ट-IV-A [नियम 8 (6) का प्रावधान देखें]

अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के प्रावधान के सह पठित के अंतर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना

आम जनता को तथा विशेष रूप से ऋणी (ओं) और सह-ऋणी (ओं) को स्तंभ (ii) के अनुसार सूचित किया जाता है कि स्तंभ (iii) के अनुसार नीचे वर्णित अचल संपत्तियां सुरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/प्रभारित हैं, जिनका भौतिक कब्जा होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा इसके बकाया तथा ब्याज की वसूली के लिए लिया गया है, जैसा कि नीचे विस्तृत रूप से बताया गया है तथा बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहने के परिणामस्वरूप, धारा 12 के तहत प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए नीचे हस्ताक्षरकर्ता उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत उक्त संपत्ति/संपत्तियों की बिक्री से बकाया राशि वसूलने का प्रस्ताव है और इसे "जहां है, जैसा है", "जो है, जैसा है" और "जो कुछ भी है" के आधार पर बेचा जाएगा, जैसा कि नीचे वर्णित है। होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को देय कॉलम (i) के अनुसार उधारकर्ता (ओं) और सह-उधारकर्ताओं (ओं) से देय राशि की वसूली के लिए नीलामी "ऑन लाइन" आयोजित की जाएगी।

क्र. सं.	ऋणधारक (ओं) एवं सह ऋणधारक (ओं) के नाम	संपत्ति का पता	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना की राशि	कब्जा की तिथि	बाजार मूल्य	ईएमडी राशि	नीलामी की तिथि व समय	ईएमडी व दस्तावेजों के प्रस्तुति की तिथि एवं समय	प्राधिकृत अधिकारी का नंबर
1.	प्रमोद गजभिये, मेघा गजभिये	प्लॉट सर्वे नंबर 16 ग्राम भिलाई, न्यू खुर्शीपार आवासीय वैश्य व्यस्थापन योजना, न्यू खुर्शीपार राधाकृष्ण मंदिर वार्ड, वार्ड नंबर-32, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग छत्तीसगढ़, 490023 चौहद्दी: उत्तर-एस.एस. विश्वनाथ का मकान, दक्षिण-माणिकराव का मकान, पूर्व-चरणजीत सिंह का मकान, पश्चिम-20 फीट सड़क	03-08-2024	2,714,334	24-03-2025	2,705,571	270,557	30-06-2025 (11 am-2pm)	28-06-2025 (up to 5pm)	7008279115

ई-नीलामी सेवा प्रदाता	ई-नीलामी वेबसाइट/ विवरण, अन्य नियम एवं शर्तों हेतु	खाता संख्या: ईमडी/अन्य राशि जमा करने हेतु	शाखा आईएफएससी कोड	लाभार्थी का नाम
कंपनी का नाम : ई-प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीस लि. (आक्शन टाईगर) हेल्प लाईन नंबर : 079-35022160/149/182 संपर्क व्यक्ति : राम शर्मा-8000023297 e-Mail id : ramprasad@auctiontiger.net and support@auctiontiger.net.	http://www.homefirstindia.com https://homefirst.auctiontiger.net	912020036268117 होम फर्स्ट फायनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड एक्सिस बैंक लि. एमआईडीसी, अंधेरी पूर्व	UTIB0000395	अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फायनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

बोली वृद्धि राशि - रु. 10,000/- । बिक्री वेब पोर्टल (https://homefirst.auctiontiger.net) पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से नीचे हस्ताक्षरकर्ता द्वारा की जाएगी। ई-नीलामी निविदा दस्तावेज जिसमें ऑनलाइन ई-नीलामी बोली फॉर्म, घोषणा, ऑनलाइन नीलामी बिक्री के सामान्य नियम और शर्तें शामिल हैं, पोर्टल साइट पर उपलब्ध हैं। प्राधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान और जानकारी के अनुसार, संपत्तियों पर कोई भार नहीं है। हालांकि, इच्छुक बोलीदाताओं को अपनी बोली जमा करने से पहले भार, नीलामी में रखी गई संपत्ति/संपत्तियों के शीर्षक और संपत्ति को प्रभावित करने वाले दावों/अधिकारों/बकाया के बारे में अपनी स्वतंत्र जांच करनी चाहिए। ई-नीलामी विज्ञापन होम फर्स्ट की किसी भी प्रतिबद्धता या किसी भी प्रतिनिधित्व का गठन नहीं करता है और न ही इसे माना जाएगा। संपत्ति को सभी मौजूदा और भविष्य के भारों के साथ बेचा जा रहा है बिक्री वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत निर्धारित नियमों/शर्तों के अधीन होगी। **किसी प्रकार की अस्पष्टता के मामले में नोटिस का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जायेगा।**

सरफेसी अधिनियम, 2002 के अंतर्गत वैधानिक 15 दिन की बिक्री सूचना

ऋणधारक/जमानतदार को ई-नीलामी की तिथि से पहले मांग सूचना में उल्लिखित राशि के साथ-साथ वर्तमान ब्याज और सहायक व्यय का भुगतान करने के लिए अधिसूचित किया जाता है, अन्यथा संपत्ति की नीलामी/बिक्री की जाएगी और बकाया राशि, यदि कोई हो, ब्याज और लागत के साथ वसूल की जाएगी।

दिनांक: 15-06-2025 स्थान: भिलाई

द्वारा हस्ताक्षरित, प्राधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी

Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

एजूकेशन स्पेशल

आवश्यकता है- राखी दुकान में काम करने हेतु लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है। पता- गोपी राखी रहमनिया चौक रवि भवन के पीछे। रायपुर (छ ग) **संपर्क- 7024636503, 9827180503.**(RO-6897)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु लड़के चाहिए, कंप्यूटर ऑपरेटर (टैली)-(अनुभव 1 साल), काउंटर सेल्समैन, कार्य समय 11 AM to 9 PM **राधा इंटरप्राइजेस, स्टेशन रोड, रायपुर, 9425504853.**(RO-370)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है। सैलरी 5,000 से 20,000 कमाने का अवसर **पता- खम्हारडीह पुलिस स्टेशन के पास न्यू सेल्स टैक्स कॉलोनी रायपुर संपर्क करें- 9343467254, 7470490884.**(RO-6899)

इंजीनियर/मैनेजर

आवश्यकता है- भवन निर्माण कार्य हेतु फ्रेशर एवं अनुभवी सिविल इंजीनियर, सिविल ऑफिस मैनेजर, सुपरवाइजर, स्टोर कीपर, ड्राइवर एवं चौकीदार की आवश्यकता है। **संपर्क मुकुट नगर पानी टंकी के पीछे, लाखे नगर रायपुर। मो. 7999496025.**(RO-404)

ऑफिस बॉय/सफाई कर्मी

आवश्यकता है- शंकर नगर ऑफिस में ऑफिस बॉय एवं गर्ल की आवश्यकता है, जो ऑफिस की साफ-सफाई व अन्य कार्यों में सहायता करें। **इच्छुक एवं योग्य व्यक्ति संपर्क करें। मोबाइल: 9300532000.**(RO-353)

पैकेजिंग/ डिलवरी कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य, माल पैकेजिंग, डिलवरी कार्य हेतु 10वी, 12वी पास युवकों की आवश्यकता वेतन योग्यतानुसार **मिलेः- डुको आर्ट शादीजा कंपाउंड LIG-64, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास अवंति विहार रायपुर 99932-40022.**(RO-109)

हरिभूमि क्लासीफाईड

ड्रायवर/गार्ड

आवश्यकता है- स्कूल बस चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर (हैवी लाइसेंस) और लेडी कंडक्टर एवम सुरक्षा गार्ड की शीघ्र आवश्यकता है। **शिवोम विद्यापीठ, सांकरा, मो.- 9109126445.** (RO-05)

ऑपरेटर/सेल्समैन

आवश्यकता है- सत्यम बेकरी दुर्ग भिलाई में कार्य हेतु कंप्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन, सॉफ्टवेयर इंजीनियर गर्ल्स/ बॉय की आवश्यकता है। **संपर्क - 7000198701.** (आरो नं.-1598)

आया/सफाई कर्मी

आवश्यकता है- क्लैमेन्ट इंटरनेशनल स्कूल न्यू पुरैना, राजेन्द्र पार्क महावीर नगर रायपुर छःग. मे आया/ नैनी (स्कूल में छोटे बच्चों की देखरेख, भोजन कराने एवं सफाई के कार्य हेतु अनुभव को प्राथमिकता दी जाऐगी) **प्रबंधक 9021058332.** (RO-6895)

सेल्समैन/हेल्पर

आवश्यकता है- अनुभवी सेल्समैन हेल्पर और कैशियर की आवश्यकता है 1 **संपर्क करें - समृद्धि लेडीज फेब्रिक स्टोर शॉप नंबर 163, 164 गेट नं. 2 महालक्ष्मी मार्केट पंडरी रयपुर मो. 9111125609, 9685039844.**(RO-6896)

कुक/घरेलु कार्य

आवश्यकता है- न्यू गीतांजलि नगर, रायपुर (बी टी आई के पास) में खाना बनाने और घर के काम के लिए महिला की आवश्यकता है। **संपर्क - 9752530608.** (RO-126)

इंजीनियर/ठेकेदार

आवश्यकता है- अहिवारा स्थित फेब्रिकेशन प्लांट के लिए मैकेनिकल प्रोडक्शन क्वालिटी इंजीनियर एवं कंप्यूटर जानकर ऑफिस स्टाफ अकाउंटेंट इलेक्ट्रीशियन और फैब्रिकेशन ठेकेदार की शीघ्र आवश्यकता है **संपर्क करे:-9827978677, 7206206623.** (आरो न.-770)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

टीचर

आवश्यकता है- साई शिक्षा पब्लिक इंग्लिश मीडियम स्कूल में नर्सरी से 8वी तक टीचर , वैन ड्रायवर और आया कि आवश्यकता है। **हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सेजबहार रायपुर 9406250678.**(RO-350)

ड्रायवर/हेल्पर

आवश्यकता है- पानी के प्लांट में काम के लिए (EV माल वाहक) गाड़ी (ड्राइवर सहित) मंथली (टारगेट बेस) पर गाड़ी चाहिए। टाटा एस गाड़ी के लिए ड्राइवर (9000), हेल्पर (7000) की आवश्यकता है। प्लांट में रहकर काम करने वाले को प्राथमिकता **पता- बोरियाकला रोड डूमरतराई रायपुर मो. नं.- 9329345651** (RO-6890)

पैकिंग/हेल्पर कार्य

आवश्यकता है- पैकिंग एंव हेल्पर कार्य हेतु लडको की आवश्यकता है, रहने की सुविधा उपलब्ध अशोक इंटरप्राइजेज **संपर्क:- राम नगर गुढियारी रायपुर एंव, उरला बिरगांव रायपुर। मों.-8770676924.**(RO-536)

अकाउन्टेंट/ऑपरेटर

आवश्यकता है- थोक कपड़े की दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी अकाउंटेंट, कंप्यूटर ऑपरेटर व ट्रांसपोर्टिंग का कार्य करने हेतु व्यक्ति की आवश्यकता है **संपर्क चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर 29 - 30 प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर 9425506658, 9424200658, 9425206658.**(RO-7257)

फील्ड/ऑफिस कार्य

आवश्यकता है-फिल्ड एवं ऑफिस कार्य हेतु युवक - युवतियां स्टाफ की आवश्यकता है **संपर्क करे- तालपुरी ब्लॉक B, 92 - C पारिजात तालपुरी अपार्टमेंट भिलाई, दुर्ग मो. - 97520-70689, 93994-47968.** (आरो न.-771)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

टेक्नीशियन/लेबर

आवश्यकता है- फील्ड वर्क के लिए (साउंड सिस्टम वीडियो स्क्रीन) टेक्नीशियन 12वीं पास फ्रेशर या अनुभवी एवं फील्ड वर्क लेबर लड़कों की आवश्यकता है। रहने की व्यवस्था दी जाएगी सैलरी पांच अंको में **संपर्क यश एल. ई. डी टेक्नोलॉजी प्रा. लि. कचना रायपुर मो. 9926791401 संपर्क समय 10 AM TO 5 PM**(RO-6898)

हमाली कार्य

आवश्यकता है- डुमरतराई रायपुर में टाटा ऐस में हमाली का कार्य करने के लिए एवं दुकान में काम करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। **संपर्क करें- 9098266667.**(RO-7220)

मार्केटिंग/मैकेनिक

आवश्यकता है- निम्नलिखित पदों पर अनुभवी युवको की आवश्यकता हैः 1. ऑटो पार्ट्स मार्केटिंग- 02 पद, योग्यता 12वीं पास या समकक्ष। 2. मोटर मैकेनिक- 02 पद, वेतन योग्यतानुसार, **संपर्क- 9981171273, 9425205273.**(RO-1649)

देखरेख

आवश्यकता है- रायपुर स्थित घर की देखरेख करने 24 घंटे रहने योग्य महिला/युवती चाहिए, रहना खाना फ्री+ **वेतन. 9993707000.**(RO-406)

रिसेप्शनिस्ट/टेलीकॉलर

आवश्यकता है- रायपुर ऑफिस के लिए रिसेप्शनिस्ट, टेलीकॉलर, फील्ड एग्जीक्यूटिव के लिए लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है. योग्यता दसवीं - स्नातक फ्रेशर भी कर सकते हैं. वेतन 8000 - 15, 000 **संपर्क- (INNOV8, भाटागांव)- 9522776520.** (RO-6894)

ऑफिस/चपरासी कार्य

आवश्यकता है- सुपेला स्थित CAफर्म में स्टाफ (जीएसटी के ज्ञान वाले) या CA/ICWA/ICMA स्टूडेंट की एवं आफिस काम के लिए चपरासी की आवश्यकता है। **संपर्क करें- 94060-12843** (आरो न.-772)

हरिभूमि

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ - 2025-2026 पूर्णतः निःशुल्क संस्कृत माध्यम , देववाणी प्राच्य संस्कृत विद्यालय, पहली से बारहवीं तक संस्कृत साहित्य, व्यवसायिक संस्कृत, आधुनिक समस्त विषय, समस्त बच्चों को सभी शासकीय सुविधाएं उपलब्ध **देववाणी प्राच्य संस्कृत विद्यालय रामनगर भिलाई मो. 74891-79859, 96919-67023.** (आरो न.-7184)

Medical चिकित्सा

कैम्प- Free dental checkup camp. FROM 13JUNE- 23 JUNE Morning 11am -3 pm. 50% discount on teeth cleaning and teeth removal Shri Shyam multi-speciality Dental Avenue. Ashoka plaza, 1st floor Ashoka ratna, Shankar Nagar, Raipur , Mob. No. **8435533000.**(RO-6983)

Property प्रापर्टी

कृषि भूमि

बेचना है-डबल रोड 01.50 एकड़ कृषि भूमि नवा रायपुर, केन्द्री में। नहर रोड व धरसा रोड पर 150' एवं 400' फ्रंट @ 85 लाख/एकड़। लेवाल ही **संपर्क करें - 7987504355, 7477202779.** (RO-6893)

वाहन

स्कूल वाहन उपलब्ध है - मारुति वैन और इको उपलब्ध है। स्कूली बच्चों को ले जाने ले आने हेतु , स्कूल- (होली क्रॉस बैरन बाजार), (पुलिस पब्लिक स्कूल) A. P. S **ग्राउंड शैलेंद्र नगर राजकुमार कॉलेज संपर्क करें- 9893079294 उमेश साहू** (RO-6886)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

For Rent किराया

किराये से चाहिए - 3BHK का independent मकान जो कि पूरा ग्राउंड फ्लोर पर हो छोटी फैमिली के लिए किराए पर चाहिए । अमलीडीह, भाटागांव, रायपुरा,राजेंद्रनगर, रायपुर में । **संपर्क -गगनदीप सिंह 7340767778.** (RO-124)

Business व्यापार

व्यापार- जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित **संपर्कः- APS इंटरप्राइजेस, रायपुर- 9111760925, 9977676447, बिलासपुर - 8359913999, 9589288936, रायगढ़, अंबिकापुर कोरबा- 9826020603.** (RO-080)

वैवाहिकी वधु चाहिए

वधु चाहिए
33 वर्षीय प्राइवेट जॉब बंगाली ब्राह्मण लड़के के लिए बंगाली ब्राह्मण या कायस्थ परिवार की सुन्दर सुशील शिक्षित वधु चाहिए।
सम्पूर्ण बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- **9399715688**

वधु चाहिए- गुजराती 44/ 5'11", स्वयं का व्यवसाय इनकम 40,000 मासिक, युवक हेतु , उच्चजाति बंधन नहीं संपर्कः 98271-14645, 91311-39179 (मैरिज ब्यूरो छमा) (406)

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षा गार्ड वेतन 14000/- सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- (आवास फ्री PF +ESIC) **संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक, सिलतरा, रायपुर, छत्तीसगढ. 7747000019, 7746000016, 7747000016, 7746000019.** (RO-074)

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- कन्हेरा स्थित पेट्रोल पंप पर कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति - आवेदन Bio-data एवं समस्त दस्तावेज सहित सम्पर्क करे। **डागा पेट्रोल पंप, कन्हेरा, 94242-25533.** (RO-06)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता है- मे. शारदा प्रसाद साव (बी.पी.सी. एल.) पेट्रोल पंप रानी अवंती बाई चौक कोहका भिलाई में पेट्रोल डालने के लिए लड़कों की आवश्यकता है **संपर्क करें:- 9926123539, 9074372514, 7692888808.**(आरो नं.-7187)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान मे कार्य हेतु लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार - **आशीष शुभम मेडिकोज ,41 छत्तीसगढ़ दवा बाज़ार ,राजबंधा मैदान ,रायपुर फोन 8103981038.**(RO-124)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार **संपर्कः- खेतान इंटरप्राइजेस, खेतान गेराज बिल्डिंग, वीडियो वर्ल्ड के पास, मौदहापारा रायपुर**(RO-21)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare

समस्या का स्थाई समाधान केवल आयुर्वेद में

- क्या आप को किसी प्रकार के वायरल या संक्रमण जन्य रोग हैं हेपाटाइटिस (ABC) या हर्पिस रोग स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी, छाले, चमड़ी का फटना खुजली, लाल होना, रुबेला, या सिफलिस, गोनोरिया (सूजाक), HIV (AIDS) एड्स रोग हैं।
- समस्त प्रकार के लाईलाज चमड़ी रोग सोरायसिस सिर एवं शरीर से ताँबे रंग के छिलके, रूसी, जोड़ों में दर्द, उँगलियो का टेढ़ा होना, नाखूनों का सड़ना।
- समस्त प्रकार के यौन समस्या, यौन कमजोरी एवं यौन रोग **ध्यान रहें** पुरुष के प्रकृति जन्य (लिंग) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई भी उपाय नहीं हैं। नीम हकिमो से सावधान!

सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल (फार्मा साईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे दुर्ग
मोबाईल नं.- 9425555659
9617789223, 9303242200

नई दिल्ली। परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान और इजरायल के बीच तनाव बढ़ गया है। इजरायल ने शुक्रवार को तेहरान पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए, जिसमें ईरान की टॉप सैन्य लीडरशिप सहित कई साइंटिस्ट की जान चली गई। इस घातक हमले के बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल पर मिसाइल दागे हैं। शुक्रवार रात ईरान ने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के जवाब में अपना सैन्य अभियान 'ट्रू प्रॉमिस 3' शुरू किया। इस ऑपरेशन के तहत ईरान ने इज़रायल पर 150 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें से 6 मिसाइलें राजधानी तेल अवीव में गिरीं, जिससे एक महिला की मौत हो गई और 63 लोग घायल हो गए और बड़ी संख्या में रिहायशी इलाकों को नुकसान भी पहुंचा है। इजराइली आयरन डोम वायु रक्षा प्रणाली ने तेल अवीव, इजराइल के ऊपर मिसाइलों को रोकने के लिए बड़ी संख्या में फायरिंग की।

'राइजिंग लायन' बनाम 'ट्रू प्रॉमिस 3'

इजराइल और ईरान के बीच चल रहा युद्ध

दोनों देश एक-दूसरे को पहुंचा रहे जमकर नुकसान

एक्शन में इजराइल का आयरन डोम।

अटैक के बाद तेल अवीव की एक बिल्डिंग

तेल अवीव में अफरा तफरी

खबर संक्षेप

पहलगाम अटैक के शहीद आदिल की पत्नी को मिली नौकरी

श्रीनगर। जम्मू एवं कश्मीर सरकार ने स्थानीय टट्टू चालक सैयद आदिल हुसैन शाह की पत्नी को शनिवार को सरकारी नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र दिया। आदिल शाह 22 अप्रैल को पहलगाम हमले में आतंकवादियों से लड़ते हुए शहीद हो गए थे। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सैयद आदिल हुसैन शाह की पत्नी गुलनाज अख्तर को अनंतनाग जिले के पहलगाम के हापतनार इलाके में उनके घर पर नियुक्ति पत्र सौंपा। आदिल शाह के परिवार के सदस्यों और कुछ स्थानीय लोगों से बातचीत करने के बाद सिन्हा ने संवाददाताओं से कहा कि अख्तर को सरकारी नौकरी देना उनके पति की वीरता के प्रति प्रशासन की कृतज्ञता का प्रतीक है। मनोज सिन्हा ने कहा कि गुलनाज अख्तर को अनंतनाग में मत्स्य पालन विभाग में स्थायी नौकरी दी गई है। यह प्रशासन की ओर से आभार का प्रतीक है। हमने परिवार और गांव के लोगों से बात की है, जो क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाना चाहते हैं। हम आने वाले दिनों में इसका ध्यान रखेंगे।

दुर्घटनाग्रस्त हुआ बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर लंदन गैटविक के लिए भर रहा था उड़ान

अहमदाबाद हादसे के बाद लिया फैसला

अब फ्लाइट नंबर '171' का कभी इस्तेमाल नहीं करेगी एयर इंडिया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एयर इंडिया के विमान की गुरुवार को घातक दुर्घटना के बाद एयर इंडिया और एयर इंडिया (एआई) एक्सप्रेस फ्लाइट नंबर '171' का इस्तेमाल नहीं करेंगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस हादसे में विमान में सवार 242 में से 241 लोग मारे गए थे।

उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हुआ बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान अहमदाबाद से लंदन गैटविक के लिए उड़ान भर रहा था और उसका फ्लाइट नंबर 'एआई 171' था। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि यह एक आम चलन है कि घातक उड़ान दुर्घटनाओं के बाद

एयरलाइंस विशेष फ्लाइट नंबर का उपयोग करना बंद कर देती हैं। अब 17 जून से अहमदाबाद-लंदन गैटविक की फ्लाइट नंबर 'एआई 171' के बजाय 'एआई 159' होगी। बुकिंग प्रणाली में आवश्यक बदलाव शुक्रवार को कर दिए गए। यह भी बताया गया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी अपनी उड़ान संख्या 'आईएक्स 171' को बंद करने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि फ्लाइट नंबर '171' को बंद करना दिवंगत आत्माओं के प्रति सम्मान का प्रतीक है। इससे पहले 2020 में, एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कोझीकोड में दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान की उड़ान संख्या का उपयोग करना भी बंद कर दिया था।

सीट 11 ए... दो विमान हादसे, दो यात्रियों को मिला 'जीवनदान'!

हालिया विमान हादसे में जिंदा बचने वाला एकमात्र शख्स भारतीय मूल का ब्रिटिश नागरिक विश्वास कुमार रमेश था, जो कि सीट 11ए पर बैठा था। इसे संयोग कहा जाए या कुछ और कि 27 साल पहले भी एक विमान हादसे में सीट 11ए पर बैठा एक शख्स जिंदा बचा था।! जी हां, वह थाई अभिनेता व गायक रुआंगसाक लोयचुसाक थे। 47 साल के रूआंगसाक ने थाई भाषा में फेसबुक पोस्ट लिखकर खुद ही यह जानकारी दी है। उन्होंने लिखा, 'भारत में विमान दुर्घटना के जीवित बचे शख्स के जैसे ही मैं अपनी सीट 11ए पर ही बैठा था।' उन्होंने बताया कि अपने 1998 के बोर्डिंग पास अब उनके पास नहीं है, लेकिन अखबारों में उनके सीट नंबर और सुरक्षित रहने का जिक्र है। बता दें, 1998 में थाई एयरवेज की फ्लाइट टीजी 261 बैंकॉक से सूरत थानी जा रही थी, जब लैंडिंग के दौरान विमान रुक गया और दलदल में जा गिरा, उस हादसे में 146 में से 101 लोगों की जान चली गई, लेकिन 20 साल के लोयचुसाक भी चमत्कारिक रूप से बच निकले।

एक ही नंबर की सीट और दो यात्रियों के बचने की चमत्कारी कहानी

प्लेन क्रैश का वायरल वीडियो बनाने वाला आर्यन

अहमदाबाद प्लेन क्रैश का वीडियो दुनिया भर ने देखा है। इसे 17 साल के आयंन असारी ने बनाया था। हादसे के बाद शुरुआत में इसी वीडियो से पता चला था कि इस विमान के साथ आखिर क्या हुआ था। पुलिस 17 साल के आर्यन असारी को शनिवार को पूछताछ के लिए ले गई है। असारी का घर अहमदाबाद एयरपोर्ट और हादसे वाली जगह के बीच लक्ष्मीनगर इलाके में है। उसने मीडिया को बताया कि मैं दोपहर में छत पर था। तभी मैंने प्लेन के आने की आवाज सुनी और मोबाइल से उसका वीडियो बनाने लगा। प्लेन बिल्कुल मेरे सिर के ऊपर से गुजरा था। प्लेन थोड़ा हिल रहा था, लेकिन मुझे कुछ समझ नहीं आया, क्योंकि मैंने पहली बार ही इतने करीब से कोई प्लेन गुजरते हुए देखा था। मैंने वीडियो रिकॉर्ड करना जारी रखा। आखिरकार, जब मैंने वीडियो को जूम-इन किया, तो अचानक प्लेन आगे जाकर किसी जगह टकरा गया और जोरदार धमाका हुआ। आग का गोला देखकर मैं बहुत डर गया था। मैं भागकर नीचे आया और लोगों को इसके बारे में बताया। मैं अपने पापा और कुछ रिलेटिव को भी वह वीडियो भेजा। इसके बाद यह वीडियो वायरल हो गया। आर्यन कहते हैं- मुझे अब प्लेन से बहुत डर लगने लगा है और मैं कभी भी प्लेन में नहीं बैठूंगा।'

अमेरिका में 2 सांसदों को घर में घुसकर मारी गोली

महिला सांसद और पति की मौत, पुलिसवाले के भेष में आया था शूटर

एजेंसी ▶▶| मिनेसोटा

अमेरिका के मिनेसोटा में दो जनप्रतिनिधियों - स्टेट सीनेटर जॉन हॉफमैन और स्टेट रिप्रजेंटेटिव मेलिसा हॉर्टमैन पर उनके आवास पर हमला हुआ है। लोकल अधिकारियों ने इसे टारगेटेड अटैक बताया है, जिनमें जॉन हॉफमैन इस हमले में घायल हैं, जबकि मेलिसा हॉर्टमैन और उनके पति की इस हमले में मौत हो गई। यह गोलीबारी मिनियापोलिस के उपनगरों चैम्पलिन और ब्रुकलिन पार्क में उनके-अपने घरों पर हुई।

शुरुआती जांच के मुताबिक, ऐसा संदेह है कि हमलावर खुद को पुलिस अधिकारी के रूप में पेश कर रहा था। अधिकारी हमले के पीछे की मंशा को समझने की कोशिश कर रहे हैं और अभी जांच शुरू की गई है।

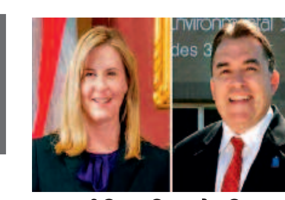

राजनीतिक हिंसा के खिलाफ खड़ा होना बहुत जरूरी

मिनेसोटा के गवर्नर टिम वॉल्ज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया, 'हमें मिनेसोटा में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में हर प्रकार की राजनीतिक हिंसा के खिलाफ खड़ा होना होगा.' उन्होंने आगे कहा, 'जो लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें जरूर सजा दी जाएगी।' इस हमले के बाद, अधिकारियों ने मिनियापोलिस के दो उपनगरों में रहने वाले लोगों से घर के अंदर रहने की अपील की, क्योंकि वे उस संदिग्ध की तलाश कर रहे हैं जो कथित रूप से पुलिस की वर्दी में था। इस बीच, मिनेसोटा पुलिस प्रमुख ने जानकारी दी कि संदिग्ध की गाड़ी से एक 'मैनिफेस्टो' बरामद हुआ है, जिसमें कई विधायकों और जनप्रतिनिधियों के नाम संभावित टारगेट के रूप में लिस्टेड हैं।

हमलावरों का बैकग्राउंड तलाश रही पुलिस

जांच एजेंसियां अब इस बात की तह में जाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या यह कोई अकेला हमलावर था या किसी बड़े साजिश का हिस्सा है। इलाके की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और आस-पास के सभी जनप्रतिनिधियों को अतिरिक्त सुरक्षा दी जा रही है। स्थानीय प्रशासन, एफबीआई और अन्य संघीय एजेंसियां इस मामले में संयुक्त जांच कर रही हैं। हमलावर की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन उसके राजनीतिक मकसद की आशंका से इनकार नहीं किया गया है, और माना जा है रहा है कि वे खासतौर से जनप्रतिनिधियों को निशाना बनाने की प्लानिंग में थे।

अंबानी की जेड प्लस सुरक्षा में सवाल उठाने पर सुप्रीम फटकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा- आप कौन होते हैं खतरे का आकलन करने वाले'

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी और उनके परिवार को जेड-प्लस सुरक्षा दिए जाने को लेकर सवाल उठाने वाले को सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई। फटकार इस वजह से लगाई गई क्योंकि अदालत पहले ही स्पष्ट कर चुकी थी कि याचिकाकर्ता के पास इस मामले में कोई कानूनी अधिकार नहीं है।

अदालत ने स्पष्ट रूप से टिप्पणी की कि यह पूरी तरह राज्य का फैसला है कि वह राजनेता या कारोबारी की सुरक्षा को लेकर क्या जरूरी कदम उठाए? जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने याचिकाकर्ता से ही सवाल पूछा कि इस बात को अदालत कैसे तय कर सकती है कि किसे सुरक्षा दी जानी चाहिए।

भोपाल-झालावाड़ में आतंकी साजिश कई डिजिटल उपकरण बरामद

भोपाल । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को मध्य प्रदेश के भोपाल और राजस्थान के झालावाड़ में आतंकी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) से जुड़े आतंक साजिश मामले में कई ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई एनआईए द्वारा हिज्ब-उत-तहरीर की गतिविधियों की चल रही जांच के तहत की गई, जिसका उद्देश्य देश में अस्थिरता फैलाने वाली साजिशों को उजागर करना है। एनआईए की टीमें भोपाल में तीन और झालावाड़ में दो स्थानों पर पहुंचीं, जहां व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया।

45 दिन में 28 लाख श्रद्धालुओं ने किए भगवान शिव के दर्शन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चारधाम यात्रा में देश दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। 45 दिन की यात्रा में अब तक 28 लाख से अधिक श्रद्धालु चारों धामों के अलावा हेमकुंड साहिब में दर्शन कर चुके हैं। इसमें केदारनाथ धाम में दर्शन करने वालों का आंकड़ा 10 लाख पार हो गया है।

प्रतिदिन 70 हजार से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं। इस बार चारधाम यात्रा का आगाज 30 अप्रैल से हुआ। मौसम की चुनौतियों के बाद भी चारों धामों व हेमकुंड साहिब में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की काफी भीड़ है। पर्यटन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री धाम की यात्रा तेजी से आगे बढ़ रही है। खराब मौसम भी श्रद्धालुओं की परीक्षा ले रहा हैं। इसके बावजूद आस्था के कदम थम नहीं रहे हैं। यात्रा के लिए ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन पंजीकरण की व्यवस्था है। हरिद्वार, ऋषिकेश, हरबटपुर, विकासनगर में केंद्रों में ऑफलाइन पंजीकरण की संख्या बढ़ रही है।

केदारनाथ धाम पहुंचने वालों का आंकड़ा 10 लाख पार

HMS शिव साईटिका तेल
शिव सायटिका
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है 94060-21769
HMS देखकर खरीदें
नकली माल से सावधान

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑंकोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. राजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

श्रीराम किंकर मेडीकल इंस्टीट्यूट
डॉ. नवनीत जैन एम.एस.- एडवांस लेप्रोस्कोपी एवं जनरल सर्जन (गोल्ड मेडलिस्ट)
डॉ. करूणा जैन एम.डी.- प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
लिली चौक, रायपुर - 492001
फोन : 0771-2536521, मो. 9329103589

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

अहलूवालिया हॉस्पिटल
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, प्रभाट टॉकीज के पास, स्टेशन रोड रायपुर
0771-4050006, 8103128515
डॉ. एस.के. अहलूवालिया M.B.B.S., DLO
डॉ. गौरव अहलूवालिया M.B.B.S., D.N.B.-ENT, M.N.A.M.S.
नाक,कान, गला विभाग
• सिर, मुख एवं गले का कैन्सर।
• ऑपरेशन द्वारा ईलाज
• नाक की प्लास्टिक सर्जरी
चक्कर की जाँच
एलर्जी
Dental & Consmetic Treatments
• टेढ़े मेढ़े दांतो को सीधा करना
• दांतो की नसों का इलाज
• दांतों की सफाई व चमकाना
• दंत प्रत्यारोपण
• मुंह के कम खुलने का इलाज
(Hearing Aids) सुनाई मशीन

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें
एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयॉथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्ट्डी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें
मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्घ पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

प्रेम पिता का दिखाई नहीं देता

इसमें संदेह नहीं कि एक संतान के जीवन में पिता की अहमियत को किसी पैमाने से मापा नहीं जा सकता। वह केवल उसे रचते ही नहीं गढ़ते भी हैं। तभी तो पिता की उदात्त भूमिका का वर्णन पुराणों से लेकर हिंदी समेत विश्व साहित्य में विस्तार से किया गया है। हालांकि तकनीकी प्रभाव और आधुनिक जीवनशैली से अक्सर पिता उपेक्षित से नजर आते हैं। ऐसे में हम सभी का दायित्व है कि उन्हें सम्मान के साथ अपनेपन का अहसास भी अवश्य कराएं।

आवरण कथा
डॉ. ओम निश्चल

जब-जब जून का तीसरा रविवार आने को होता है, पिता की छवि आंखों में तैर जाती है। पिता जीवित हों या दिवंगत, इससे उनकी अहमियत पर कोई ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। हम सबने अपने बचपन में पिता का लाड़-दुलार पाया है और जिनके पिता जीवित नहीं हैं, वे भी यह मानते हैं कि जो कुछ भी जिंदगी में बेहतर हुआ है, वह पिता की परवरिश के कारण हुआ है। यद्यपि मां को पृथ्वी का दर्जा दिया गया है और कहा गया है, *माता भूमि पुत्रोहम पृथिव्याः।* लेकिन इसी तरह यदि मां धरती है तो पिता को आसमान कहा गया है- एक ऐसा साया जिसे हर बच्चा महसूस करता है और जिसे किसी भी उम्र का व्यक्ति भूल नहीं पाता। इस संबंध में शायर मेराज फैजाबादी का शेर याद आता है- *मुझको थकने नहीं देता ये जरूरत का पहाड़ / मेरे बच्चे मुझे बूढ़ा नहीं होने देते।*

सचमुच बाल-बच्चों से घिरे परिवार में पिता भी बच्चों में ऐसे घुले-मिले रहते हैं कि अपनी उम्र को पीछे छोड़ देते हैं और कभी थका और बूढ़ा नहीं महसूस करते। कम से कम भारतीय परिवेश में पिता और मां की अनिवार्य उपस्थिति अभी परिवार में होती है और उनकी भूमिका भी निर्णायक होती है। यदि बच्चों के लिए मां एक आत्मीय छाया की तरह हैं तो पिता एक दरख्त की तरह। पारिवारिक रिश्ते बहुत जज्बाती होते हैं। कम से कम हिंदुस्तान में आज भी संयुक्त परिवार महफूज है, जहां पिता की सरपरस्ती में बच्चे फूलते-फलते हैं। बल्कि कहें कि हिंदुस्तान में बच्चे अभी भी पिता, मां और बुजुर्गों के मजबूत संरक्षण में रहते हैं तो अतिशयोक्ति न होगी।

पिता होने का मतलब

पितृ दिवस पर जब हम पिता का स्मरण करते हैं तो यह मान कर चलते हैं कि हर एक के भीतर उसके पिता की स्नेह छाया या उसकी मधुर स्मृतियां मौजूद हैं। पिता एक ऐसी संज्ञा है, जिसकी परवरिश के बिना एक बच्चा बड़ा तो होता है लेकिन समग्रता के साथ परिपक्व नहीं हो सकता। पिता की छाया के बगैर बड़े होने वाले बच्चे, ऐसी संवेदना से वंचित रह जाते हैं, जिसमें पारिवारिकता, प्रेम-स्नेह, संस्कार और अभिभावक तत्व के रंग घुले होते हैं। पिता होना केवल एक जैविक इकाई को जन्म देने का श्रेय लेना भर नहीं है बल्कि उन जिम्मेदारियों से भरा होना भी है, जिन्हें पूरा करते हुए वे एक बच्चे को इंसानियत की जीवंत धड़कन के रूप में सहेजते हैं।

विश्व साहित्य में पिता

अकसर पिता के प्रेम को इस रूप में देखा जाता है, जैसे कि वे मां की तरह प्रेम का दिखावा नहीं कर पाते। इस संबंध में हमारे समय के कवियों ने पिता को लेकर बहुत कुछ लिखा है। दुनिया भर के साहित्य को पढ़ें तो पाएंगे कि उनमें पिता की अनेक छवियां विद्यमान हैं। सिल्विया प्लाथ की कविता 'डायरी' इसका एक उदाहरण है तो मार्क इरविन ने भी अपने पिता को आत्मीय संस्मरणों में बांधा है। अपने पिता की कमीज को धोते हुए पोलिश कवयित्री अन्ना स्विर भी जिस मार्मिकता से अपने पिता को याद करती हैं, वह उल्लेखनीय है। वे कहती हैं, 'आखिरी बार मैं धोती हूं कमीज अपने पिता की, जो गुजर गए, कमीज से पसीने की गंध आती है। ये गंध मुझे बचपन से याद है।'

हिंदी कविता में पिता

पिता को लेकर हिंदी के कवियों ने भी तमाम कविताएं लिखी हैं, जिनसे पता चलता है कि कवि, पिता जैसे रिश्ते को लेकर कितने गंभीर हैं। एक पिता के रूप में हिंदी के ख्यात कवि निराला ने अपनी बेटी सरोज पर जो कविता 'सरोज स्मृति' लिखी, वह हिंदी की अमर और अत्यंत मार्मिक शोक गीतिका बन गई।

एक कहावत है कि मां का प्रेम दिखाई देता है, जबकि प्रेम पिता भी करता है पर उसका प्रेम दिखाई नहीं देता। इसी आशय के भाव को जाने-माने कवि चंद्रकांत देवताले ने अपनी एक कविता में व्यक्त किया है। वह कहते हैं, *तुम्हारी निश्छल आंखें तारों सी चमकती हैं/मेरे अकेलेपन की रात के आकाश में/प्रेम पिता का दिखाई नहीं देता/ईश्वर की तरह होता है।* हिंदी के सुधी गीतकार यश मालवीय का पिता पर लिखा यह गीत खासा प्रसिद्ध है- *तुम छत से छाये/ जमीन से बिछे, खड़े दीवारों से/तुम घर के आंगन, बादल से घिरे/रहे बौछारों से।*

ये तो बानगी भर है। हिंदी के पुराने दौर के सुविख्यात कवियों से लेकर नए दौर के कवियों तक ने पिता पर अपने-अपने नजरिए से अनेक यादगार कविताएं लिखी हैं।

केवल दिखावे के लिए न हो लगाव

हर बार पिता दिवस आता है, जो हमें भावुक बना देता है। जिन्हें पिता का स्नेह मिला है, वे उन्हें बहुत ही आत्मीयता से याद करते हैं पर जिन्हें पिता का स्नेह नहीं मिला, वे कितनी कचोट अनुभव करते होंगे आज के दिन। पर विडंबना है कि पिता को याद करने का जो ढंग आज समाज में प्रचलित है, वह कुछ ज्यादा ही दिखावटी लगता है। जितनी श्रद्धा का ज्वार सोशल मीडिया पर पिता के प्रति उमड़ता है, क्या इसका पचास प्रतिशत भी वाकई आज की पीढ़ी अपने पिता से वैसा ही स्नेह करती है? यह सवाल बेमानी नहीं है कि आज समाज में संयुक्त परिवार टूट रहे हैं। प्रायः शहरी परिवारों में पति-पत्नी और बच्चे के अलावा पिता या मां का स्थान नहीं रहा। वे यदि हैं तो अलग रिहाइश में रह रहे हैं। लिहाजा मां-पिता या तो गांव कस्बे में छूट जाते हैं या रहते भी हैं तो बदतर स्थिति में। तो सवाल है, क्या पिता दिवस पर उमड़ने वाला प्रेम केवल दिखावा भर है?

बहरहाल, आज पिता दिवस के मौके पर आशा कर सकते हैं कि जज्बातविहीन होती दुनिया में पुराने जज्बात फिर लौटें, पिता के प्रति बच्चों में आदर पनपे। वे दिखावे में नहीं, सच्चे आदर और स्नेह में भरोसा करें ताकि पारिवारिक संरचना में पिता केवल जन्मदाता के रूप में प्रमाणपत्रों में दर्ज भर होने के लिए न रहें, वह पारिवारिक स्नेह की धुरी भी बने रहें, जहां बच्चों के बीच वह भी सुख हासिल कर सकें। *

पौराणिक ग्रंथों में पिता की महत्ता

विश्व के प्राचीनतम माने जाने वाले ग्रंथ ऋग्वेद में पिता की महत्ता गाई गई है। उन्हें ही शिशुओं का रक्षक माना गया है। ऋग्वेद में ही पिता को अग्नि के तुल्य माना गया है। इस तरह परिवार में पिता एक मेरुदंड के समान होता है, जो शिशु के प्रति कल्याणकारी भावना रखता है। 'रामायण' में भी यह लिखा गया है-

पिता धर्म पिता कर्म पिता हि परमं तपः
पितरि प्रीतिमापन्ने प्रीयंते सर्व देवताः

पुत्र के प्रति पिता के स्नेह का उदाहरण राजा दशरथ भी हैं, जो राम के वन जाने के प्रसंग से उबर नहीं पाए और अपने प्राण त्याग दिए। 'महाभारत' में भी पिता के प्रति त्याग के अनुपम उदाहरण के रूप में भीष्म को देखा गया है। यक्ष के प्रश्नों के उत्तर में भी युधिष्ठिर ने माता को भूमि से बड़ा तथा पिता को आकाश से ऊंचा बताकर पिता की गरिमा को स्थापित किया। शास्त्रों में भी कहा गया है कि पिता का दायित्व है कि संतान को सम्यक शिक्षा दे-

माता शत्रुः पिता वैरी येन बालो न पाठितः।

यानी, जो मां पिता बच्चे को तालीम नहीं दिलाते वह बच्चे के शत्रु समान हैं।

बदलते दौर के साथ बदलती पिता की छवि-भूमिका

भारतीय परंपरा में पिता को देवतुल्य माना गया है। लेकिन समय में बदलाव के साथ पिता की छवि और भूमिका में लगातार बदलाव स्पष्ट तौर पर देखे जा सकते हैं। वक्त के साथ बदलती पिता की भूमिका और छवि पर एक नजर।

बदलाव / कल्पना मनोरमा

बीते दौर के पिता को याद करें तो एक ऐसा व्यक्ति याद आता है, जिसके गंभीर चेहरे पर ऊपर की ओर तनी भवें और आंखों के किनारों में आक्रोश का गुबार भरा हुआ दिखता था। हंसी-मजाक की बात पूछना-करना तो दूर, सीधी बात पूछने में भी बच्चों के आसन ढीले होते थे। फिर भी विगत सदी के परिवारों की रीढ़, पिता ही होते थे। मां सहित बच्चों को भरोसा होता था कि पिता घर लौट आए हैं, अब किसी भी तरह की कमी नहीं रहेगी। जो जिस हैसियत का हुआ, मौन होकर पिता परिवार पर सुख लुटाता था।

साठ और सत्तर के दशक के पिता लोहे की तरह सख्त और आत्मा से कोमल होते थे। वे अपने हाथों में रिश्तों की खुशबू और माथे पर जिम्मेदारी की लकीरें लिए मौन फर्ज निभाने में विश्वास करते थे। तब के पिता अपने दुःख बच्चों के आगे इसलिए नहीं कहते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि बाल-सपने कांच की तरह होते हैं, जरा से तनाव में टूट जाएंगे। इसलिए खुद के जीवन को किनारे कर बच्चों के सुख-साधन मुहैया कराने की कोशिश हमेशा बनी रहती थी। यानी, तब पिता का प्यार शब्दों में नहीं, उनके कार्यों में झलकता था। जबकि वे बस्ता टांग कर बच्चों को स्कूल के गेट तक नहीं पहुंचाते थे। न मेले में लेकर जाते थे। न सर्दियों में सुबह सबसे पहले उठ कर बच्चों के लिए पानी गरम करते थे। तब पिता माने अनुशासन! पिता भी अपना होना अनुशासन से ही जानते थे। पहले खुद अनुशासित रहते थे, फिर उसी पगडंडी पर संतान को चलते हुए देखने के अभिलाषी बन जाते थे। तब के पिता जानते थे, बच्चे प्यार से बिगड़ जाते हैं। इसलिए पिता बिन बोले प्रेम की छांव देने में भरोसा करते थे। मंगलेश डबराल अपनी एक कविता में कहते हैं, 'जब मैं छोटा था, मेरे पिता मुझे बड़े होते देख रहे थे। / अब जब वे छोटे हो रहे हैं, मैं उन्हें बड़ा होते देखता हूं।' यानी, बच्चे जब दुनिया की ओर कदम बढ़ा रहे होते थे, उनके पिता मौन होकर उन्हें देखते रहते थे। और जब पिता दुनिया से बाहर की ओर सरकना शुरू कर देते थे तो उनके बच्चे भी मौन होकर ही, उन्हें देखते रहते थे। सब कुछ अच्छा होने के बावजूद संवादहीनता के मारे पिता पीड़ा सहते रहते थे और संतान के रूप में अपनी ही प्रतिकृति अगली पीढ़ी को सौंप जाते थे।

धीरे-धीरे बदलने लगी छविः कुछ समय और सरका तो पिता की छवि और भी बदल गई। ये अस्सी-नब्बे का समय होगा, जब गांव, शहर की ओर दौड़ने लगे थे। उच्च वर्गीय पिताओं के तौर-तरीके सीखकर मध्यमवर्गीय पिता भी अपने परिवार को अलग सुगंधि से भरने लगे थे। अब पिता बदलते हुए अपने समाज में सहिष्णुता लिए मुखर चेहरा बन रहे थे। पिता के हाथ से संस्कार की डोर थोड़ी सी ढीली पड़ने लगी, लेकिन प्रेम से भरे पिता छलकने को आतुर दिख रहे थे। बच्चे पिता के साथ खेलने, हंसने, बोलने और सोने-जागने लगे। अपनी इच्छा प्रकट करने के लिए बच्चों को मां की आवाज की दरकार मिटने लगी। पिता बेटे-बेटियों के बाल भी संवारने लगे। होमवर्क और प्रोजेक्ट में हाथ बंटाने लगे। बेटे की मनोस्थिति समझने के लिए उसे टूर पर ले जाने लगे तो बेटी के लिए सेनेटरी नैपकिन भी लाकर देने लगे। माने अब पिता सिर्फ कमाने वाली मशीन नहीं, 'भावनात्मक उपस्थिति' भी बनने की चाह लिए आधुनिकता के साथ कदमताल करने की ओर मुखातिब हो गए। उनके संघर्ष अब सिर्फ बाहरी नहीं, खुद को बदलने के लिए भी चल रहे थे। अब पिता खुद से, समाज की अपेक्षाओं से और समय के साथ चलते बच्चों के मनोविज्ञान से रू-ब-रू होना चाहते थे। अब पिता खेलने में, सुनने में, गले लगाने में विश्वास करना चाहते थे लेकिन अदब की एक लकीर पिता-पुत्र के बीच खींची तब भी रहती थी।

नई सदी में नए पिताः सदी बदली तो पिता और भी बदल गए। आज के पिता बच्चों से प्रश्न करने से पहले स्वयं से प्रश्न करना चाहते हैं। किसी बिगड़े काम पर बच्चों को डांटने से पहले अपने पर डाउट करना सीख रहे हैं। बार-बार विगत में आवाजाही कर खुद से प्रश्न करते हैं कि 'क्या मैं अपने पिता और दादा जितना ठोस और ठस तो नहीं हूं?' 'क्या मैं अपने बच्चे के मन में जगह बना पाया हूं?' नई सदी के नए पिता, डिजिटल सफर पर भी निकल चुके हैं। बच्चों की 'हेल्दी डाइट' के बाबत यूट्यूब से खाना बनाना भी सीखकर बच्चों समेत उनकी मां को इंप्रेस करने के फिराक में भी रहते हैं। जीवन को सुगम बनाने के टिप्स जहां से मिलें, पिता सीखना चाहते हैं। लेकिन यह नया युग इतना भी सहज नहीं, जितना दिखता है। सूचना और ज्ञान की सहज उपलब्धता पिता-पुत्र को भावशून्य बना रही है। असंवेदनशीलता के इस दौर में चरणस्पर्श जैसी बात रही ही नहीं। अब तो 'हे डूड' 'हाय डैड' ने इनकी जगह ले ली है। आधुनिक पिता अनजाने में सही, अपने बच्चे को सोशल ब्रांड बना रहे हैं।

कहने का सार यही है कि समय कोई भी रहा हो, पिता का अपनी संतान से जुड़ाव में तो कोई अंतर नहीं आया है, लेकिन उसकी अभिव्यक्ति और भूमिका में अंतर आता गया, जिसे पिता सहर्ष स्वीकार भी रहे हैं। *

गजल
अशोक 'अंजुम'

बाबूजी !

बेटे पर विश्वास करो यों मत घबराओ बाबूजी!
जो मन आए करो इशारा, पीयो-खाओ बाबूजी!

खूब किया है जीवन-भर ही नहीं कभी आराम किया
अब सुकून से घर पर बैठो, हुकुम चलाओ बाबूजी!

कब तक बेटों की उतरन से हर त्योहार मनाओगे
कसम आपको अब की कपड़े नए सिलाओ बाबूजी!

जिम्मेदारियों ने जीवन-भर नहीं निकलने दिया कभी
अम्मा के संग तीरथ जाओ, गंग नहाओ बाबूजी!

बोनस आज मिला है मुझको अकस्मात ही दफ्तर से
कहां खर्च करना है इसको, जरा बताओ बाबूजी!

राग-रागिनी, आल्हा-ऊदल सबके सब बिसरा बैठे
अब फुर्सत है झूम-झूम कर ढोला गाओ बाबूजी!

कष्ट कोई हो उसे छिपाकर हरदम मुस्काते रहते,
कहां दर्द है, यूं न छिपाओ, हमें बताओ बाबूजी!

लघुकथाएं

पिता की चिंता

शुभम ने स्कॉलरशिप का फॉर्म भरा था। आज उसकी परीक्षा थी। स्कूली परीक्षा से इतर यह उसके जीवन की पहली परीक्षा थी। रजनी सुबह से ही पति सुमित को देख रही थी। बेटे से ज्यादा पिता चिंतित दिख रहे थे। सुबह बेटे को उन्होंने ही जगाया फिर जल्दी-जल्दी नहाकर तैयार हो गए। कुछ खाए बगैर ही उसे एग्जाम सेंटर तक छोड़ने चले गए।

शुभम ने कितना कहा, 'पापा आप क्यों परेशान हो रहे हैं? मैं रिक्शे से अकेला ही चला जाऊंगा। मैंने सेंटर गूगल पर सर्च कर लिया है।' लेकिन सुमित नहीं माने।

'तुम्हें छोड़कर मैं लौट आऊंगा बेटा।' कहकर सुमित साथ चल पड़े। स्कूल गेट के भीतर जाने से पहले तक उन्होंने बेटे को परीक्षा के दौरान एहतियात रखने वाली जरूरी हिदायतें दीं। जब शुभम स्कूल में प्रवेश कर गया तो सुमित घर लौट आए।

परीक्षा आठ बजे से ग्यारह बजे तक होनी थी। इतना समय वहां रुकना व्यर्थ था। घर से बस आधे घंटे का रास्ता था। दोबारा जाया जा सकता था।

लेकिन यह क्या! अभी दस भी न बजे थे कि सुमित फिर तैयार हो गए।

'कहां चल दिए?' रजनी ने पूछा।

'शुभम को लेने।' सुमित ने जवाब दिया।

रजनी बोली, 'उसे रिक्शे के पैसे दे तो दिए हैं, वो खुद आ जाएगा।'

'अभी तेरह साल का ही तो है। कहीं भटक गया तो?' सुमित ने चिंता जताई।

रजनी ने कहा, 'पर अभी तो बहुत समय है।'

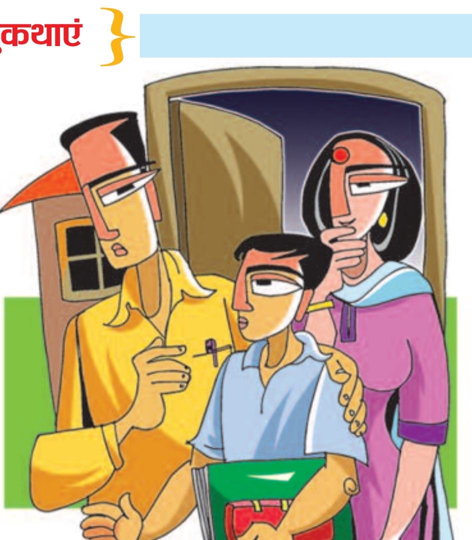

'तो क्या हुआ। पेपर पहले खत्म करके शुभम बाहर आ गया तो..।' सुमित बोले।

'समय से पहले किसी को बाहर नहीं आने दिया जाएगा।' पत्नी ने समझाया, लेकिन सुमित नहीं माने। इधर-उधर की बातें समझाने लगे।

अभी तक रजनी ने सुमित को बेटे को डांटते-डपटते ही देखा था। उसे लगता था, सुमित को बेटे की कोई परवाह नहीं रहती। हर समय उसे डांट-फटकार लगाने का बहाना ढूंढते रहते हैं। सुमित के भीतर यह पिता आज पहली बार रजनी ने देखा।

खुशी-खुशी बोली, 'अच्छा जाओ, शुभम आपकी राह देख रहा होगा।'

पत्नी की सहमति पाते ही सुमित हर्षित मन से बेटे को लेने चल पड़े। *

-सरस्वती रमेश

भरोसे का पुल

'अब क्या होगा पापा?' तकनीक की धोखाधड़ी का शिकार हुई बेटी की आंखों में आंसुओं के साथ भय भी उतर आया।

'होना क्या है, कानूनी कार्रवाई का रास्ता चुनकर फेक वीडियो बनाने वाले को सजा दिलवानी है।' वे बिना किसी उलझन और संदेह के एक सांस में यह बात कह गए।

'यह मैं नहीं हूं पापा, यह वीडियो मेरा नहीं है। जाने कैसे मेरी तस्वीरें चुराकर यूं अभद्र शब्दों और अश्लील दृश्यों से जोड़ दिया है किसी ने?' हैरत और पीड़ा का यह मिला-जुला स्वर पिता का मन भेद गया।

'कॉलेज की दूसरी लड़कियों के साथ भी ऐसा हुआ है। आप चाहें तो उनसे पूछ लें।' स्पष्टीकरण देती बिटिया का हाथ पकड़कर पिता बोले, 'किसी से कुछ नहीं पूछना है मुझे।

पुरानी पीढ़ी का जरूर हूं पर यह अच्छे से समझता हूं कि आधुनिक तकनीक ने बहू-बेटियों का जीवन दुश्वार करने वाली आपराधिक मानसिकता और असुरक्षा के नए रास्ते खोल दिए हैं।'

फिर थोड़ा संयत होकर कहा, 'तुम अपनी पढ़ाई पर ध्यान दो, बस।

हमारे बीच भरोसे का एक मजबूत पुल है मेरी बेटी।' आश्वस्ति भरी यह बात सुनकर भी जीवन की जद्दोजहद समझने की कच्ची-पक्की उम्र के मोड़ पर खड़ी बिटिया ने चिंतित स्वर में पूछा, 'सब लोग क्या कहेंगे पापा?

आस-पड़ोसी और सगे-संबंधी कैसे-कैसे सवाल करेंगे अब?'

वे दुधमुंही बच्ची को छोड़कर दुनिया से विदा ले लेने वाली पत्नी की दीवार पर लगी तस्वीर की ओर देखते हुए बोले, 'कौन करेगा सवाल और क्यों करेगा? किस अधिकार से पूछेगा कोई प्रश्न?

तुम्हारे पालन-पोषण की मुश्किल यात्रा के बीते अठारह वर्ष में जो कुछ पूछने नहीं आए वे किस अधिकार से एक फेक वीडियो को लेकर वास्तविक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछ सकेंगे?'

बेटी का हाथ थामकर समझाइश देते हुए पिता के रुंधे गले की आवाज बेहद स्पष्ट थी। *

-मोनिका शर्मा

खिताब के 27 साल का सूखा खत्म

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत 'चोकर्स' के तमगे को पीछे छोड़ा

द. अफ्रीका पहली बार वर्ल्ड चैंपियन

गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से दी शिकस्त

लॉर्ड्स के 141 साल के इतिहास में रन चेस में दूसरी सबसे बड़ी जीत

एजेंसी ▶▶| लंदन

दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को फाइनल के चौथे दिन गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत ली। दक्षिण अफ्रीका ने 27 वर्षों में अपना पहला बड़ा क्रिकेट खिताब जीता जिसके बाद लॉर्ड्स मैदान पर टीम के खिलाड़ी और प्रशंसकों ने जम कर जश्न मनाया। दक्षिण अफ्रीका ने अपना पिछला आईसीसी खिताब 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में जीता था।दक्षिण अफ्रीका ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 213 रन से की थी। टीम ने पांच विकेट पर 282 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया। यह लॉर्ड्स के 141 साल के इतिहास में लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए दूसरी सबसे बड़ी जीत है।

धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी से जीता मैच

ऑस्ट्रेलिया ने मैच के चौथे दिन भी पूरा जोर लगाना जारी रखा और कप्तान पैट कमिंस की अगुवाई में उसके गेंदबाजों ने शुरुआती घंटे में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा ली। दिन के तीसरे ओवर में जब कमिंस की गेंद पर कप्तान तेम्बा बावुमा (66) विकेट के पीछे एलेक्स कैरी के द्वारा लपके गये तब लगा कि टीम पिछली कई बार की तरह एक बार फिर जीत के करीब पहुंच कर फिसल ना जाए। दिन की शुरुआत 102 रन से करने वाले शतकवीर एडेन मारक्रम (136) की अगुवाई में टीम ने हालांकि धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए किसी अनहोनी को टालते हुए 'चोकर्स' के तमगे को पीछे छोड़ दिया।

कई बार गंवाया खिताब

दक्षिण अफ्रीका इससे पहले आईसीसी टूर्नामेंटों में कई अहम मौकों पर खिताब के करीब पहुंच कर चूक गया है। टीम को बर्मिंघम 1999, ढाका 2011, ऑकलैंड 2015, कोलकाता 2023 और ब्रिजटाउन 2024 में मिली हार लंबे समय तक निराश करती रही लेकिन लंदन 2025 दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट में सबसे यादगार दिनों में से एक के रूप में जाना जाएगा। टीम ने जीत की प्रबल दावेदार और आईसीसी के अहम मैचों में अपने प्रदर्शन के स्तर को ऊंचा करने वाली ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम को शिकस्त दी।

डब्लूटीसी ईनामी राशि

स्थान	टीम	राशि
विजेता	द.अफ्रीका	31 करोड़
उपविजेता	ऑस्ट्रेलिया	18.63 करोड़
तीसरे नंबर	भारत	12.42 करोड़
चौथे नंबर	न्यूजीलैंड	10.35 करोड़
पांचवें नंबर	इंग्लैंड	8.28 करोड़
छठे नंबर	श्रीलंका	7.24 करोड़
सातवें नंबर	बांग्लादेश	6.21 करोड़
आठवें नंबर	वेस्टइंडीज	5.17 करोड़
नौवें नंबर	पाकिस्तान	4.14 करोड़

मैच का हॉल

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 218 रन बनाते हुए दक्षिण अफ्रीका को 282 रन का टारगेट दिया था। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 212 और दक्षिण अफ्रीका ने 138 रन बनाए। यहां कंगारू टीम को 74 रन की बढ़त मिली थी।

स्कोर बोर्ड

द.अफ्रीका दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
मारक्रम का हेड बो हेजलवुड	136	207	14	0
रिकल्टन का कैरी बो स्टार्क	06	08	1	0
मुल्डर का लाबुशेन बो स्टार्क	27	50	5	0
बावुमा का कैरी बो कमिंस	66	134	5	0
ट्रिस्टन स्टब्स बो स्टार्क	08	43	0	0
डेविड बेडिंघम नाबाद	21	49	1	0
काइल वेरेने नाबाद	04	13	0	0

अतिरिक्त : 14, कुल : 83.4 ओवर में 282/5

गेंदबाजी : स्टार्क 14.4-1-66-3, हेजलवुड 19-2-58-1, कमिंस 17-0-59-1, लियोन 26-4-66-0, वेबस्टर 5-0-13-0, हेड 2-0-8-0.

यह स्पेशल मोमेंट

'पिछले 2 दिन स्पेशल रहे, कुछ देर के लिए तो लग रहा था कि हम होम ग्राउंड पर ही खेल रहे हैं। हमारे देश के लिए यह स्पेशल मोमेंट है। कई मौकों पर किस्मत और मौसम हमारे साथ नहीं था, लेकिन इस बार हमें सूरज का साथ मिला।'

- तेम्बा बावुमा

वे जीत के हकदार

'हमने कुछ चीजें सही नहीं कीं। पहली पारी में अच्छी बढ़त के बावजूद हम बड़ा स्कोर नहीं बना सके। टॉप-7 बैटिंग में हमें सुधार की जरूरत है। साउथ अफ्रीका ने बताया कि वे क्यों फाइनल तक पहुंचे हैं। वे इस जीत के हकदार हैं।'

- पैट कमिंस

रायपुर-राजनांदगांव के बीच आज होगा सीसीपीएल का खिताबी महामुकाबला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग 2025 के दूसरे सीजन का पहला सेमीफाइनल रायपुर रायनोज और बिलासपुर बुल्स के बीच खेला गया। मुकाबले में रायपुर रायनोज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बिलासपुर को 9 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। बिलासपुर बुल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट पर 140 रन बनाए। टीम की ओर से हर्ष साहू ने 29 रन और शुभम मौर्य ने 23 रन जोड़े। रायपुर के गेंदबाज गौरव चतुर्वेदी ने 2 विकेट हासिल किए। 141 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रायपुर रायनोज की टीम ने आक्रामक अंदाज में शुरुआत की। पहले विकेट के लिए 97 रनों की साझेदारी हुई। अमित यादव ने मात्र 25 गेंदों पर 4 चौकों और 7 छक्कों की मदद से ताबड़तोड़ 65 रन बनाए, जबकि कप्तान अमनदीप खरे ने नाबाद 51 रन की पारी खेल टीम को जीत दिलाई। रायपुर ने 11.4 ओवरों में 1 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ रायपुर रायनोज ने लगातार दूसरे वर्ष सीसीपीएल फाइनल में प्रवेश किया है।

पैंथर्स ने किया बायसंस का शिकार

दूसरा सेमीफाइनल राजनांदगांव पैंथर्स और बस्तर बायसंस के बीच खेला गया। राजनांदगांव पैंथर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करने उतरी बस्तर की टीम ने 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 198 रन बनाए। टीम की ओर से संगीत सोनी ने 40 गेंदों पर 61 रनों की तेज़ तर्रार पारी खेली, जबकि राहुल प्रधान ने 37 रनों का योगदान दिया। राजनांदगांव की ओर से अजय मंडल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए, वहीं देव आदित्य सिंह को 2 विकेट मिले। जवाब में 199 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजनांदगांव पैंथर्स ने 19.5 ओवर में 5 विकेट खोकर 202 रन बना लिए और मुकाबला 5 विकेट से अपने नाम कर लिया। टीम के कप्तान अजय मंडल ने बल्ले से भी कमाल दिखाते हुए मात्र 34 गेंदों में 73 रनों की विस्फोटक पारी खेली। आशीष डहरिया ने 31 गेंदों पर 51 रन बनाए। इस जीत के साथ राजनांदगांव पैंथर्स ने सीसीपीएल 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

आशीष को मिला मोस्ट सिक्सेस का अवार्ड

मैच के समापन के बाद विजेता टीम के खिलाड़ियों को प्लेयर ऑफ द मैच और मोस्ट सिक्सेस अवॉर्ड प्रदान किए गए। इस अवसर पर हरिभूमि व आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने आशीष डहरिया को मैच में मोस्ट सिक्सेस का अवार्ड दिया। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने प्लेयर अजय मंडल को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया। इस दौरान ओलंपिक संघ के महासचिव विक्रम सिसोदिया भी मौजूद थे।

आर्या-अर्जुन ने निशानेबाजी वर्ल्ड कप में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| म्यूनिख

आर्या बोरसे और अर्जुन बबूता की भारतीय जोड़ी ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए चीन के जिफेई वांग और लिहाओ शेंग को 17-7 से हराकर शनिवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। आर्या और बबूता अहम मौके पर धैर्य और एकाग्रता का शानदार नमूना पेश करते हुए चीन के खिलाड़ियों को खिताबी मुकाबले में कोई मौका नहीं दिया। भारतीय जोड़ी ने क्वालिफिकेशन में 635.2 का स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक दौर में प्रवेश किया, जो वांग और शेंग (635.9) से सिर्फ 0.7 अंक पीछे था। चीन की जोड़ी का यह स्कोर क्वालिफिकेशन विश्व रिकॉर्ड भी है। व्यक्तिगत तौर पर आर्या ने 317.5 का स्कोर किया, जबकि बबूता ने क्वालिफिकेशन में 317.7 का स्कोर किया। आर्या इस साल की शुरुआत में पेरू के लीमा में विश्व कप में रुद्राक्ष पाटिल के साथ मिलकर 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीत चुकी है। यह मौजूदा विश्व कप में भारत का दूसरा स्वर्ण और कुल चौथा पदक है। सुरुचि सिंह ने शुक्रवार को स्वर्ण जीता था जबकि इस सप्ताह के शुरू में सिफ्त कौर समरा और इलावेनिल ने अपने-अपने व्यक्तिगत मुकाबलों में दो कांस्य पदक जीते थे।

प्रणति ने एशियाई जिम्नास्टिक के वॉल्ट में जीता कांस्य

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय जिम्नास्ट प्रणति नायक ने दक्षिण कोरिया के जेचेन में 12वीं सीनियर महिला एशियाई कलात्मक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में वॉल्ट फाइनल में कांस्य पदक जीता। इस साल मार्च में तुर्की के अंताल्या में एफआईजी विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली इस 30 साल की खिलाड़ी ने शनिवार को 13.466 स्कोर करके पोडियम पर तीसरा स्थान पक्का किया। चीन की यिहान झांग ने 13.650 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि वियतनाम की थी क्विन न्हू गुयेन ने 13.583 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता। युवा भारतीय जिमनास्ट प्रोतिस्ता सामंता ने भी इस स्पर्धा में प्रभावित करते हुए 13.016 के स्कोर के साथ चौथा स्थान हासिल किया। प्रणति ने इस प्रदर्शन के साथ महाद्वीपीय चैंपियनशिप में अपना तीसरा पदक हासिल करते हुए अनुभवी जिमनास्ट दीपा करमाकर के दो पदकों को पीछे छोड़ दिया।

न्यूजीलैंड भारत में खेलेगा तीन वनडे और पांच टी20

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच जनवरी 2026 में होने वाली व्हाइट बॉल सीरीज के शेड्यूल की घोषणा कर दी है। इस दौरे में दोनों टीमों के बीच 3 वनडे और 5 टी-20 मुकाबले खेले जाएंगे। इस सीरीज का दूसरा टी-20 मैच 23 जनवरी को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। बता दें है कि टीम इंडिया इससे पहले भी न्यूजीलैंड के खिलाफ रायपुर में एक टी-20 मैच खेल चुकी है। यह न्यूजीलैंड के खिलाफ रायपुर में होने वाला दूसरा टी-20 मुकाबला होगा। न्यूजीलैंड का भारत दौरा 11 जनवरी से 31 जनवरी तक चलेगा। अगले साल फरवरी-मार्च महीने में टी 20 वर्ल्ड कप खेला जाना है। उससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ टी 20 सीरीज भारतीय टीम के लिए वर्ल्ड कप की तैयारियों की दृष्टि से बेहद अहम सीरीज होगी। यह साल 2026 में भारतीय टीम की पहली सीरीज होगी, बताते चलें कि इससे पहले 2025 के अंत तक टीम इंडिया काफी व्यस्त रहने वाली है। जून-दिसंबर 2025 तक के बीच भारतीय टीम को इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज खेलनी हैं।

भारत का शेड्यूल

प्रारूप	दिनांक	शहर
वनडे	11 जनवरी	बड़ौदा
वनडे	14 जनवरी	राजकोट
वनडे	18 जनवरी	इंदौर
टी20	21 जनवरी	नागपुर
टी20	23 जनवरी	रायपुर
टी20	25 जनवरी	गुवाहाटी
टी20	28 जनवरी	विशाखापट्टनम
टी20	31 जनवरी	त्रिवेंद्रम

बिजनेस साइट

बालको मेडिकल सेंटर का चार दिवसीय निशुल्क कैंसर जांच शिविर संपन्न

रायपुर। बालको मेडिकल सेंटर ने कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की शुरुआती पहचान और जनजागरूकता के उद्देश्य से चार दिवसीय निशुल्क कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया। यह शिविर जिला अस्पताल चिरमिरी, मनेंद्रगढ़, बैकुंठपुर, बिश्रामपुर एसईसीएल, हसदेव एसईसीएल तथा सोहागपुर एसईसीएल में आयोजित किए गए। शिविर का मुख्य उद्देश्य कैंसर को शुरुआती स्तर पर पकड़ना था, ताकि कम खर्च में प्रभावी इलाज संभव हो सके। इसके साथ ही कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना भी इस पहल का अहम हिस्सा रहा। इस कैंप में देश के वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इनमें वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. दिवाकर पांडे, डॉ. श्रवण नाडकर्णी, बच्चों के कैंसर व रक्त रोग विशेषज्ञ डॉ. सृष्टि श्रीवास्तव एवं डॉ. हेमलता प्रमुख रूप से शामिल रहे। शिविर की विशेष बात रही छत्तीसगढ़ की एकमात्र मोबाइल कैंसर डिटेक्शन वैन की उपस्थिति, जिसमें मैमोग्राफी मशीन, पेप स्मीयर, ब्रश साइटोलॉजी जैसी उन्नत जांच सुविधाएं उपलब्ध थीं। यह वैन पहले जशपुर में मुख्यमंत्री द्वारा फ्लैग ऑफ की गई थी और तब से प्रदेशभर में कैंसर स्क्रीनिंग का कार्य कर रही है। बालको मेडिकल सेंटर की डॉ. मिता निन द्वारा फ्रंटलाइन वर्कर्स को कैंसर के लक्षणों और समय पर पहचान की जानकारी दी गई, ताकि वे अपने क्षेत्रों में लोगों की सही समय पर मदद कर सकें। कैंसर मरीजों की सुविधा हेतु बालको मेडिकल सेंटर में धर्मशाला/सराय की व्यवस्था, रेलवे स्टेशन से निशुल्क बस सेवा, और आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत मुफ्त इलाज की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

सीमा रेखा के बाहर कई बार हवा में उछलकर कैच अब अवैध

एजेंसी ▶▶| लंदन

क्रिकेट के नियमों के संरक्षक मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने 'बन्नी हॉप' यानि सीमा रेखा के बाहर कई बार हवा में उछलकर कैच करने को गैरकानूनी माना है तथा इस संदर्भ में नए नियम इसी महीने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के खेल की परिस्थितियों से जुड़ी शर्तों और अगले साल अक्टूबर से एमसीसी के नियमों में शामिल कर लिया जाएगा।

इस नए नियम के लागू होने के बाद बीबीएल 2023 के दौरान माइकल नेसर और 2020 में मैट रेनशॉ की मदद से टॉम बैंटन द्वारा लिए गए शानदार कैच वैध नहीं माने जाएंगे। आईसीसी ने इस संदर्भ में अपने सदस्य बोर्ड को एक नोट भेजा है जिसने कहा गया है कि वर्तमान नियमों के अनुसार कुछ शानदार कैच देखने को मिले लेकिन इस नियम के कारण कुछ असामान्य देखने वाले कैच भी वैध मान दिए गए जो अधिकतर क्रिकेट प्रेमियों को भी अनुचित लगे। मसीसी ने नेसर द्वारा लिए गए कैच का जिक्र करते हुए कहा कि फील्डर ने बाउंड्री के अंदर कैच पूरा करने से पहले 'बन्नी हॉप' किया। नियमों के अनुसार हालांकि यह तब सही था लेकिन ऐसा लग रहा था कि फील्डर सचमुच में सीमा रेखा से कई बार बाहर निकल गया था।

सीमा रेखा के अंदर कैच वैध

इन घटनाओं ने नई बहस को जन्म दिया जिसके बाद आईसीसी और एमसीसी को अपने नियम 19.5.2 की समीक्षा करनी पड़ी। एमसीसी ने अब स्पष्ट किया है कि सीमा रेखा के पार से छलांग लगाने के बाद गेंद के साथ दूसरी बार संपर्क बनाने के लिए किसी भी क्षेत्ररक्षक को सीमा रेखा के अंदर मैदान पर आना होगा अन्यथा उसे बाउंड्री मान लिया जाएगा।

MATS UNIVERSITY

MATS UNIVERSITY ready for life.......

NAAC GRADE A+ ACCREDITED UNIVERSITY

ADMISSION OPEN FOR THE SESSION 2025-26

FOR ONLINE ADMISSION VISIT : www.matsuniversity.ac.in

DIVERSE ACADEMIC EXCELLENCE : OVER 50 GLOBALLY RECOGNIZED PROGRAMS

M.Tech.
B.Tech.
Diploma
Admission Help Line : 7389356989, 9109951182

M.B.A.
B.B.A. (Hons.)
Admission Help Line : 9109913111

LL.M.
B.A. LL.B.
LL.B.
Admission Help Line : 9109997900

M.C.A.
M.Sc. (CS)
P.G.D.C.A.
B.Sc. Animation & Graphic Deisgning
B.C.A.
D.C.A.
Admission Help Line : 9109951181

M.Com.
B.Com. (Hons.)
Admission Help Line : 7389376989

M.Design (Fashion Design)
B.Sc. (Hons.) (Fashion Design/ Interior Design)
Admission Help Line : 9109951183

M.Lib.I.Sc.
B.Lib.I.Sc.
Admission Help Line : 9109991031

M.A. - Education
B.Ed.
Admission Help Line : 9109951184

B.Pharmacy
D.Pharmacy
Admission Help Line : 9755199381

M.A. Yoga
B.P.Ed.
P.G.D.Y.Ed.
Admission Help Line : 9755199381

M.Sc. Psychology
P.G.D.G.C.
B.Sc. (Hons.) Psychology
Admission Help Line : 7471180268

M.A.
B.A. (Hons.)
Diploma
Admission Help Line : 7880001773

M.A.
B.A. (Hons.)
Admission Help Line : 9752942949

B.S.W.
M.S.W.
Admission Help Line : 9109994500

B.Sc.
Biotechnology/ Microbiology
Forensic Science/ CBZ/ PCM
PG Dip. in Forensic Science & Criminology

M.Sc.
Microbiology/ Chemistry
Zoology/ Mathematics
Forensic Science / Botany
Admission Help Line : 9109991032

Arang Campus Tour Tuesday & Friday every week 11.00 A.M.from Pandri Campus Call : 7880001772

Why MATS University ?

- Top ranked Private University in Chhattisgarh with growing international reputation for excellence.
- Chhattisgarh's First University Registered on STUDY IN INDIA.
- One Terabyte (1,000 GB) Wi-Fi Campuses in Chhattisgarh.
- NEP 2020 implementation with flexible subjects of same credit.
- Encourages Research at UG level giving equal opportunities to all years of study, viewing it as connected aspect of students' learning experience.
- Fosters the spirit of entrepreneurship and empowers students to share ideas and develop creativity through Project Based Learning.
- Highly Competent faculty with rich Industry and Academic experience tutor students on curriculum that meets global employer demands.
- Over 40 MoUs for academic and sports collaborations.
- Multiple pathways for academic success through internships, camps, exchange and study abroad programmes.
- Scholarships and Awards for academic excellence. Training for participation in National and International events and competitions for academic and non-academic events.
- Campus Placement and Corporate Training Programmes on core competency developments like employability skills, and awareness on employment avenues.
- Access to over 45,300 Volumes of Books, 21,000 e-journals, 15,000 e-books with online databases viz. Manupatra, Delnet SOUL and Resource Centre & Digital Library.
- Well-furnished Cafeteria and Mess serving Indian cuisines.
- Separate Hostel accommodation for boys and girls with option for single/double/triple sharing and AC/Non-AC rooms.
- Recreation facilities at Sports Gym.
- Round the clock security system with CCTV surveillance.

The University now offers dedicated transportation services to Durg and Bhilai for students and staff

No. 1

NAAC A+ GRADED
FIRST AND ONLY PRIVATE UNIVERSITY IN CHHATTISGARH

SCAN FOR VIRTUAL TOUR OF MATS UNIVERSITY

ACCREDITATION & AFFILIATION

UGC · AIU · CGPURC · AICTE · NCTE · BCI · NAAC · PCI

FOR DETAILS CALL : 1800 123 819999

ADMISSION OFFICE : RAIPUR CAMPUS, MATS TOWER, PANDRI, RAIPUR, CG, 492 004
UNIVERSITY CAMPUS : AARANG KHARORA HIGHWAY, AARANG, RAIPUR, CG, 493 441
Tel : 0771 4078995, 96, 98 **Mob:** 9109951184, 9755199381, 9109994500 **Email :** admissions@matsuniversity.ac.in

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com